खबर छुपेगी नहीं छपेगी

दुर्गमि ख़बर

राष्ट्रीय राजधानी से प्रकाशित हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष : 17 अंक 07 | दिल्ली, सोमवार 22 जुलाई 2024 | RNI-No. DELHIN/2008/2623 | पेज: 8 मूल्य : 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ ट्रेन हादसे की आ गई पहली रिपोर्ट

- ट्रेन की स्पीड तीन गुना ज्यादा थी, ट्रैक में भारी गड़बड़ी थी

लखनऊ (एजेंसी)। चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ ट्रेन हादसे की पहली रिपोर्ट सामने आई है। रेलवे ने रिपोर्ट में बताया है कि ट्रैक की गड़बड़ी की वजह से हादसा हुआ। ट्रैक पर 30 किलोमीटर की रफ्तार से ट्रेन चल सकती है, लेकिन लोको पायलट (ट्रेन ड्राइवर) को इसके बारे में बताया ही नहीं गया। उसने 86 किलोमीटर की स्पीड से ट्रेन दौड़ा दी और हादसा हो गया। हादसे के 2 मिनट बाद उसे कॉशन मिला।

गाजा के बाद अब इजराइल ने यमन पर कर दिया हमला

- हूती के ठिकानों पर एयरस्ट्राइक, रक्षा मंत्री बोले-यह इजराइलियों के खून की कीमत

होदेइदा (एजेंसी)। हमास के खिलाफ जंग के 9 महीने बाद इजराइल ने शनिवार को पहली बार यमन में हूती विद्रोहियों के कई ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। न्यूज एजेंसी ने बताया कि इजराइल ने हूती विद्रोहियों के

कब्जे वाले होदैदा पोर्ट और पावर स्टेशन को निशाना बनाया। यमन के न्यूज चैनल अलमसीरा टीवी ने बताया कि हमले के बाद एक फ्यूल डिपो में भीषण आग लग गई। सोशल मीडिया पर कई फोटो और वीडियो सामने आए हैं, जिसमें धुएं का गुबार उठते देखा गया है। इस हमले में 3 हूती विद्रोहियों की मौत हुई है।

लेफ्ट दलों से भी ज्यादा हिंसक हो गई है टीएमसी

- शहजाद पूनावाला का ममता की पार्टी पर बड़ा अटैक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तृणमूल कांग्रेस पर अटैक किया है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी

की पार्टी टीएमसी ने 21 जुलाई को शहीद दिवस के तौर पर मनाने का फैसला लिया है। इसी पर कटाक्ष करते हुए शहजाद पूनावाला ने टीएमसी को एक खास सलाह दी। शहजाद पूनावाला ने वीडियो संदेश जारी कर कहा, तृणमूल कांग्रेस तो लेफ्ट दलों से भी ज्यादा हिंसक हो गई है। ऐसे में उन्हें शहीद दिवस की बजाय आत्मनिरीक्षण दिवस मनाना चाहिए।

जम्मू में भारत-पाक बॉर्डर पर बीएसएफ के साथ सेना तैनात

श्रीनगर (एजेंसी)। पाकिस्तान से जुड़े जम्मू बॉर्डर पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ ही सेना तैनात कर दी गई है। 2020 में चीन के साथ टकराव के बाद जवानों को जम्मू रीजन से हटाकर

- 4 साल बाद हुआ ऐसा, 2020 में जवानों को लद्दाख में एलओसी भेजा गया था

लद्दाख में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) भेज दिया गया था। हालांकि, अभी एलओसी से यहां जवान नहीं लाए जाएंगे, बल्कि जम्मू में दो-तीन दिन में अतिरिक्त तैनाती होगी। जो जवान पहले से जम्मू में हैं, उन्हें बॉर्डर भेज दिया है। सैन्य सूत्रों के मुताबिक

कठुआ के पहाड़ी इलाकों के 80 किमी दायरे में जवान तैनात हो चुके हैं। इन्होंने नदियों, बरसाती नालों, घुसपैठ के पुराने मार्गों को पूरी तरह नियंत्रण में ले लिया है। यह जानकारी शनिवार को जम्मू पुलिस मुख्यालय में सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी की मौजूदगी में हुई बैठक में दी गई। इसमें बताया गया कि जम्मू रीजन में जवान बढ़ाने और खुफिया सूचनाओं को तुरंत साझा करने के लिए मल्टी एजेंसी सेंटर को उन्नत कर रहे हैं। आतंकियों के सफाए के लिए इंटर कमांड बदलाव करते हुए कमांडो भी तैनात किए जा रहे हैं। वेस्टर्न कमांड से भी फौज भेजी गई है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि जम्मू क्षेत्र की पीर पंजाल और चिनाब घाटी में 12 से अधिक आतंकी समूह सक्रिय हैं। 9 जुलाई को रियासी हमले के बाद सुरक्षा तंत्र ने 19 सिग्नल इंटरसेप्ट किए हैं। इसमें सांबा और हीरानगर में भारत-पाक सीमा पर अगले कुछ दिनों बड़ी घुसपैठ के संकेत मिलने के बाद सैन्य तैनाती बढ़ाई गई।

इस बार हालात ज्यादा गंभीर

जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी एसपी वैद्य ने बताया कि 2005 के पहले जम्मू संभाग के पहाड़ी जिलों में आतंकवाद का जितना विस्तार था, इस बार हालात उससे ज्यादा गंभीर हैं। अगर तत्काल गंभीर कार्रवाई नहीं की गई तो हालात नियंत्रण से बाहर हो सकते हैं। हालांकि, सेना की तैनाती बहुत तेजी से बढ़ा दी गई है और नई योजना के साथ सेना मैदान में है। जल्द ही नतीजा आ जाएगा। हम उन्हें नेस्तनाबूद कर देंगे। जम्मू में बढ़ते आतंकी हमलों के बीच भारतीय सेना ने लगभग 500 पैरा स्पेशल फोर्स कमांडो को भी तैनात किया है। रक्षा सूत्रों ने न्यूज एजेंसी को बताया कि जम्मू रीजन में पाकिस्तान के 50-55 आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। ये भारत में फिर से टेरर नेटवर्क ऐक्टिव करने के लिए घुसे हैं। सेना को इससे जुड़े इंटेलीजेंस इनपुट मिले हैं, जिसके बाद उन्होंने मोर्चा संभाल लिया है।

मानसून सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक, 44 पार्टियां हुई शामिल

कांग्रेस ने डिप्टी स्पीकर पद मांगा, नीट, कांवड़ यात्रा का मुद्दा भी उठा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र और बजट से पहले पार्लियामेंट हाउस में ऑल पार्टी मीटिंग बुलाई गई। बैठक में बीजेपी समेत 44 पार्टियों ने हिस्सा लिया। बैठक की अध्यक्षता राजनाथ सिंह ने की। कई केंद्रीय मंत्री इसमें शामिल हुए। विपक्ष की तरफ से कांग्रेस, एएपी, सपा, आरजेडी व अन्य पार्टियों ने हिस्सा लिया। कांग्रेस ने लोकसभा के डिप्टी स्पीकर का पद मांगा। साथ ही कहा- नीट मामले में लोकसभा में चर्चा हो। सपा नेता रामगोपाल यादव ने यूपी कांवड़ यात्रा रूट की दुकानों पर नेम प्लेट लगाने का मुद्दा उठाया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बताया- बैठक में जेडीयू ने बिहार के लिए विशेष राज्य का दर्जा मांगा, वायएसआरसीपी ने आंध्र प्रदेश को भी विशेष दर्जा देने की मांग की। केंद्र सरकार द्वारा बुलाई गई इस बैठक में ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी नहीं आई। पार्टी के नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू को चिट्ठी लिखकर बताया कि उनकी पार्टी का कोलकाता में कार्यक्रम है, इसलिए बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे। सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, हमने बहुत उपयोगी चर्चा की। मैं सभी पार्टियों के फ्लोर लीडर्स को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने अच्छे सुझाव दिए। हमने संसद के सभी सदनों के नेताओं से सुचारु रूप से सुझाव लिए हैं, यह सरकार और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है। साथ ही अपील की है कि हम लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सर्वदलीय बैठक मानसून सत्र के दौरान संसद अच्छे से चलाने के लिए बुलाई जाती है। विपक्ष और सरकार के बीच कुछ मुद्दों को लेकर हमेशा टकराव की स्थिति बनी रहती है, इसलिए संसद में हंगामा होता है और सत्र ठीक से नहीं चल पाता। संसद की एक मिनट की कार्यवाही पर करीब ढाई लाख रुपए खर्च होते हैं। यानी हर घंटे से हिसाब से 1.5 करोड़ रुपए होती है।

नीट पेपर लीक में पहचान बदलकर मेडिकल कॉलेज पहुंची सीबीआई

भरतपुर (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने भरतपुर (राजस्थान) के जगन्नाथ पहाड़िया मेडिकल कॉलेज के दो स्टूडेंट को गिरफ्तार किया है। दोनों स्टूडेंट ने डमी कैंडीडेट बनकर हजारीबाग (झारखंड) में 5 मई को पेपर दिया था। सीबीआई की टेक्निकल सर्विलांस टीम ने दोनों स्टूडेंट के एग्जाम के

- डॉक्टरी कर रहे 2 स्टूडेंट गिरफ्तार, भरतपुर में किराए के कमरे में रह रहे थे

दौरान हजारीबाग में मौजूद होने की पुष्टि की। इसके बाद सीबीआई का स्टाफ नेशनल मेडिकल काउंसिल का स्टाफ बनकर 16 जुलाई को भरतपुर के मेडिकल कॉलेज पहुंची। दोनों स्टूडेंट के बारे में जानकारी जुटाई और किराए के कमरे से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए दोनों छात्रों में एक जोधपुर का कुमार मंगलम विश्नोई और दूसरा दौसा जिले का दीपेंद्र कुमार है। फिलहाल कॉलेज से दोनों छात्रों के बारे में अधिक जानकारी नहीं मिल पाई है। रविवार दोपहर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. तरुण कुमार ने बताया- सीबीआई की टीम बनकर 16 जुलाई को रैगिंग प्रकरण में जांच करने कुछ लोग कॉलेज के कैंपस में आए थे। उसी दिन सीएम भजनलाल शर्मा के पिता बाथरूम में स्लिप होकर घायल हो गए थे। मैं उन्हें लेकर जयपुर चला आया था। टीम को कॉलेज में ही छोड़ आया था। सीबीआई की

कुमार मंगलम विश्नोई | दीपेंद्र कुमार

कार्रवाई के बारे में जानकारी नहीं है। जानकारी के मुताबिक, कुमार मंगलम विश्नोई कॉलेज में रैगिंग मामले में भी दोषी था। उसे इसी साल मार्च महीने में 3 महीने के लिए कॉलेज से निष्काषित भी किया गया था। इसके साथ ही कुमार मंगलम पर 25 हजार का जुर्माना भी लगाया गया था। इसकी जानकारी सीबीआई को थी। इसलिए सबसे पहले 16 जुलाई को सीबीआई की टीम मेडिकल की टीम बनकर मेडिकल कॉलेज पहुंची। सीबीआई की टीम में रैगिंग प्रकरण के मामले की जांच के बहाने सॉल्वर गैंग का पता लगाया। मेडिकल कॉलेज में टीम के बारे में किसी को भनक तक नहीं लगी। सॉल्वर गैंग का पता लगाने के बाद सीबीआई मेडिकल कॉलेज से चली गई। इसके बाद दोबारा सीबीआई की टीम 18 जुलाई को मेडिकल कॉलेज पहुंची। इसके बाद टीम भरतपुर शहर में पहुंची, जहां किराए का कमरा लेकर दोनों स्टूडेंट रहते थे। कमरे से कुमार मंगलम और दीपेंद्र कुमार को गिरफ्तार किया। कुमार मंगल 2022 और दीपेंद्र 2023 बैच का स्टूडेंट है। दोनों स्टूडेंट दोस्त हैं। सीबीआई की जांच में सामने आया कि कुमार मंगलम और दीपेंद्र पेपर सॉल्व करते थे। नीट मामले में पटना एम्स से पकड़े गए आरोपियों के मोबाइल डिटेल खंगाले तो इन दोनों के बारे में जानकारी मिली थी। परीक्षा वाले दिन का लोकेशन निकाला गया तो दोनों की उपस्थिति हजारीबाग मिली। इसके बाद टीम भरतपुर के लिए रवाना हो गई। इसी मामले में जोधपुर का स्टूडेंट्स हुकमाराम भी फरार है। वह प्रयागराज के एक मशहूर डॉक्टर राजेश प्रसाद पांडे के बेटे राज पांडे की जगह बिहार के सेंटर पर एग्जाम देने बैठा था। इसके लिए उसे 4 लाख मिला है।

भारत से बैन हटाओ, एफ-35 फाइटर जेट जल्द दो

- रूस से दिल्ली की नजदीकी ने उड़ाई अमरीकियों की नींद, सताया बड़ा डर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारत ने हाल के समय में अपनी सेना को मॉडर्न करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इस कड़ी में भारत मॉडर्न फाइटर जेट की खरीद करने जा रहा है। हथियार खरीद के लिए भारत खासतौर से रूस पर निर्भर रहा है लेकिन कई दूसरे देशों से भी उसने कई सैन्य डील की हैं। पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू

विमानों के लिए भारत की फेवरेट लिस्ट में यूएस के एफ-35 और रूसी एसयू-57 हैं। इस बीच अमेरिका में मांग उठी है कि प्रतिबंधों पर पुनर्विचार करते हुए भारत को एफ-35 बेचा जाना चाहिए। अमेरिका में एक बड़े वर्ग का मानना है कि अमेरिका अगर भारत को एफ-35 देता है तो उसे चीन का मुकाबला करने में मजबूत मिलेगी। साथ ही साथ रूसी तकनीक पर भी भारत की निर्भरता कम हो जाएगी। द नेशनल इंट्रेस्ट की रिपोर्ट कहती है कि भारत दो परमाणु हथियार संपन्न शक्तियों चीन और पाकिस्तान की आक्रामकता का सामना कर रहा है।

गुजरात में बारिश ने मचाया तांडव

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बारिश से जुड़ी घटनाओं में पिछले 24 घंटे में 11 लोगों की मौत हो गई। राहत विभाग के मुताबिक शुक्रवार शाम 6.30 बजे से शनिवार शाम 6.30 बजे तक पांच लोग डूब गए और

- एनडीआरएफ तैनात, उत्तर प्रदेश में 24 घंटे में 11 की मौत, 9 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

5 की मौत बिजली गिरने से हुई। जबकि एक की मौत सांप काटने से हो गई। मौसम विभाग ने रविवार 22 जुलाई को विदर्भ, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, मराठवाड़ा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भारी बारिश की संभावना जताई है। अगले चार दिनों के दौरान कोंकण,

गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश में भारी बारिश का अनुमान है। गुजरात के सौराष्ट्र में शनिवार को हुई भारी बारिश के चलते निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। एनडीआरएफ की टीमें राहत और बचाव के लिए तैनात की गई हैं। गुजरात के नखत्राणा में भारी बारिश से पलारधुना झरने में पानी बढ़ने के बाद बाढ़ जैसे हालात बन गए। झरना घूमने गए 2 लोग इसमें फंस गए और 2 घंटे तक बबूल के पेड़ के सहारे लटके रहे। आस-पास के लोगों ने चिल्लाने की आवाज सुनकर इन दोनों को रस्सी के सहारे बाहर निकाला। कर्नाटक के भूस्खलन प्रभावित उत्तर कन्नड़ जिले भारी बारिश के चलते 17 जुलाई को लैंडस्लाइड की घटना हुई। इसके बाद से इलाके में लगातार लैंडस्लाइड हो रहा है। इस लैंडस्लाइड में 10 लोगों के लापता होने की शिकायत मिली थी, जिसमें से 7 की डेडबॉडी बरामद कर ली गई है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है और बाकी 3 लोगों की तलाश भी की।

केरल में 14 साल के लड़के की निपाह-वायरस से मौत

- रिश्तेदारों को निगरानी में रखा गया; 2018 के बाद राज्य में 5वीं बार फैला संक्रमण

मलप्पुरम (एजेंसी)। केरल के मलप्पुरम के निपाह वायरस से पीड़ित 14 साल के लड़के की रविवार को मौत हो गई। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि पीड़ित लड़के को सुबह 10.50 बजे दिल का दौरा पड़ा। इसके बाद उसे वेंटीलेटर सपोर्ट पर

भी रखा गया, लेकिन सुबह 11.30 बजे उसकी मौत हो गई। वीना ने बताया कि संक्रमित लड़के को ऑस्ट्रेलिया से मिली मोनोक्लोनल एंटीबॉडी दी गई थी। प्रोटोकॉल के मुताबिक संक्रमित होने के 5 दिन के अंदर इसे दिया जाता है। इस मामले में संक्रमित लड़के को एंटीबॉडी देने में देर हो गई थी।

झारखंड में बीजेपी के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनेंगे नीतिश कुमार!

- 25 प्रतिशत कुर्मी वोटों के लिए सुदेश-जयराम के साथ ठोंकेंगे ताल

विधानसभा चुनाव का शाह ने किया शंखनाद, 30 सीटों पर निर्णायक

पटना (एजेंसी)। झारखंड में विधानसभा चुनाव का भाजपा ने शंखनाद कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को रांची में विधानसभा चुनाव का बिगुल बजा दिया। पार्टी के 26 हजार कार्यकर्ताओं का जुटान हुआ था। इस बार भाजपा का चुनावी एजेंडा वही है, जो लोकसभा में था। मसलन हेमंत सोरेन सरकार का भ्रष्टाचार, घुसपैठ और इसकी वजह से आदिवासी समाज पर पड़ने वाले प्रभाव के अलावा बेरोजगारों के साथ हेमंत सरकार की वादाखिलाफी को आधार बना कर भाजपा जनता के बीच जाएगी। भाजपा के भीतर जातीय समीकरण पर भी फोकस रहेगा। आदिवासियों के लिए आरक्षित सीटें जीतना भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इसके लिए भाजपा ने पहले से ही अपने बड़े आदिवासी नेताओं को मैदान में उतारने की तैयारी कर ली है। झारखंड में भाजपा को अपनी कामयाबी का भरोसा इसलिए दिखता है कि इसकी जड़ें पहले से जमी हुई हैं। सिर्फ इसे संभालने और पटरी पर लाने की जरूरत है। पर, भाजपा के लिए सबसे बड़ी

चुनौती कुड़मी (कुर्मी) वोटर हैं, जिनकी आबादी कुड़मी नेता 25 प्रतिशत बताते हैं। वैसे सरकारी महकमे में यह आबादी 16 फीसद बताई जाती है। झारखंड में विधानसभा की कुल 81 सीटें हैं। इनमें 28 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। 30 विधानसभा सीटों पर कुड़मी वोटर निर्णायक माने जाते हैं। छह संसदीय क्षेत्रों में इनका खासा प्रभाव है। कुड़मी वोटर को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने इसी समाज से आने वाले सुदेश महतो की आजसू पार्टी से गठबंधन किया है। अभी तक कुड़मी समाज के वोटों पर सुदेश महतो का ही एकाधिकार था। हालांकि अब कुड़मी वोटों को ध्यान में रखते हुए इस बार इसके तीन दावेदारों के मैदान में होने की प्रबल संभावना है। अभी तक झारखंड में कुड़मी नेता के रूप में आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो की ही पहचान रही है। हालांकि कुड़मी बहुल 30 विधानसभा सीटें होने के बावजूद आजसू को उस हिसाब से कभी सीटें नहीं मिलीं। 2005 के विधानसभा चुनाव में आजसू को सिर्फ दो सीटें मिली थीं। भाजपा के साथ तब नीतिश कुमार की पार्टी जेडीयू भी था। भाजपा ने जेडीयू के साथ गठबंधन के तहत 63 सीटों पर लड़ कर 30 सीटें जीतीं तो जेडीयू 18 पर लड़ कर छह सीटें जीता था। आजसू ने 40 सीटों पर उम्मीदवार उतारे, लेकिन उसे दो सीटें ही मिलीं।

दिल्ली सरकार ने छठे वित आयोग का गठन नहीं किया

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और रोहिणी के विधायक विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि दिल्ली सरकार ने अभी तक छठे दिल्ली वित्त आयोग का गठन नहीं किया है। पांचवे दिल्ली वित्त आयोग की सिफारिशें मार्च 2021 तक ही लागू थीं और अब तक दिल्ली सरकार नई सिफारिशें जारी नहीं कर पाई है। विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार नगर निगम को पांचवे दिल्ली वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर फंड दे रही है। यह वर्तमान परिस्थितियों में अपर्याप्त और असंवैधानिक है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार ने संविधान का उल्लंघन करते हुए नगर निगम को आवश्यक फंड से वंचित रखा है।

रेड क्रॉस सोसाइटी के अस्पताल को मिलेगा नया रूप : एलजी

नई दिल्ली। दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने रविवार को कहा कि सीमापुरी इलाके में स्थित इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा संचालित अस्पताल को नया रूप दिया जाएगा। उप राज्यपाल ने इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा संचालित एक स्कूल और गोल्फ लिंक में स्थित इसके मुख्य ऑफिस का दौरा भी किया। उप राज्यपाल ने शनिवार को पूर्वी दिल्ली में स्थित इस अस्पताल का दौरा किया था। उन्होंने आधुनिक उपकरणों और कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे अस्पताल का कायाकल्प करने के लिए अधिकारियों को छह माह का समय दिया है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों और वरिष्ठ अधिकारियों से अस्पताल में मौजूद सुविधाओं के विकास के लिए जल्द से जल्द एक रोडमैप तैयार करने को कहा। यह अस्पताल पिछले छह माह से चिकित्सा अधिकारी की अनुपस्थिति और बेहद कम कर्मचारियों के साथ संचालित हो रहा है। उप राज्यपाल ने केंद्र सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार अस्पताल में उपलब्ध कराए जाने वाले डॉक्टरों, कर्मचारियों, उपकरणों और सुविधाओं की आवश्यकताओं के गहन मूल्यांकन करने का विशेष रूप से निर्देश दिया।

सावन के पहले सोमवार को कई रास्तों पर रहेगा दबाव

नई दिल्ली। सावन के पहले सोमवार पर एक तरफ जहां श्रद्धालु मंदिरों में दर्शन करेंगे तो वहीं दूसरी तरफ कांवड़ियों के हरिद्वार से लौटने का सिलसिला भी शुरु होगा। इसे ध्यान में रखते हुए सोमवार को यातायात पुलिस द्वारा व्यावक बंदोबस्त किए जाएंगे। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से भी अपील की है कि वह कांवडियों के रास्तों से दूर रहें। ऐसी जगहों पर उन्हें जाम का सामना करना पड़ सकता है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार गौमुख, गंगोत्री धाम और हरिद्वार से गंगाजल से लाकर श्रद्धालु शिवरात्रि के मौके पर गंगाजल भगवान शिव पर चढ़ाएंगे। सोमवार को सावन का पहला सोमवार है। इसके साथ ही कांवड़ियों के लौटने का सिलसिला शुरु हो जाएगा। सोमवार से शुरु होने वाली कांवड़ यात्रा आगामी दो अगस्त तक चलेगी। काफी संख्या में जहां श्रद्धालु दिल्ली में अपनी यात्रा समाप्त करेंगे तो वहीं लाखों कांवड़िये दिल्ली होते हुए गुरुग्राम, फरीदाबाद, रोहतक तरफ प्रस्थान करेंगे। इस वर्ष दिल्ली के रास्ते कांवड़ लाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगभग 20 लाख रहने की संभावना है। ट्रैफिक पुलिस द्वारा कांवड़ियों के सभी रूट चिन्हित कर उन्हें यातायात से अलग रखने का बंदोबस्त किया गया है। कांवड़ियों के लिए जगह-जगह शिविर भी लगाए जा रहे हैं। इनके चलते उस जगह के आसपास यातायात प्रभावित रह सकता है। इनमें रानी झांसी रोड पर बर्फ खानना चौक से दमकल केन्द्र बुलवर्ड रोड, आजाद मार्केट चौक, गोकलपुरी फ्लाईओवर, 66 फुटा रोड, मौजपुर चौक, बदरपुर टी-प्वाइंट और मथुरा रोड शामिल हैं। इसके साथ ही एनएच-8 (धौला कुआं मेट्रो स्टेशन से रजोकरी बॉर्डर, अपसरा बॉर्डर, महाराजपुर बॉर्डर से गाजीपुर और एनएच-24 पर भी यातायात का दबाव अधिक रहने की संभावना है।

कार सवार कारोबारी का अपहरण कर लूट

नई दिल्ली। सुभाष प्लेस इलाके में कारोबारी का अपहरण कर लूट का मामला सामने आया है। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कोहाट एन्क्लेव निवासी मृगेश गर्ग ने बताया कि उनकी खारी बावली में सूखे मेवे की दुकान है। वह शनिवार को ड्राइवर के साथ कार से दुकान पर जा रहा था। रास्ते में सुभाष प्लेस डिपो के पास कबूतरों को दाना खिलाने के लिए रुका। वापस आकर देखा तो कार में तीन युवक बैठे थे। आरोपियों ने कारोबारी का अपहरण कर लिया। इसके बाद शालीमार बाग में पीड़ित से सोने के आभूषण, आई फोन, नकदी और कार चालक से मोबाइल फोन लूट कर फरार हो गए। वारदात के बाद पीड़ित अपने ड्राइवर के साथ घर पहुंचा और पिता धर्मेश गर्ग को घटना के बारे में बताया। फिलहाल, पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई आज

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय सोमवार को फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुई हिंसा के पीछे कथित बड़ी साजिश से संबंधित मामले में जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई करेगा। याचिका में खालिद को जमानत देने से इनकार करने वाले विशेष अदालत के आदेश को चुनौती गई है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह एवं अमित शर्मा की पीठ उमर खालिद के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम(यूएपीए) के तहत दर्ज मामले में दायर जमानत याचिका पर सुनवाई करेगी। इस मामले में खालिद, शरजील इमाम और कई अन्य पर फरवरी 2020 की हिंसा के कथित तौर पर मास्टरमाइंड होने के लिए आतंकवाद विरोधी कानून गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बदमाशों ने फर्म के कर्मियों से 14 लाख लूटे

नई दिल्ली। सुभाष प्लेस इलाके में बाइक सवार बदमाश शुक्रवार दोपहर ऑटो में सवार फर्म के कर्मचारियों से 14 लाख रुपये लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सैनिक विहार निवासी राजीव अरोड़ा ने बताया कि उनका मोबाइल एसेसरीज का काम है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को माल ढुलाई वाले ऑटो से चालक गौतम और फर्म कर्मचारी करोल बाग सामान की डिलवरी देने के लिए गए थे। लौटते वक्त दोनों कर्मचारियों के पास कलेक्शन में मिले 14 लाख रुपये थे। जब दोनों प्रेमबाड़ी पुल के पास पहुंचे तो पीछे से बाइक ने ऑटो में टक्कर मार दी। गौतम ऑटो उतरकर पीछे देखने गया तो तभी बदमाश ऑटो में आगे रखा रुपये से भरा बैग लेकर फरार हो गए। गौतम ने वारदात की सूचना फर्म मालिक को दी। पुलिस ने केस दर्ज कर पीएसआई कोमल को जांच सौंप दी है।

बिना परमिट वाहन चलाने वाले 45 फीसदी ज्यादा पकड़े गए

नई दिल्ली। राजधानी में बिना परमिट के व्यावसायिक वाहन चलाने वालों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस द्वारा इस वर्ष बड़ा अभियान चलाया गया है। बीते वर्ष के मुकाबले इस वर्ष की पहली छमाही में बिना परमिट वाहन चला रहे चालक 45 फीसदी ज्यादा पकड़ गए हैं। ट्रैफिक पुलिस ने उन इलाकों को भी चिन्हित किया है जहां इस तरह के उल्लंघन ज्यादा हो रहे हैं। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार इस वर्ष के पहले छह महीनों में बिना परमिट के व्यावसायिक वाहन चला रहे 20,009 चालकों को पकड़ा गया और उनके खिलाई कार्रवाई की गई। वर्ष 2023 में इस अवधि के दौरान बिना परमिट के व्यावसाहिय वाहन चलाते हुए 13751 चालकों को पकड़ा गया था। इन आंकड़ों में वृद्धि का सबसे बड़ा कारण ट्रैफिक पुलिस द्वारा सड़क पर बरती जा रही सख्ती है। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस द्वारा इस वर्ष बड़े चौराहों, हाइवे एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में ऐसे वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया गया।ट्रैफिक पुलिस ने दिल्ली की उन 10 जगहों को भी चिन्हित किया है जहां बिना परमिट के सबसे ज्यादा व्यवसायिक वाहन चलते हैं। इसकी मदद से उन क्षेत्रों में विशेष अभियान आगे भी चलाया जाएगा। इससे यातायात नियमों का पालन करने में काफी मदद मिलेगी। अधिकारियों के अनुसार बिना परमिट के चलने वाले वाहनों के खिलाफ इस कार्रवाई से एक तरफ जहां सड़क सुरक्षा बढ़ेगी तो वहीं दूसरी तरफ सड़क हादसों को कम करने में भी मदद मिलेगी। ऐसे उल्लंघन को कम करने के लिए ट्रैफिक पुलिस द्वारा जागरुकता कार्यक्रम भी चलाये जा रहे हैं।व्यवसायिक वाहन के मालिकों एवं चालकों को बताया जा रहा है कि किस तरह सड़क पर यातायात नियमों का पालन करना आवश्यक है।

तिरंगे को नमन कर करें संसद सत्र की शुरुआत: शील मधुर

-सभी देशवासी आज मनाएं तिरंगा दिवस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सादर इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व पुलिस महानिदेशक शील मधुर ने कहा 22 जुलाई अर्थात हमारे राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे का जन्म दिवस है। ?यह एक सुखद संयोग है कि इस वर्ष 22 जुलाई के दिन संसद के मानसून सत्र (बजट सत्र)की शुरुआत हो रही है। इस अवसर विशेष कर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, एनडीए एवं इन्डी गठबंधन सहित देश भर से चुने गए तमाम संसद सदस्य सदन में मौजूद रहेंगे। ?मेरा इन सभी लोगों से सादर निवेदन है कि इस अवसर पर सभी देश भक्त संसद सदस्य तिरंगे के सम्मान में अपने अपने स्थान पर खड़े होकर तिरंगे को प्रणाम करें, सैल्यूट करें तथा तिरंगे से आशीर्वाद लें ताकि वे पार्टी लाइन से उपर उठ कर मिल जुल कर एक मजबूत भारत के निर्माण के साथ ही साथ देशवासियों की बेहतरी के लिए कार्य?कर सकें।

शील मधुर ने कहाहमारे देश के लोग स्वभाव से ही देशभक्त होते हैं। प्रत्येक भारतवासी के दिलों में अपने देश के लिए अथाह प्यार भरा हुआ है और वे अपने देश के साथ ही साथ अपने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा से अत्यधिक प्यार करते हैं एवं इसका सम्मान करते हैं। किसी भी देश का राष्ट्रीय ध्वज उस देश के मान-सम्मान का प्रतीक होता है। विश्व के सभी विकसित देशों का न केवल अपना राष्ट्रीय ध्वज है बल्कि सभी विकसित देशों ने अपने राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में राष्ट्रीय ध्वज दिवस भी घोषित कर रखा है। लेकिन ना जाने वो कौन से कारण हैं कि हमारे देश में स्वतंत्रता प्राप्ति के 77 वर्षों पश्चात आज तक तिरंगा के सम्मान में राष्ट्रीय ध्वज दिवस घोषित नहीं किया जा सका है। उक्त बातें सादर इंडिया मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व पुलिस महानिदेशक शील मधुर ने उस समय कहीं जब वे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के हरियाणा भवन में आयोजित एक पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

पूर्व पुलिस महानिदेशक ने कहा कि 22 जुलाई 1947 को तत्कालीन संविधान सभा की समिति द्वारा तिरंगा के वर्तमान प्रारुप को स्वीकृति प्रदान की गई थी। यही कारण है कि 22 जुलाई को ही तिरंगे का जन्म दिवस मानते हुए सादर इंडिया मंच द्वारा 2021 के पूर्व से ही न केवल तिरंगा दिवस का आयोजन किया जाता है बल्कि विभिन्न माध्यमों के द्वारा सरकार को जनभावनाओं से अवगत करवाते हुए यह मांग की जाती रही है कि हमारे राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के सम्मान में तत्काल तिरंगा दिवस की घोषणा की जाए।

उन्होंने बताया कि जब सरकार द्वारा इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया गया तो सादर इंडिया मंच द्वारा देशवासियों की इस भावना को साकार करने के लिए 26 जनवरी 2021 को गुरुग्राम से हर-हर तिरंगा, घर-घर तिरंगा अभियान की शुरुआत करते हुए यह संकल्प लिया गया कि सादर इंडिया एवं इसकी अनुषंगी शाखा तिरंगा सेना द्वारा तिरंगा यात्राओं के माध्यम से देश के घर-घर तिरंगा पहुंचाने का कार्य किया जाएगा और अपने स्तर पर देश भर में तिरंगा दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह हमारे लिए हर्ष का विषय है कि सर्व प्रथम उत्तर प्रदेश सरकार एवं तत्पश्चात केन्द्र सरकार ने हमारे इस अभियान को एडाप्ट करते हुए देश भर में घर-घर तिरंगा कार्यक्रमों का आयोजन करवाने का कार्य किया।

पूर्व पुलिस महानिदेशक ने कहा कि तिरंगा दिवस का यह महा अभियान केवल मेरी सोच का परिणाम नहीं बल्कि देश के 140 करोड़ देशवासियों की भावनाओं का प्रतिबिंब है। तिरंगा दिवस का आयोजन हमारी कोई मांग मात्र नहीं बल्कि यह देश के 140 करोड़ नागरिकों का अधिकार है। इस संबंध में हमने पत्र एवं ईमेल तथा पत्रकार वार्ताओं के माध्यम से प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति एवं देश के समस्त सांसदों को देशवासियों की इस भावना से पहले ही अवगत करवा दिया है। अब हमें देशवासियों की इस भावना को मूर्त रुप प्रदान करना है। यही कारण है कि सादर इंडिया मंच एवं तिरंगा सेना के कार्यकर्ताओं द्वारा 2021 से ही प्रतिवर्ष देश भर में 22 जुलाई को तिरंगा दिवस का आयोजन किया जाता है।

इसी कड़ी में इस वर्ष भी आगामी 22 जुलाई को तिरंगा सेना के कार्यकर्ताओं द्वारा देश के राष्ट्रभक्त नागिरकों के साथ मिल कर संपूर्ण देश में तिरंगा दिवस समारोहों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बार 22 जुलाई के लिए उन्होंने प्रणाम तिरंगा थीम लांच की है। मेरी देशवासियों से अपील है कि आप सब आगामी 22 जुलाई को अपने घर, दफ्तर, पार्क अथवा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर एकत्रित होकर अपने प्यारे तिरंगे को प्रणाम करें, सैल्यूट करें तथा तिरंगे पर पुष्प अर्पित करें। इसके अलावा इस दिन तिरंगे को सैल्यूट करते हुए अथवा तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी लेकर तक्कड्डुठ्ठुड्डुद्वञ्जद्वह्ड्डुठ्ठुद्दड्डु पर अपलोड करें।

पूर्व पुलिस महानिदेशक ने बताया कि इस वर्ष 22 जुलाई को प्रणाम तिरंगा की थीम पर देश के विभिन्न शहरों, गांवों, स्कूलों, कालेजों में तिरंगा यात्राएं निकाल कर तिरंगा दिवस समारोह के आयोजन को मूर्त रुप प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल एक कपड़े का टुकड़ा अथवा कोई आकार नहीं बल्कि हमारी जीवनशैली है। तिरंगा हमारे देश के अस्तित्व, आजादी, संविधान, शांति, अहिंसा, प्रेम एवं खुशहाली का प्रतीक है। यह हमारी सभ्यता एवं संस्कृति का वाहक है। देश के 140 करोड़ नागिरकों का प्रतिनिधी है। विविधता में एकता का वाहक है। तिरंगे के प्रत्येक रंग का अपना विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि आजादी के इतने वर्षों के बाद भी भारत का तिरंगा दिवस नहीं होना दुख की बात है। पुर्व पुलिस महानिदेशक शील मधुर ने कहा कि हमने यह दृढ़ संकल्प लिया है कि जब तक देश में तिरंगा दिवस को अधिकारिक रुप से राष्ट्रीय ध्वज दिवस घोषित नहीं कर दिया जाता तब तक उनका यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

एलजी और भाजपा केजरीवाल की झूठी रिपोर्ट जारी कर रही: संजय सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने आरोप लगाया है कि भाजपा जेल के भीतर अरविंद केजरीवाल को मारने की साजिश रच रही है। तीन जून से सात जुलाई के बीच लगभग 30 बार अरविंद केजरीवाल का शूगर लेवल 50 के नीचे या इसके आसपास रहा है। इस स्तर पर कोई भी शख्स कोमा में जा सकता है और उसकी जान भी जा सकती है। उपराज्यपाल और भाजपा की ओर से अरविंद केजरीवाल की झूठी रिपोर्ट जारी की जा रही है। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा और उपराज्यपाल के इशारे पर केजरीवाल की जान के साथ खिलवाड़ हो रहा है। केजरीवाल के जेल जाने पर पहले कहा गया कि वह ज्यादा खाना खा रहे हैं। पूरी-मिठाई खाकर शुगर बढ़ा रहे हैं। उन्हें इंसुलिन की कोई आवश्यकता नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जब एम्स का मेडिकल बोर्ड बनाया गया तो उसने कहा कि उन्हें इंसुलिन की आवश्यकता है। अब उपराज्यपाल और भाजपा द्वारा कहा जा रहा है कि जेल में अरविंद केजरीवाल कुछ खा ही नहीं रहे हैं। कम कैलोरी लेकर वह शुगर कम कर रहे हैं। यह कैसे संभव है कि कोई अपनी जान से खिलवाड़ करेगा। संजय सिंह ने बताया कि अरविंद केजरीवाल ने अपने शूगर लेवल को लेकर जेल प्रशासन से रिपोर्ट मांगी थी। जेल के डॉक्टरों की तरफ से दी गई यह रिपोर्ट वकील के माध्यम से उन्हें मिली है। इर रिपोर्ट में बताया गया है कि एक महीने के दौरान 30 से ज्यादा बार अरविंद केजरीवाल का शूगर 50 या उसके आसपास रही है। यह बेहद चिंताजनक है।

कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए डीटीयू और सीईए के बीच हुआ समझौता

नई दिल्ली। दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) और सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (सीईए) ने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए नई तरीकों को पता लगाने और उसे इस्तेमाल में लाने को लेकर एक समझौता किया है। नेट जीरो उत्सर्जन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नोडल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर एनर्जी ट्रांजीशन (एनसीईईटी) स्थापित करने के लिए दोनों संस्थानों ने सहमति जाहिर की है। इस पहल का उद्देश्य ऊर्जा संक्रमण के क्षेत्र में नवीनतम प्रौद्योगिकियों, समाधानों और नीतियों का विकास करना है। डीटीयू के कुलपति प्रो. प्रतीक शर्मा ने कहा कि सरकार, उद्योग और शिक्षा जगत मिलकर काम करें तो नए और श्रेष्ठ विचार निकलते हैं। डीटीयू और सीईए मिलकर युवा क्षमता का उपयोग करके बदलाव लाने के लिए लगातार प्रयासरत रहेंगे। सीईए के अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद ने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य नेट-जीरो उत्सर्जन के रास्ते तैयार करने के लिए कुशल ऊर्जा नेटवर्क के स्वदेशीकरण पर रहेगा। यह सफलता डीटीयू जैसे संस्थानों के शिक्षाविदों के सहयोग से ही संभव होगी। क्या है नेट जीरो उत्सर्जन - नेट जीरो उत्सर्जन का अर्थ है कि किसी देश, कंपनी, संगठन या गतिविधि द्वारा उत्पन्न कुल ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा और वातावरण से हटाई गई ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा के बीच संतुलन बना रहे। सीधे शब्दों में, यह स्थिति तब होती है जब किसी इकाई की ओर से उत्सर्जित कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों की कुल मात्रा शून्य के बराबर हो जाती है।

खाता डीफ्रिज कराने को पुलिसकर्मी बन भेजा ई-मेल, गिरफ्तार

नई दिल्ली। इंटेलीजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटजिक ऑपरेशन यूनिट (इफ्सो) ने ठगी में फ्रीज बैंक खाता डीफ्रीज कराने के लिए पुलिस अधिकारी बन बैंक को ई-मेल भेजने वाले गिरोह को पकड़ा है। पुलिस ने गिरोह के सरगना समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एसबीआई की शाखा में कार्यरत कर्मचारी भी है। इफ्सो के डीसीपी हेमंत तिवारी ने रविवार को बताया कि सचिन बंसल से शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 91 लाख रुपये की ठगी हो गई थी। ठगी के पैसे 19 बैंक खातों में गए थे। इन सभी बैंक खातों को फ्रीज करा दिया गया था, जिसमें गौरव ट्रेडर्स के नाम से भी एसबीआई में एक खाता था। इस खाते में ठगी के 46 लाख रुपये जमा किए गए थे।

डीसीपी हेमंत तिवारी ने बताया कि इस बैंक खाते को डीफ्रीज कराने के लिए एसबीआई को ई-मेल भेजा गया था। ई-मेल को भेजने वाले ने खुद को पुलिस अधिकारी बताया था, लेकिन बैंक मैनेजर को शक हो गया और उसने इफ्सो को घटनाक्रम की सूचना दी। डीसीपी ने बताया कि इंस्पेक्टर उदय सिंह की टीम ने जांच शुरू की और पहले अजय एवं मोहित को दिल्ली से गिरफ्तार किया। फिर शंकर, प्रत्यक्ष कोशर, मनीष ज्वाला, श्रेयांश पंडित और दिनेश को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 5.5 लाख रुपये नगद और बैंक खातों में 80 लाख फ्रीज कराए गए। जांच में मालूम हुआ कि दिनेश इस गिरोह का सरगना है। वह सभी सदस्यों के बीच मध्यस्थता करता था और इसके लिए अलग-अलग नंबरों पर सक्रिय व्हाट्सऐप ग्रुप का इस्तेमाल किया जाता था। वह सहयोगियों के माध्यम से बैंक खातों को नियंत्रित करता था। वहीं मनीष, श्रेयांश और प्रत्यक्ष कोशर फर्जी ई-मेल आईडी बनाते थे। साथ ही ई-मेल की विषय वस्तु तैयार करते थे और श्रेयांश पुलिस अधिकारी बनकर बैंक कर्मी से बात करता था।

पुलिस ने एसबीआई की कमला नगर शाखा में संविदा पर कार्यरत शंकर को भी गिरफ्तार किया है। दरअसल, शंकर का काम बैंक खाता खुलने में सहायता करना और मौके का निरीक्षण करना था। खाली दुकान के पते पर अजय और मोहित पहले बैंक में खाता खुलवाते। फिर खाली दुकान का निरीक्षण करने के लिए शंकर जाता और रिपोर्ट सकारात्मक बनाता था। इस शाखा से गिरोह ने नौ बैंक खाते खुलवाए थे।

तिहाड़ जेल में हरिनाम संकीर्तन का आयोजन

नई दिल्ली। द्वारका इस्कॉन की ओर से तिहाड़ जेल के कैदियों के लिए आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तिहाड़ की जेल नंबर एक में हरिनाम संकीर्तन का आयोजन हुआ। इसमें एक हजार से अधिक कैदियों ने हिस्सा लिया। कैदियों को हरे कृष्णा महामंत्र के शब्दों का उच्चारण करने के लिए प्रेरित किया गया। कीर्तन के बाद उन्हें हरे कृष्ण महामंत्र के महत्व के बारे में बताया गया। उनको हरिनाम के लिए जप माला भी दी गई। इस्कॉन से मुख्य वक्ता के रूप में आए बलि मुरारी प्रभु ने कैदियों से कहा कि आध्यात्मिक कार्यक्रम कैदियों की चेतना को शुद्ध करने का भी काम करता है।

पाकिस्तान से लाते थे नकली नोट, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली,। स्पेशल सेल ने दिल्ली-एनसीआर सहित पूरे देश में नकली नोट की तस्करी में लिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से पांच सौ के 582 नोट बरामद किए गये हैं। इस गिरोह के सदस्य पाकिस्तान से लाए नकली नोटों की तस्करी करते थे। डीसीपी मनोज सी ने रविवार को बताया कि स्पेशल सेल की टीम इस गिरोह के सदस्यों की तलाश कर रही थी। तभी सूचना मिली कि छपरा निवासी राम प्रवेश राय छह जुलाई को नकली नोटों के साथ आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर आएगा। इस जानकारी के आधार पर टीम ने आरोपी को दबोचा और इसके कब्जे से पांच सौ के नकली नोट बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह दिल्ली एनसीआर में प्लम्बर का काम करता है। इसी की आड़ में तीन साल से नकली नोटों को खपा रहा था। वह रक्सौल निवासी अली असगर से नकली नोट खरीदता था। पुलिस टीम ने 12 जुलाई को पांच सौ के चार नकली नोट के साथ अली असगर को मुजफ्फरपुर से गिरफ्तार कर लिया। अली असगर ने बताया कि वह आसिफ और अंसारी से नकली नोटों को खरीदता था। आसिफ यह नोट पाकिस्तान से लाता था।

निगम में भ्रष्टाचार करने के लिए फंड मांग रही आप : राजा इकबाल सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष व पूर्व महापौर राजा इकबाल सिंह ने दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी और महापौर डा. शैली ओबेराय के उस बयान पर पलटवार किया है जिसमें केंद्र सरकार से दस हजार करोड़ रुपये का बजट केंद्रीय बजट में मांगा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का बजट 70 हजार करोड़ से ज्यादा है। केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए जीएसटी से दिल्ली सरकार को लाभ हुआ और उनके बजट में बढोत्तरी हुई। इसके बावजूद भी आप सरकार ने निगम के साथ सौतेला व्यवहार किया था जिसकी वजह से 2015 में आप की सरकार दिल्ली में आई तो निगम को पंगु बनाने के प्रयास किए। दिल्ली सरकार ने जानबूझकर निगम का फंड रोककर निगम के कर्मचारियों का वेतन रोका और उनकी पेंशन की समस्या उत्पन्न हुई। जब भाजपा शासन में थी तो आप नेता कहते थे कि वह निगम की आय बढ़ाकर और बिना अतिरिक्त फंड से निगम को चलाकर दिखाएंगे। लेकिन, आज दस हजार करोड़ रुपये का फंड मांगकर आप नेता अपने ही बयान से पलट रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष राजा इकबाल सिंह ने कहा कि आप की सरकार जब से दिल्ली में आई है तब से दिल्ली के साथ ही निगम के विकास कार्य बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। क्योंकि आप नेताओं का ध्यान सिर्फ और सिर्फ भ्रष्टाचार पर हैं। अब आप के नेता भ्रष्टाचार को बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार से फंड मांग रहे हैं। जबकि केंद्र सरकार ने दिल्ली में जितना फंड और विकास कार्य किया है उतना किसी भी केंद्र सरकार ने नहीं किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने 60 हजार करोड़ रुपये की विकास की परियोजनाएं दिल्ली में दी। चाहे द्वारका एक्सप्रेस वे हो या फिर दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे हो। केंद्र सरकार ने 5269 करोड़ की लागत से द्वारका एक्सप्रेस का निर्माण कराया। दिल्ली से मेरठ के लिए 30 हजार करोड़ की लागत से नमो भारत ट्रेन के लिए काम चल रहा है। इतना ही नहीं प्रगति मैदान में 2700 करोड़ की लागत से भारत मंडपम बनाया गया है। इसी तरह द्वारका में अंतरराष्ट्रीय स्तर का कन्वेंशन सेंटर यशो भूमि भी 5400 करोड़ की लागत से बनाया गया है। इन परियोजनाओं के लिए दिल्ली सरकार ने कोई फंड नहीं दिया। जबकि दिल्ली सरकार का बजट 70 हजार करोड़ से ज्यादा है लेकिन दिल्ली सरकार एक काम नहीं बता सकती है कि उसने दिल्ली के लिए क्या किया। जबकि केंद्र सरकार दिल्ली पुलिस से लेकर एनडीएमसी और दिल्ली कैंट बोर्ड को हजारों करोड़ रुपये देकर दिल्ली की व्यवस्था को चलाती है। आप सरकार भ्रष्टाचार में डूब चुकी है। भ्रष्टाचार की वजह से अपने आप को गरीब बताने वाले आप विधायकों के पास हजारों करोड़ों रुपये की संपत्तियां हैं। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि दिल्ली की जनता अब आप सरकार से ऊब चुकी है और इनके भ्रष्टाचार के कारण परेशान हो गई है। इसलिए लोकसभा चुनाव की तरह अपना मत अगामी विधानसभा चुनावों में भी देगी। इसी से परेशान होकर अपनी जिम्मेदारी से आप सरकार भाग रही है और फंड का बहाना कर लोगों को भ्रमित करने की कोशिश कर रही है।

गुरु पूर्णिमा एवं महाराज श्री दक्ष प्रजापति की जयंती पर एक दिन में लगाए 101 पौधे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रजापति महासभा दिल्ली प्रदेश द्वारा महाराज श्री दक्ष प्रजापति जी की जयंती के अवसर बडी धूमधाम से बुराड़ी स्थित महाराज श्री दक्ष प्रजापति चौक झड़ौदा बुराड़ी में विशाल भंडारे एवं जयंती के अवसर पर एक दिन में 101 पौधे लगाए गए।

संस्था के अध्यक्ष प्रदीप चंद ने महाराज प्रजापति दक्ष के बारे में बहुत अहम जानकारी प्रदान की। जयंती के अवसर पर दिल्ली प्रदेश एवं अन्य प्रदेशों के सम्मानित सामाजिक कार्यकर्ता सहित कई गणमान्य लोगों में अनिल कुमार गीता मेटल, मनोज कुमार चेयरमैन जीसस ग्रेस मॉडर्न स्कूल, कुलदीप जी शिव डेयरी, सुभाष प्रजापति सुभाष बिल्डर्स, संजय बंसीवाल, धर्मपाल, लक्ष्मी चंद, कृष्ण कुमार, शेर सिंह, अनिल बंसीवाल, ओमप्रकाश, श्रीमती उषा मलखान जी, परमानंद जी, स्कवा लीडर, उमेद सिंह, युवा अध्यक्ष प्रवेश बंशीवाल, मुकंद सिंह, कर्मवीर, पवन जी, नागेन्द्र प्रजापति उपस्थित हुए थे। कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष प्रदीप चंद जी एवं महासचिव राजेश कुमार वर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित कर दी गई।

स्वच्छ झडौदा हरा भरा झडौदा के लक्ष्य के साथ एक बार फिर प्रजापति महासभा दिल्ली प्रदेश द्वारा पौधारोपण अभियान की शुरुआत की। एक दिन में 101 पौधे लगाने के लक्ष्य को लेकर आज महाराज दक्ष प्रजापति की जयंती के अवसर पर झड़ौदा बुराड़ी में पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत क्षेत्र में फल एवं फूल के 101 पेड पौधे लगाए गए। महाराज श्री दक्ष प्रजापति चौक झड़ौदा बुराड़ी से शुरु हुए इस अभियान का नेतृत्व युवा अध्यक्ष प्रवेश बंशीवाल, अध्यक्ष प्रदीप चंद एवं महासचिव राजेश कुमार वर्मा ने किया तथा उन्होंने इस अवसर पर सूरजमुखी का पौधा भी लगाया। संस्था के युवा अध्यक्ष प्रवेश बंशीवाल ने बताया कि इस पौधारोपण कार्यक्रम के तहत झडौदा क्षेत्र में हम स्वच्छ व हरित झडौदा के नारे के साथ पौधारोपण अभियान चला रहे है इस अभियान के प्रति लोगों में बहुत उत्साह देखने को मिला तथा उपस्थित लोगों को नो सिंगल यूज ऑफ प्लास्टिक की शपथ भी दिलाई।

कलैक्ट्रेट सभागार, बुलन्दशहर में बैठक का आयोजन किया गया

दुर्गम खबर

बुलंदशहर : आयुक्त, मेरठ मंडल, मेरठ एवं जिलाधिकारी बुलन्दशहर के निदेर्शानुपालन में दिनांकः 22.07.2024 से प्रारम्भ हो रहे श्रावण मास में आयोजित होने वाली कॉवड़ यात्रा/श्रावण शिवरात्रि के पर्व के अवसर पर जनपद के समस्त पेट्रोल/सीएनजी पम्पों एवं गैस एजेंसियों पर आवश्यक व्यवस्थायें पूर्ण कराये जाने विषयक कार्य की समीक्षा किये जाने हेतु कलैक्ट्रेट सभागार, बुलन्दशहर में बैठक का आयोजन किया गया।

विशेष रूप से जनपद में चयनित कांवड़ मार्गों के पेट्रोल पंपों पर स्थापित शौचालयों को क्रियाशील रखकर उसकी नियमित साफ-सफाई कराने तथा पुरूष एवं महिला शौचालय हेतु पृथक से दिशा सूचक बैनर अनिवार्य रूप से लगाये जाने एवं डीजल / पेट्रोल/सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक आरक्षित रखे जाने के निर्देश दिये गए। साथ ही समस्त पेट्रोल पम्प पर आमजनमानस की सुविधा हेतु जनोपयोगी सुविधायें जैसे फी एयर, स्वच्छ प्रसाधन, पीने का पानी, प्राथमिक उपचार हेतु नवीनतम दवाईयां व प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था आदि की उपलब्धता एंव क्रयाशीलता अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किये जाने की समीक्षा करने पर जिला पेट्रोलियम ट्रेडर्स ऐसोसिएशन, बुलन्दशहर के पदाधिकारीगण द्वारा आश्वस्त किया गया। जनोपयोगी सुविधाओं के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त न हो इस हेतु अधिकाधिक प्रयास सुनिश्चित किये जायें तथा जांच टीम उपरोक्त कार्य का नियमित एवं सतत पर्यवेक्षण सुनिश्चित करे।

अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) डा0 प्रशान्त कुमार को अवगत कराया गया कि जनपद के पेट्रोल पम्पों को डीजल व पेट्रोल की आपूर्ति मथुरा स्थित डिपो एवं परतापुर, मेरठ स्थित डिपो से टैंकरों के माध्यम से होती है। जिसपर अपर जिलाधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में कावंड यात्रा तक कांवड़ मार्गों पर रूट डायवर्जन निर्धारित है, जिसके अनुसार ही उपरोक्त टैंकरों का आवागमन पम्पधारकों द्वारा सुनिश्चित किया जाये। उक्त बिन्दु के

विषय में चर्चा के अन्तर्गत जिला पेट्रोलियम ट्रेडर्स ऐसोसिएशन, बुलन्दशहर के पदाधिकारीगण द्वारा निर्धारित कांवड़ मार्गों से ईंधन टैंकरों के गतिरोध मुक्त आवागमन में जिला प्रशासन के स्तर से अनुमति की समुचित व्यवस्था का अनुरोध किया। उक्त के सम्बन्ध में ऐसोसिएशन का पेट्रोलपम्पवार / वाहनसंख्या युक्त विस्तृत प्रत्यावेदन प्राप्त होने पर जिला प्रशासन के संज्ञान में लाकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कराये जाने हेतु आश्वस्त किया गया। साथ ही निर्देश दिये गये कि समस्त पम्पधारक जनहित की सुविधा के दृष्टिगत अपने पम्प की औसतन दैनिक ईंधन की खपत का आंकलन करते हुए आगामी दिवसों में आवश्यकता अनुसार अपने स्टॉक में प्रचूर मात्रा में पेट्रोल व डीजल की आमदडिपो से सुनिश्चित करते हुए स्टॉक का भण्डारण सुनिश्चित कर लें जिससे कांवड़ यात्रा के दिवसों में डिपो से टैंकरों का आवागमन बाधित न हो सके तथा आमजनमानस को किसी भी रूप में ईंधन की कमी परिलक्षित न हो सके। इसी प्रकार जनपद में कार्यरत समस्त 90 गैस एजेंसियों को कांवड़ यात्रा के दौरान अलीगढ स्थित बॉटलिंग प्लांट एवं लोनी, गाजियाबाद स्थित बॉटलिंग प्लांट से एलपीजी के ट्रकों के माध्यम से सुगम आवागमन हेतु औसतन दैनिक घरेलू व व्यवसायिक गैस की खपत का आंकलन करते हुए आगामी दिवसों में आवश्यकता अनुसार अपने स्टॉक में प्रचूर मात्रा में एलपीजी गैस की आमद डिपो से सुनिश्चित करते हुए स्टॉक का भण्डारण सुनिश्चित करने सहित जनहित की सुविधा के दृष्टिगत बुकिंग के सापेक्ष शत प्रतिशत होम डिलीवरी कराये जाने के निर्देश दिये गये।

बैठक के अन्तिम बिन्दु वृक्षारोपण के सम्बन्ध में समस्त उपस्थित सदस्यों को अवगत कराते हुए अपने पेट्रोल पम्पों / गैस एजेंसियों पर निर्धारित अवधि में शासन एवं उच्चाधिकारियों द्वारा दिये गये निदेर्शानुपालन में वृक्षारोपण कर फोटो उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये गये।

दिल्ली एयरपोर्ट पर जयपुर की डॉक्टर प्रिया ने बुजुर्ग की जान बचाई, CPR से दी नई जिंदगी, मिला सम्मान

(के०जी० शर्मा) नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट पर एक बुजुर्ग व्यक्ति की जान बचाने वाली डॉक्टर प्रिया गर्ग को सम्मानित किया गया है। डॉक्टर प्रिया ने CPR देकर बुजुर्ग को दिल का दौरा पड़ने के बाद बचाया। यह घटना दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल 2 की है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। वायरल वीडियो के बाद उत्तर पश्चिम रेलवे (NWR) ने शनिवार को जयपुर में आयोजित एक बैठक में डॉक्टर प्रिया को सम्मानित किया। NWR के महाप्रबंधक अमिताभ ने डॉक्टर प्रिया को प्रशस्ति पत्र दिया। डॉक्टर प्रिया अजमेर के रेलवे अस्पताल में सीनियर डिविजनल मेडिकल ऑफिसर हैं और जयपुर की रहने वाली हैं। घटना के बारे में बताते हुए डॉक्टर प्रिया ने बताया, 'मेरे पति डॉक्टर रमाकांत गोयल मेरे साथ थे और जब हम वहां पहुंचे। वहां एक और डॉक्टर दंपत्ति भी वहां मौजूद थे- डॉक्टर उमेश बंसल और उनकी पत्नी डॉक्टर डॉली बंसल। जब हम चारों ने देखा, तो बुजुर्ग व्यक्ति पूरी तरह से बेहोश थे, उनकी सांस बंद हो चुकी थी, उनका दिल पूरी तरह से धड़कना बंद कर चुका था। वह बिल्कुल भी सांस नहीं ले रहे थे।' डॉ. प्रिया ने कहा कि उनकी हालत बिगड़ती देख उन्हें CPR देने का फैसला किया। डॉक्टर प्रिया ने बताया कि सीपीआर देने कुछ ही देर में वह स्थिर हो गए और उनकी नब्ज भी बेहतर हो गई। एयरपोर्ट के कर्मचारियों को बुलाया गया। फिर कर्मचारी उन्हें और उनकी पत्नी को अपने साथ ले लिया।' उत्तर पश्चिम रेलवे के ट्विटर अकाउंट पर इस घटना की तस्वीरें शेयर की गईं। कैप्शन में लिखा था, 'उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय पर महाप्रबंधक अमिताभ की अध्यक्षता में सभी मंडल रेल प्रबंधको एवं विभागाध्यक्षो के साथ कार्य समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नई दिल्ली हवाई अड्डे पर बुजुर्ग को समय पर CPR देकर जान बचाने वाली रेलवे की डॉ प्रिया गर्ग को भी सम्मानित किया गया।'

बुलंदशहर जिला अस्पताल का इंसानियत को शर्मसार करने वाला वीडियो हुआ वायरल

इमरान सैफी बुलंदशहर : उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर के जिला अस्पताल में गोली लगा हुआ युवक जिंदगी और मौत से जूझता रहा लेकिन अस्पताल के इमरजेंसी के गेट पर 20 मिनट तक नहीं मिला कोई डॉक्टर और न ही पहुँचा वार्ड बॉय, इतना ही नहीं पीड़ित युवक को ले जाने के लिए स्ट्रचर की भी व्यवस्था नहीं मिली, यह हाल है उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिला अस्पताल का दरसअल मामला बुलंदशहर के थाना सलेमपुर के गांव साहपुर का था जहां आपसी विवाद के चलते झगड़ा हो गया था जिसमें एक युवक को गोली लगी थी और इस युवक के परिजन पुलिस के साथ इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुँचे थे। लेकिन जिला अस्पताल में किस तरीके से इलाज हुआ यह है वायरल वीडियो में दिखाया जा रहा है।वीडियो वायरल होने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा हुआ है यह वीडियो कल का बताया जा रहा है फिलहाल युवक मेरठ में जिंदगी और मौत के बीच खेल रहा है।

गजेंद्र सिंह हत्याकांड का खुलासा

दुर्गम खबर

बुलंदशहर : ककोड़ कोतवाली क्षेत्र में बीती 11 जुलाई की रात की रात खेत पर सो रहे 50 वर्षीय किसान की हत्या का मामला प्रकाश में आया था। पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी हुई थी। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए हत्यारोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मामले का सनसनीखेज खुलासा करते हुए हत्या के आरोपी दो बेटे वह एक अन्य को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि मृतक गजेंद्र सिंह के एक महिला से संबंध थे। महिला से शादी करने तथा अपनी संपत्ति महिला के नाम करने के लिए गजेंद्र कहता था। जिसकी जानकारी मृतक किसान के बेटों व पत्नी को हो गई थी। इसी बात को लेकर मृतक की पत्नी व उसके दोनों बेटों ने अपने बहनोई प्रेमपाल सिंह के साथ योजना बनाकर 50 वर्षीय किसान की हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि संजू व अरुण पुत्र गजेंद्र व कपिल पुत्र जोगिंदर जनपद पलवल हरियाणा को गिरफ्तार कर लिया गया है। ककोड़ पुलिस व स्वाट टीम ने संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए

मामले का खुलासा किया है। मामले में संलिप्त भारतीय सेना में कार्यरत प्रेमपाल की पुलिस तलाश कर रही है। एसपी सिटी ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि मृतक किसान की हत्या उसके बेटों ने अपने बहनोई के भाई के साथ मिलकर की थी। मामले में मृतक का दामाद प्रेमपाल भारतीय सेना में कार्यरत है। जो कि इस घटनाक्रम में संलिप्त है। एसपी सिटी ने बताया कि घटना के समय भी प्रेमपाल तीनों अभियुक्तों से फोन के माध्यम से लगातार संपर्क में था। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर आलाकत्ल भी बरामद किए हैं।

क्षेत्र के विकास के लिए विधायक लक्ष्मीराज ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

दुर्गम खबर–सिकंदराबाद विधानसभा सिकंदराबाद क्षेत्र के विकास के लिए स्थानीय विधायक अधिक से अधिक योजनाएं लाने के प्रयास में लगे हुए हैं। इसी क्रम में उन्होंने सुबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट कर कुछ मांगे उनके समक्ष रखी भाजपा विधायक लक्ष्मी राज सिंह सिंह ने विधानसभा क्षेत्र के विकास का वादा चुनाव के दौरान क्षेत्र की जनता से किया था उसे पर वह लगातार खरा उतर रहे हैं। क्षेत्र की सड़कों के लिए भारी भरकम रकम जारी हुई थी। इसके अलावा एक करोड़ 47 लाख से नगर की जल निकासी की किस्त भी उनके प्रयास से जारी हो चुकी है । उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट कर क्षेत्र अन्य महत्वपूर्ण मांग उनके समक्ष रखी है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में महिला डिग्री कॉलेज, आधुनिक सुविधाओं से लैसअस्पताल, युवाओं के खेलने के लिए स्टेडियम की मांग की है। क्योकि औद्योगिक क्षेत्र व एन एच 34 पर होने वाले हादसों से पीड़ित को तुरंत आधुनिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सके । चोला अधिग्रहण

मामले को जल्द से जल्द निस्तारण करने क्षेत्र की सड़कों को दुरुस्त व चौड़ी करने के लिए भी उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है। विधायक ने बताया कि मुख्यमंत्री ने जल्द ही मांगो के निस्तारण का आश्वासन दिया है।

गुरु पूर्णिमा पर गंगा स्नान शुरू, गोताखोरों ने श्रद्धालुओं को डूबने से बचाया

दुर्गम खबर- बुलंदशहर (त्रिलोक चन्द/लकी गौतम) : गुरु पूर्णिमा पर गंगा घाटों पर स्नान करने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। इस दौरान श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ कमाया। इस अवसर पर गंगा मैया के जयकारों से तीर्थ नगरी गूंज उठी। पूर्णिमा पर स्नान के लिए शनिवार दोपहर से ही श्रद्धालु आहार, अनूपशहर, नरौरा, रामघाट, पहुंचना शुरू हो गए थे। मध्य रात्रि में श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ गई। भोर काल में स्नान प्रारंभ होते ही घाटों पर श्रद्धालु उमड़ पड़े। हर ओर श्रद्धालुओं के सिर ही सिर दिखाई पड़ रहे थे। स्नान के दौरान हर-हर महादेव, जय मां गंगा के उद्घोषों से स्नान घाट भी गूंज उठे। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने घाटों पर पूजा कर पुरोहितों को दक्षिणा दी। उधर, अवंतिका देवी मंदिर में भी श्रद्धालुओं की काफी संख्या रही। यहां भी भोर से शुरू हुआ स्नान का सिलसिला जारी रहा। चारो स्थानों पर स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या काफी अधिक रही। श्रद्धालु दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, बुलंदशहर, बदायूं, मुरादाबाद, रामपुर, अलीगढ, गाजियाबाद, नोयडा, आदि नगरों से पहुंचे।

पुलिस और प्रशासन रहा सतर्क

गुरु पूर्णिमा के मौके पर सुबह आठ बजे लाखो से अधिक संख्या में स्नान करने पहुंचे श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस और प्रशासन भी सतर्क रहे। स्नान के दौरान महिला पुलिस कर्मी और सादे वेश में पुलिस कर्मी घाटों पर संदिग्ध लोगों पर नजर रखे हुए थे। विशेष दस्ते के सुरक्षाकर्मी, खुफिया विभाग एवं अन्य टीमें पूरे क्षेत्र में घूम कर स्थिति का जायजा लेती रहीं। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गंगा स्नान के आने वाले श्रद्धालुओं से आहार थाना प्रभारी ने अपील पिछले कुछ दिनों के गंगा के जल स्तर में काफी बढ़ोतरी हुई है। जल की गहराई में जगह-जगह गहरे गड्ढे बने हुए हैं। जल का वहाब भी तेज स्थिति में है गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आहार थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिद्ध बाबा गंगा घाट व अवंतिका देवी घाट पर गंगा स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं से अपील है कि गहरे जल में न जाए किनारे पर ही गंगा स्नान करें, अपने छोटे बच्चों का हाथ पकड़ कर गंगा जी में स्नान करें। गंगा घाट पर नशीले पदार्थ का सेवन न करें, प्रशासन द्वारा की गई वेरिकेटिंग के आगे ना जाएं, वेरिकेटिंग आपके जीवन की रक्षा के लिए गई है। आहार थाना प्रभारी संजेश कुमार सब इंस्पेक्टर मनीष, नागेंद्र, कांस्टेबल दानिश, जोगिंदर, दिलीप, आदि पुलिस फोर्स के साथ गंगा घाट पर मुस्तैद रहे।

गोताखोरों ने कई श्रद्धालुओं को डूबने से बचाया

गुरु पूर्णिमा पर स्नान के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की अनहोनी से बचाने के लिए घाटों पर गोताखोर तैनात रहे। प्रशासन के निदेर्शानुसार सभी गोताखोर गहरे जल वाले स्थानों पर अपनी-अपनी नाव के साथ मुस्तैद रहे। इस अवसर पर किसी श्रद्धालु के डूबने की जानकारी नहीं मिली, लेकिन कई श्रद्धालुओं को गोताखोरों ने डूबने से बचाया।

वाहन चोर गिरोह के 4 शातिर सदस्य गिरफ्तार

बुलंदशहर : थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा संदिग्ध वाहन चेकिंग अभियान के दौरान चार शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर लिया। नगर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी किए गए वाहन भी बरामद किए। नगर कोतवाली पुलिस ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई चार मोटरसाइकिल बरामद हुई है। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम दीपांशु पुत्र राजकुमार ,लव पुत्र विनय ,वासु पुत्र अमरपाल ,आदित्य पुत्र रविन्द्र बाल्मिकी बताया। पुलिस ने बताया क्या आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए न्याय पुलिस ने बताया क्या आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। नगर कोतवाली पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार हुए आरोपी शातिर किस्म के अपराधी हैं। जो कि एनसीआर क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरी कर उन्हें सस्ते दामों बेचकर आर्थिक लाभ प्राप्त करते थे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों पर पूर्व के भी कई मुकदमे दर्ज हैं।इस दौरान अनिल कुमार शाही प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली नगर उ0नि0 रघुवीर सिंह, उ0नि0 रूद्रप्रताप सिंह, उ0नि0 राहुल कुमार, उ0नि0 विजय प्रकाश हे0क0 कपिल कुमार,है0का0 मोहित मलिक, है0का0 कुलदीप राठी

गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर भजन और संकीर्तन

दुर्गम खबर

रिसिया के पंचवटी श्री सीता राम आश्रम पर गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भव्य तरीके से श्री सुंदर काण्ड का पाठ,गुरु पूजन एवम संकीर्तन का आयोजन किया गया है। गुरु पूर्णिमा उत्सव के महत्व को बताते हुए प रवि शंकर ने कहा कि गुरु पूर्णिमा हमारी प्राचीन पद्धति है। गुरु शब्द किसी व्यक्ति नाम नही अपितु गुरु एक तत्व है। जो परमात्मा से आत्मा के जुड़ने का मार्ग बतलाता है। विधिवत पूजन के बाद हवन और अन्न पूर्णा भंडारे का भी आयोजन हुआ इस कार्यक्रम के दौरान संजय जायसवाल प्रमुख प्रतिनिधि ने गुरु के रूप में प रवि शंकर जी महाराज के साथ कस्बे के सभी मंदिरों के पुजारियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर सुधीश अग्रवाल, महेश अग्रवाल,राजेश गोयल,हेमंत वर्मा सहित मौजूद रहे।

गुरु पूर्णिमा पर हजार भक्तों ने गंगा घाट पर पूजा अर्चना कर लगाई आस्था की डुबकी

रामघाट (बुलंदशहर) रविवार को गुरु पूर्णिमा पर रामघाट गंगा घाट पर पूजा अर्चना के साथ हजारों भक्तों ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी।

आपको बता दें गत वर्षों की भांति गुरु पूर्णिमा पर्व पर रामघाट गंगा घाट पर अलीगढ़ कासगंज मथुरा हाथरस बुलंदशहर आदि जनपदों से आए भक्तों ने गंगा में स्नान पूजा अर्चना की गंगा घाट पर आए गंगा मां के भक्तों को कथा करवा कर ज्योत बजवाते देखा गया। गंगा घाट पर गंगा में बेरेकैटिंग की व्यवस्था की गई थी जिससे की कोई गंगा में अंदर गंगा स्नान न कर सके यही नहीं थाने के पुलिसकर्मी वोट में बैठकर गंगा में भ्रमण कर बैरिकेडिंग से अंदर घुसकर गंगा स्नान करने वालों को स्नान नहीं करने दिया जिसके कारण कोई हादसा नहीं हो सका। रामघाट थाना प्रभारी पूनम जादौन ने गंगा घाट पर पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु गंगा घाट पर भ्रमणकर कर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखीं। थाना प्रभारी ने हजारा नहर पर दो पहिया व चार पहिया वाहनों को रोका गया जिसके कारण गंगा घाट पर जाम नहीं लग सका और श्रद्धालु गंगा स्नान कर अपने गंतव्य स्थान सकुशल वापस चले गए।

दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर का शनिवार को ईंट मारकर मोबाइल दो लाख का मोबाइल लूटा

एम पी सिंह/संवाददाता

दुर्गम खबर-साहिबाबाद : प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते शनिवार की शाम लगभग छः बजे आशु जैन नामक व्यक्ति से उसकी कार में ईंट से प्रहार कर मोबाइल फोन लूट लिया गया है। गाड़ी नम्बर (उछ8उ इक्स 9601) बताया गया है कि पीड़ित व्यक्ति दिल्ली यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है।बताया गया है कि जनपद गाजियाबाद के थाना लिंक रोड़ क्षेत्र अंतर्गत साइट फोर में स्थित बी पी एल कम्पनी के सामने एक बाइक सवार बदमाश उसकी कार पर ईंट से प्रहार कर मोबाइल फोन लूट कर फरार हो गया। लूटे गए मोबाइल की कीमत लगभग दो लाख रुपये बताई गई है। काबिलेगौर यह है कि लूट की इतनी बड़ी घटना को थाना लिंक रोड़ पुलिस अभी तक दर्ज करने में आना कानी कर टालती नजर आ रही है। अब गौरतलब यह भी है कि पीड़ित के एक दोस्त द्वारा बताया गया है कि रविवार को पीड़ित ने अपने मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की तो लोकेशन पास ही वैशाली में ही कहीं दिखाई दी, ये सभी जानकारी पुलिस को देने के बावजूद खबर लिखे जाने तक पुलिस बदमाश के पास तक नहीं पहुंच पाई है। क्या वरिष्ठ पुलिस अधिकारी इस मामले को संज्ञान में लेते हुए कोई ठोस कदम उठाएंगे या नहीं ये तो आने वाला समय ही बताएगा।

ICSE और CBSE के टॉप टेन मेधावियों का हुआ सम्मान, DFO बोले- प्रतिभाओं को देश की जरूरत

दुर्गम खबर

बहराइच, शहर के महिला डिग्री कॉलेज में रविवार को प्रतिभा संरक्षण न्यास की ओर बोर्ड के टाप टेन सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड के जिला टापर्स प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त, माध्यमिक संस्कृत शिक्षा बोर्ड की परीक्षा में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली मानसी चौरसिया व प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली गरिमा चौरसिया और चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाली शालिनी चौरसिया के साथ साथ लगभग 100 मेधावी छात्र छात्राओं को समारोह में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के प्रदेश संरक्षक घनश्याम वाजपेई एवं कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महासचिव ध्रुव कुमार मिश्र ने किया। मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा श्यामकरण टेकडीवाल, विशिष्ट अतिथि डीएफओ अजीत सिंह, वन क्षेत्राधिकारी कैसरगंज अभिषेक सिंह, मुख्य वक्ता मैजर डॉ एस पी सिंह ,सिटि मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर रही। न्यास के प्रदेश अध्यक्ष डॉ देवेंद्र उपाध्याय ने न्यास द्वारा कराए जा रहे हैं कार्यों की जानकारी दी एवं अतिथियों का स्वागत किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष ने कहा कि छात्र

छात्राओं को अपनी शिक्षा के प्रति जागरूक होकर लक्ष्य को निर्धारित कर लेना चाहिए, निर्धारित लक्ष्य के अनुसार तैयारी करने से सफलता अवश्य प्राप्त होती हैं। उन्होंने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता है बिना परिश्रम के सफलता नहीं मिलती इसलिए जब तक आपको अपना लक्ष्य न मिल जाये तब तक आपको प्रयास करना चाहिए। डीएफओ अजीत सिंह ने छात्र-छात्राओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि देश आपकी तरफ देख रहा है,देश को आप जैसे प्रतिभाओं से बहुत उम्मीदें हैं। आप लोग परिश्रम करें और

देश के विभिन्न सेवा के क्षेत्र में जाकर अपना और अपने देश का नाम रोशन करें, इसके कड़ी मेहनत ही सफलता के सोपान है। मुख्य वक्ता मेजर डॉ एसपी सिंह ने कहा कि सेवा न्यास निरंतर सामाजिक कार्यों के लिए कार्य कर रहा है, इसके लिए संस्थान को साधुवाद देती हूं। विशिष्ट अतिथि सिटी मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को महान बनाती है ,शिक्षा के बल पर हमारे तमाम महापुरुष हमारे बीच दिवंगत होने के बावजूद भी आज जिंदा है क्योंकि जब कहीं अच्छे विचार की आवश्यकता होती है तब हम उन्हीं विद्वानों एवं दार्शनिककों द्वारा कही हुई और लिखी गयी बातों को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करते है।वन क्षेत्राधिकारी ने कहा की छात्र-छात्राओं को एक ही लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए यदि लक्ष्य भटका तो सफलता नहीं मिलेगी, इसलिए आपका लक्ष्य हमेशा एक होना चाहिए। न्यास के अध्यक्ष डॉ देवेन्द्र कुमार उपाध्याय ने कहा कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सच्चे हृदय से मेहनत करने की अति आवश्यकता है, बिना लगन और मेहनत के लक्ष्य प्राप्त नहीं हो सकता है, इसलिए सभी छात्र-छात्राओं को मेहनत और लगन से पढ़ाई करना चाहिए। संरक्षक घनश्याम वाजपेई ने आए हुए अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम को डीजीसी अजय शर्मा, संजय सिंह ,अमरनाथ मिश्रा, अनंतराम निषाद, जितेन्द्र वाजपेई सुरेश श्रीवास्तव, बजरंगबली पाठक,पवन मौर्य पवन मौर्य आदर्श शुक्ल, सूरज शुक्ल,प्रदीप त्रिपाठी,अजीत मौर्य, अतुल गौड़, शोभनाथ पाण्डेय, एकता जायसवाल ने संबोधित किया। इस अवसर पर राजेश जायसवाल,सूर्य प्रकाश जायसवाल, पुनीत मिश्र ,अशोक कुमार मद्धेशिया, अर्चना मिश्रा,रजनी, सोमनाथ तिवारी उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण : अब नहीं तो कब...?

तनवीर जाफरी

वृक्षारोपण को इस समय मानव जीवन के अस्तित्व से जोड़कर देखने की जरुरत है। किसी सरकार, शासन या प्रशासन की तरफ मुंह देखने के बजाये जनता को स्वयं इसे जनांदोलन के रूप में लेना होगा और अपनी आदतों में शामिल करना होगा। याद रहे कि सरकारें वृक्षारोपण का शोर कर सकती हैं, इसपर चलाये जाने वाले अभियान का प्रचार कर सकती हैं,

उस कोरोना काल को याद कीजिये जब कोविड प्रभावित लोग ऑक्सीजन के बिना तड़प तड़प कर मर रहे थे। पैसे खर्च करने पर भी ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही थी। देश के तमाम ऑक्सीजन प्लांट्स के फेल होने की खबरें सुनाई दे रही थीं। शमशान घाट लाशों से पटे पड़े थे। नदियों में लावारिस लाशें तैरती नजर आ रही थीं। उसी दौरान अनेक समझदार लोग ऐसे भी थे जिन्होंने पेड़ों पर अपना डेरा बना लिया था। कोई पेड़ के ऊपर चारपाई बांध कर लेटा बैठा रहता था तो तमाम लोग शुद्ध व ताजी ऑक्सीजन की चाह में पेड़ों के नीचे पनाह लेने को मजबूर थे। उस दौर में देश के लाखों ग्रामीणों ने तो बगीचों में ही अपना लगभग स्थाई अड्डा बना लिया था। गोया महामारी जैसे संकट के उस दौर में भी प्रकृति हमें पेड़ों व दरख़्तों के माध्यम से निःशुल्क ऑक्सीजन प्रदान कर रही थी। एक युवा पेड़ हमें एक वर्ष में लगभग 7 क्विंटल ऑक्सीजन प्रदान करता है जबकि हमारे लिये हानिकारक व हमारे ही द्वारा विभिन्न माध्यमों से छोड़ी जाने वाली लगभग 20 टन कॉर्बन डाई ऑक्साइड को भी खींच (सोख) लेता है।

आज पूरा विश्व ग्लोबल वार्मिंग का शिकार है। गत दस वर्षों से पृथ्वी के लगातार बढ़ते तापमान के कारण पूरे विश्व में ग्लेशियर पिघलने लगे हैं। आदिवासियों से उनके जल जंगल जमीनों के अधिकार छीन कर उद्योगपतियों के हवाले किये जा रहे हैं। ब्राजील से लेकर भारत तक बड़े पैमाने पर विकास के नाम पर वृक्षों की कटाई की जा रही है। मिसाल के तौर पर मध्य भारतीय राज्य छत्तीसगढ़ में हसदेव अरण्य वन के लाखों पेड़ अडानी द्वारा संचालित परसा ईस्ट केते बासेन कोयला खदान के विस्तार के लिये स्थानीय ग्रामीणों व आदिवासियों के प्रबल विरोध के बावजूद पुलिस बल की निगरानी में काटे जा रहे हैं। जबकि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण दिवस पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का संकल्प लिया है। प्रचार के अनुसार इसी अभियान के तहत मध्यप्रदेश में साढ़े पांच करोड़ पौधे लगाए जाएंगे और इसी क्रम में 51 लाख पौधे केवल इंदौर में लगाये जाने की योजना है। इस समय देश का शायद ही कोई ऐसा विभाग हो जिसने वृक्षारोपण को लेकर सक्रियता न दिखाई हो।

इसका एक प्रमुख कारण यह है कि इस वर्ष गर्मी का जितना प्रकोप भारत सहित पूरी दुनिया ने झेला उतनी प्रचंड गर्मी पहले कभी नहीं देखनी व सहनी पड़ी। पूरे विश्व में लाखों लोग तेज गर्मी की तपिश सहन न करते हुये तड़प कर मर गये। इसलिये इस भीषण गर्मी में भी लोगों को वृक्षों ने आकर्षित किया तथा पेड़ों ने अपनी जरूरत का एहसास कराया। गौरतलब है कि एक बड़े वृक्ष के नीचे औसतन चार डिग्री तापमान कम रहता है। साथ ही यही वृक्ष तेज धूप की तपिश से भी बचाता है। वर्तमान युग में बढ़ती गर्मी का एक कारक प्रदूषण भी है। प्रदूषण में धुएं के अतिरिक्त धूल मिटटी शोर गुल यानि ध्वनि प्रदूषण का भी अहम योगदान है। परन्तु एक स्वस्थ वृक्ष एक वर्ष में न केवल 20 किलोग्राम से अधिक धूल मिट्टी अपने आप में सोख लेता है बल्कि शोर गुल यानि ध्वनि प्रदूषण को भी कम करता है। इतना ही नहीं बल्कि यही वृक्ष करीब 1 लाख वर्ग मीटर प्रदूषित हवा का भी निस्पंदन करता है। यही वृक्ष 80 किलोग्राम पारा, लीथियम व लेड जैसी जहरीली धातुओं के मिश्रण को भी सोखने की क्षमता रखता है।

पेड़ पौधों की अहमियत को वैसा तो कोविड काल ने ही लोगों को ठीक से समझा दिया था। खासकर शहरी जीवन बिताने वाले लोगों को तो कुछ ज्यादा ही। क्योंकि कोविडकाल के बाद पूरे देश में शहरी इलाकों में गमलों व इनमें पौधे लगाने का चलन पहले से कई गुना ज्यादा बढ़ गया है। पक्की फर्श वाले मकानों में रखे हुये पर्याप्त मात्रा में गमले में लगे पौधे बेशक एक घर के तापमान को तो नियंत्रित करने व ऑक्सीजन देने की क्षमता तो रखते ही हैं। यह कोविड काल की ही दहशत है जिसके चलते पूरे देश में प्लास्टिक, मिटटी व सीमेंट के गमलों तथा नर्सरीज में पौधों की बिक्री कोविड काल के बाद कई गुना अधिक हो चुकी है।

वृक्षों का बादलों से भी गहरा नाता है। आम तौर पर रेगिस्तानी क्षेत्रों में बारिश इसलिए नहीं होती या अत्यधिक कम होती है क्योंकि वहां पर्याप्त संख्या में वृक्ष नहीं होते। जबकि दुनिया में अनेक घने जंगलों के इलाके ऐसे भी हैं जहाँ घने जंगलों के कारण अत्यधिक वर्षा होती है। ऐसे घने जंगलों को वर्षावन भी कहा जाता है। गोया वृक्ष, बादल, बारिश हरियाली मानव जीवन और खुशहाली का आपस में एक दूसरे से सीधा नाता है। नदी नालों के कटाव को रोकने में भी वृक्ष अहम भूमिका अदा करते हैं। यानी बाढ़ रोकने में सहायक होते हैं। हमें अध्ययन करने से तो यहाँ तक पता चलता है कि समुद्री किनारों पर पाए जाने वाले मैंग्रोज के पेड़ व इन के घने जंगल सुनामी की गति को नियंत्रित करने तक का काम करते हैं। इतना ही नहीं बल्कि यह समुद्री क्षेत्र के विस्तार को भी रोकते हैं। जबकि इन पेड़ों की आधी जड़ें भी धरातल के ऊपर होती हैं।

बहरहाल, वृक्षारोपण को इस समय मानव जीवन के अस्तित्व से जोड़कर देखने की जरुरत है। किसी सरकार, शासन या प्रशासन की तरफ मुंह देखने के बजाये जनता को स्वयं इसे जनांदोलन के रूप में लेना होगा और अपनी आदतों में शामिल करना होगा। याद रहे कि सरकारें वृक्षारोपण का शोर कर सकती हैं, इसपर चलाये जाने वाले अभियान का प्रचार कर सकती हैं, इसके नाम पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा सकता है। और तो और लगे लगाये दरख़्तों व जंगलों को कार्पोरेट्स के हित में कटवाने की भागीदार भी हो सकती हैं। विज्ञापनों व साक्षात्कार के माध्यम से इसके महत्व का बखान कर सकती हैं परन्तु चूँकि यह 'वोट बैंक ' से जुड़ा विषय नहीं इसलिये इसके प्रति उतनी गंभीरता नहीं दिखातीं जितनी कि जरूरत है।

लिहाजा आज देश के प्रत्येक नागरिक को चाहे वह बच्चा, बूढ़ा, जवान महिला कोई भी हो उसे वृक्षारोपण को अपनी आदतों में शामिल करना होगा। स्वयं उसकी देखभाल व निगरानी करनी होगी। मां के नाम का केवल एक पेड़ ही काफी नहीं बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को खासतौर पर वर्षाऋतु में जहाँ और जितने हो सकें अधिकतम वृक्ष लगाने होंगे। इसी अपने जीवन की दैनिक गतिविधियों में शामिल किये जाने की जरुरत है। शादी विवाह, मरना जीना, जन्मदिन मरणदिन विवाह अथवा जन्म या मृत्यु की सालगिरह बरसी प्रत्येक अवसर को यादगार बनाने हेतु हर इन अवसरों पर वृक्षारोपण करें। यदि धरती के बढ़ते तापमान के दौर में वृक्षारोपण के प्रति अब भी हम गंभीर व सक्रीय नहीं हुये तो और कब होंगे?

संपादकीय

खरीदार को सुकून

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर में घर खरीदने वालों को बड़ी राहत दी है। फ्लैट का कब्जा नहीं पाने वालों को ईएमआई पेमेंट को लेकर बैंकों, वित्तीय संस्थानों या बिल्डरों द्वारा कोई दंड़ात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। न ही उनके खिलाफ चेक बाउंस का मामला चलेगा। सबसे बड़ी अदालत दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिनमें खरीदारों की याचिकाओं को अन्य कानूनी विकल्पों की मदद लेने की बात कह कर खारिज कर दिया गया था। शीर्ष अदालत ने केंद्र, बैंकों समेत अन्य को नोटिस भी जारी किया। पीठ ने सभी मामलों पर अंतरिम रोक लगाई जिसके तहत बैंकों/वित्तीय संस्थानों या बिल्ड़र/ड़ेवलपर की ओर से मकान खरीदारों के खिलाफ कोई भी कार्रवाई नहीं की जाएगी। पहले भी अदालत ने खरीदारों के पक्ष में सख्त फैसले दिए हैं। जब संसद में कानून पास होने के बाद कुछ रिअल एस्टेट कंपनियों ने इस संशोधन को अदालत में चुनौती दी थी। दीवालिया कानून यानी इंसॉल्वेंसी एंड़ बैंकरप्सी में बदलाव कर खरीदार को ड़िफॉल्टर, ड़वलपर को उसकी रकम वापस देने संबंधी संशोधन किया गया था। खरीदारों का कहना है कि बैंक की तरफ से ऋण सीधा बिल्ड़र के खाते में जाता है। जो रिजर्व बैंक के दिशा-निदेर्शों का उल्लंघन है। देश में जिस तेजी से विकास हो रहा है। ड़ेवलपर और बिल्ड़र सरकारी महकमें से मिली-भगत कर ऊंची-ऊंची इमारतें बना रहे हैं। मध्यम वर्ग को सपने दिखा कर मोटी रकम वसूली होती है। पूरा पैसे चुकाने के बावजूद हजारों लोग तय वक्त पर घर न मिलने से परेशान होकर बिल्ड़रों के दफ्तरों के चक्कर लगाते नजर आते हैं। विभिन्न कानूनी विकल्प होने के बावजूद उनकी सुनवाई नहीं होती। हालांकि यह फैसला खासकर एनसीआर के मकान खरीदारों के लिए है जबकि यह देश भर के नागरिकों के हित में लागू होना चाहिए। जनता की गाढ़ी कमाई के प्रति बैंकों- वित्तीय संस्थानों, बिल्ड़रों/डेव़लपरों को खुली छूट देने के प्रति सबसे पहले सरकार ही जिम्मेदार है। यह फैसला उन खरीदारों को राहत देने वाला तो है ही, जो अपने घर का सपना दिखा कर खरीदारों को उचित जवाब तक नहीं देते वहीं लोन देकर कर्जदारों को जंजाल में फंसाने वालों को भी सबक लेना होगा।

चिंतन-मनन

दोनों प्रकार का धन एक साथ नहीं मिल सकता

संसार में दो प्रकार का धन होता है भौतिक धन और दूसरा आध्यात्मिक धन। मनुष्य का स्वभाव है कि वह ज्यादा से ज्यादा धन कमाने की चाहत रखता है। कोई व्यक्ति सोना, चांदी, रुपए पैसे का अंबार लगाकर धनवान कहलाता है तो कोई भूखा, प्यासा रहकर भी धनवान कहलता है। वास्तव में धनवान दोनों हैं। एक भौतिक धन का धनी है तो दूसरा अध्यात्मिक धन का धनी है। शाछा और पुराण कहते हैं कि दोनों धनों में से अध्यात्म रूपी धन ज्यादा श्रेष्ठ है क्योंकि इसे कोई छीन नहीं सकता। इसे कोई चुरा भी नहीं सकता है। जिसके पास अध्यात्म रूपी धन होता है वह निश्चिंत होता है। उसे किसी प्रकार की चिंता और भय नहीं रहता है। संसार में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जो एक साथ इन दोनों धनों का सुख प्राप्त कर सके।

अध्यात्म और भौतिक धन दोनों दो नाव के समान हैं। आप जानते हैं कि दो नाव की सवारी एक साथ नहीं की जा सकती, अगर ऐसा करेंगे तो डूबना तय है। मर्जी हमारी है कि हम अध्यात्मिक धन अर्जित कर-के ईश्वर का ऋण चुका दें और जीवन-मरण के चप्र को पार करके दु?ख से मुक्ति प्राप्त कर लें। दूसरा रास्ता यह है भौतिक धन अर्जित करके सांसारिक सुख का आनंद लें और बार-बार जीवन-मरण के चप्र में उलझकर पाप का फल प्राप्त करें।

भागवत कहता है कि ईश्वर जिसे प्यार करता है उससे उसका सब कुछ छीन लेता है। सब कुछ छीन लेने का अर्थ है सांसारिक सुख छीन लेना। कबीर दास, तुलसीदास, रहीम, मीराबाई, सूरदास, करमैती बाई इसके उदाहरण हैं। ईसा मसीह ने भी कहा है कि सूई के छिद्र से ऊंट भले ही पार कर जाए लेकिन एक अमीर आदमी स्वर्ग प्राप्त नहीं कर सकता। स्वर्ग नहीं मिलने का अर्थ है, ईश्वर की कृपा प्राप्त नहीं होना। इसका कारण यह है कि जब बहुत धन आ जाता है तो व्यक्ति धन संभालने और उसकी सुरक्षा को लेकर ही सदैव चिंतित रहता है। ईश्वर के लिए न तो उनके पास समय होता है और न भक्ति भावना। धन के अहंकार में व्यक्ति ईश्वरीय सत्ता को भी चुनौती देने लगता है। तीर्थस्थलों को पर्यटन स्थल मानकर उनका अपमान करता है। इसलिए ही कहा गया है कि अध्यात्मिक धन और सांसारिक धन एक साथ नहीं मिल सकता है।

माइक्रोसॉफ्ट का सर्वर बंद होने से हजारों करोड़ का नुकसान

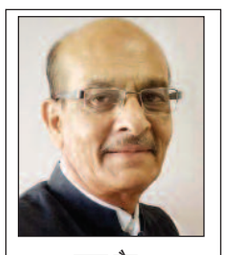

सनत जैन

माइक्रोसॉफ्ट का सर्वर शुक्रवार को कुछ देर बंद रहा। पूरी दुनिया के देशों में अफरा-तफरी मच गई। 1 घंटे के अंदर ही माइक्रोसॉफ्ट की सिक्योरिटी कंपनी क्राउड स्ट्राइक को 73000 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा। शेयर बाजार मैं कंपनी के शेयर में 8 फीसदी से अधिक की गिरावट आई। देखते ही देखते कंपनी के 73000 करोड़ रुपए शेयर बाजार में डूब गए। एयरपोर्ट, रेल, बैंक, शेयर बाजार में मची अफरा-तफरी के कारण बैंकों, शेयर बाजार, कारोबारी कंपनियों तथा अन्य कंपनियों को भी भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। यात्रियों को काफी कष्ट उठाना पड़ा। बैंक के ग्राहक भी कई घंटों तक परेशान होते रहे। सिक्योरिटी कंपनी क्राउड स्ट्राइक के 30000 से अधिक ग्राहक हैं। क्राउड स्ट्राइक कंपनी 30000 से अधिक कंपनियों को साइबर सुरक्षा उपलब्ध कराती थी। जैसे ही माइक्रोसॉफ्ट का सॉफ्टवेयर बंद हुआ। उसके बाद सारी दुनिया में हाहाकार मच गया था। यूरोपीय देशों में इसका सबसे ज्यादा असर हुआ। भारत में नुकसान हुआ लेकिन यह नुकसान यूरोपीय देशों की तुलना में कम था। क्योंकि यूरोपीय देशों की तरह भारत अभी पूरी तरह से ऑनलाइन नहीं हुआ है। इसलिए बहुत हद तक बचा रहा। यूरोपीय देशों में सब कुछ ऑनलाइन था, जिसके कारण यात्रियों, बैंक के ग्राहकों और शेयर बाजार के निवेशकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। क्राउड स्ट्राइक कंपनी और उससे जुड़ी हुई अन्य कंपनियों के यदि नुकसान को देखा जाए तो यह लाखों करोड़ों रुपए में पहुंच जाता है। यह आर्थिक नुकसान की बात हुई। 15 घंटे तक सारी दुनिया के देशों मे ऑनलाइन सर्विस के कारण ऑनलाइन सेवा नहीं दे पाए। उसके कारण उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। माइक्रोसॉफ्ट का डिजिटल और ऑनलाइन कारोबार में एकाधिकार है। अपरोक्ष रूप से हार्डवेयर पर भी माइक्रोसॉफ्ट का एकाधिकार है। माइक्रोसॉफ्ट के सॉफ्टवेयर चुनिंदा हार्डवेयर पर ही संचालित होते हैं। इस एकाधिकार के कारण और कोई अन्य वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने से, ऐसा लगा कि जैसे सारी दुनिया ठहर गई है। थोड़ी सी लापरवाही कितना बड़ा नुकसान कर सकती है, इसका सबसे बड़ा प्रमाण सर्वर क्रैश हो जाना है। जैसे-जैसे सारी दुनिया तकनीकी के सहारे आगे बढ़ रही है। सारे काम डिजिटल प्रोग्रामिंग से संचालित हो रहे हैं। यदि 1 घंटे के लिए इंटरनेट बंद हो जाए। जिस तरह से माइक्रोसॉफ्ट का सर्वर बंद हुआ है। माइक्रोसॉफ्ट की तकनीकी से जुड़े हुए कंपनियों के लाखों सर्वर एकाएक बंद हो गए। सेवाओं से जुड़े हुए लोगों को सेवा मिलना बंद हो गई। जिस तरह से अब ए-आई तकनीकी आ गई है। सारे काम सॉफ्टवेयर की प्रोग्रामिंग से संचालित हो रहे हैं। अब जगह-जगह रोबोट भी इंटरनेट और डिजिटल तकनीकी से जुड़कर काम कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में कहा जा सकता है। हमारे जीवन में जिस तरह से तकनीकी का हस्तक्षेप बढ़ रहा है। मानवीय चूक का अब कोई कारण नहीं है। अब जो भी चूक हो रही है। वह सॉफ्टवेयर, प्रोग्रामिंग, तकनीकी तथा संचार माध्यमों के कारण हो रही है। जिन पर कोई प्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं है। तकनीकी अथवा संचार की गड़बड़ी से कभी भी कहीं पर भी कोई भी बड़ी समस्या खड़ी हो सकती है। पिछले दो दशक में सुरक्षा, कारोबार, घर, व्यापारिक स्थलों के कामों में डिजिटल तकनीकी और संचार माध्यमों पर आश्रित होकर रह गए हैं। अब मोबाइल, कंप्यूटर, इंटरनेट के जरिए एक स्थान से सारी दुनिया में कंट्रोल कर रहे हैं। जब कंट्रोल ही नहीं कर पाएंगे, तब क्या स्थिति होगी। इसकी आसानी से कल्पना की जा सकती है। क्राउड स्ट्राइक साइबर सिक्योरिटी कंपनी जब अपनी ही रक्षा नहीं कर पाई। वह उससे जुड़ी हुई 30000 कंपनियों के सर्वर और सॉफ्टवेयर की क्या सुरक्षा कर पाएगी। इसे आसानी से समझा जा सकता है। माइक्रोसॉफ्ट ने सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में एकाधिकार बना लिया है। यदि उसके प्रोग्राम कहीं क्रश होते हैं, तो इसका कितना बड़ा नुकसान सारी दुनिया को हो सकता है। इसका अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता है। शुक्रवार की एक घटना ने सारी दुनिया को एक तरह से चेतावनी दे दी है। तकनीकी के ऊपर आश्रित होकर मानवीय विकास एवं मानव क्षमता का सही उपयोग नहीं किया गया, तो कभी भी विषम परिस्थिति का सामना करना पड़ सकता है। भारत जैसे देश में जिस तरह से यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान, अधिकतम सेवायें ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। सरवर में रखा हुआ डाटा यदि हैक हो जाता है। साइबर ठग उसका दुरुपयोग कर ठगी करते हैं। पिछले वर्षों में भारत जैसे देश में हर साल सैकड़ों करोड़ रुपए की ठगी होने लगी है। तकनीकी कारणों से यदि डाटा तक पहुंच नहीं हो पाती है। डाटा हैक हो जाता है। डाटा को प्रोग्रामिंग के द्वारा बदल दिया जाता है। तो कितना बड़ा नुकसान हो सकता है, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। भारत जैसे देश के पास इंटरनेट के अलावा कोई विकल्प नहीं है। दुनिया के कई देशों ने इंटरनेट के साथ-साथ इंटरानेट पर भी काम करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपना संचार माध्यम विकसित किया है। जिस पर उनका स्वयं का कंट्रोल है। राष्ट्रीय स्तर पर कई देशों ने अलग व्यवस्था बना रखी है। जिन देशों के पास इंटरानेट आधारित संचार नेटवर्क है। उन्होंने डाटा को कई स्तर पर स्टोर करके रखा हुआ है। उन देशों के पास एक अच्छा विकल्प होने के कारण ज्यादा नुकसान नहीं होगा। दुनिया के वह देश जो केवल माइक्रोसॉफ्ट और इंटरनेट पर आधारित होकर रह गए हैं। वह कभी भी तकनीकी की इस दौड़ में डूब सकते हैं। लाखों करोड़ों रुपए का नुकसान कुछ ही घंटे में तकनीकी के कारण हो सकता है। जान-माल का नुकसान बड़े पैमाने पर हो सकता है। जिसकी कल्पना संभव नहीं है। माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में जो गड़बड़ी आई। प्रोग्रामिंग के जरिए मशीनों के द्वारा मशीनों को चलाने की जो नई तकनीकी विकसित हुई है। आगे चलकर उसके दुष्परिणाम बड़े भयानक हो सकते हैं। समय रहते भारत सहित दुनिया के सभी देशों को विकल्प के बारे में ध्यान देना होगा। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन सेवाओं को अलग-अलग तरीके से अलग-अलग प्रोग्रामिंग के जरिए नियंत्रण करने की व्यवस्था बनानी होगी। तकनीकी में एकाधिकार से भी बचना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो भगवान ही मालिक है।

वैश्विकी: बांग्लादेश में असंतोष की आग

डॉ. दिलीप चौबे

बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर छात्रों का आंदोलन बेकाबू हो गया है। देश में अस्थिरता का संकट मंड़रा रहा है। हाल में प्रधानमंत्री शेख हसीना ने फिर से जनादेश हासिल किया लेकिन आम चुनाव में पराजित राजनीतिक तत्वों को बदला लेने का मौका मिल गया। चुनाव का बहिष्कार करने वाली विरोधी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और कट्टर मुस्लिम संगठन जमायते इस्लामी पर्दे के पीछे असंतोष को हवा दे रहे हैं। इतना ही नहीं कूटनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि बांग्लादेश महाशक्तियों के शक्ति-संघर्ष का अखाड़ा बन गया है। भारत के लिए बांग्लादेश का घटनाक्रम विशेष चिंता का विषय है। पड़ोसी देश म्यांमार में पहले से ही गृह-युद्ध और सैन्य संघर्ष के हालात हैं। अब इसी क्षेत्र में एक अन्य पड़ोसी देश ने भी अस्थिरता का संकट पैदा हो गया है। यह भारत के लिए विदेश नीति ही नहीं बल्कि आंतरिक सुरक्षा की समस्या भी पैदा करता है। पूर्वोत्तर भारत का मणिपुर राज्य काफी समय से अशांति से पीडिक्षत है। पड़ोस के अन्य राज्यों पर भी इसका असर पड़.रहा है। पूर्वोत्तर भारत में सामान्य स्थिति बनी रहे इसके लिए आवश्यक है कि म्यांमार और बांग्लादेश में भी शांति और स्थिरता कायम हो।

भारत कभी नहीं चाहेगा कि पड़ोसी देश में शेख हसीना की सरकार अस्थिर हो। यह भी संभव है कि जरूरत पड़ने पर भारत की ओर से बांग्लादेश में आवश्यक सहायता मुहैया कराई जाए। पिछले काफी समय से यह चर्चा है कि म्यांमार में अमेरिका और यूरोपीय देश ईसाई बहुल क्षेत्र में एक पृथक देश 'कुकी लैंड़' बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं। कुकी विद्रोहियों को हथियार और आर्थिक संसाधन मुहैया कराए जा रहे हैं। पश्चिमी देशों की भारत से अपेक्षा थी कि वह म्यांमार की सैनिक सत्ता के खिलाफ सख्त रवैया अपनाए। लेकिन भारत ने अपने राजनीतिक हितों के मद्देनजर संतुलित नीति अपनाई। इस क्षेत्र में कुकी लैंड़ की स्थापना पूर्वोत्तर भारत के लिए भी समस्या का कारण भी बन सकती है। बांग्लादेश में भारत के रणनीतिक हित और भी अधिक प्रबल हैं। विशेषकर ऐसी स्थिति में जब भारत विरोधी बीएनपी और जमायते इस्लामी सत्ता पर काबिज होने की कोशिश कर रही हैं। अमेरिका और पश्चिमी देशों की भूमिका भी संदिग्ध है॥।

प्रधानमंत्री शेख हसीना ने आम चुनाव के समय ही आरोप लगाया था कि अमेरिका और पश्चिमी देश चुनाव में हस्तक्षेप कर रहे हैं। अब उनके आरोपों को और बल मिल गया है। ऊपरी तौर पर छात्रों का आंदोलन कुछ सीमा तक जायज माना जा सकता है। देश में आरक्षण व्यवस्था के तहत सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में 56 फीसद सीटें आरक्षित करने का प्रावधान है। सबसे अधिक 30 फीसद सीटें बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष में भाग लेने वाले लोगों के उत्तराधिकारियों के लिए आरक्षित है।

इसके अलावा महिलाओं और पिछड़े जिलों के लिए 10-10 फीसद और आदिवासियों के लिए 5 फीसद आरक्षण की व्यवस्था है। विकलांगों के लिए 1 फीसद आरक्षण है। आरक्षण व्यवस्था के खिलाफ 2018 में भी व्यापक छात्र आंदोलन हुआ था जिसके बाद यह व्यवस्था ठंडे.बस्ते में ड़ाल दी गई। पूरा विवाद पिछले महीने दोबारा उभरा जब उच्च न्यायालय ने आरक्षण की व्यवस्था फिर से बहाल कर दी। शेख हसीना ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा था कि मुक्ति संघर्ष के योद्धाओं के उत्तराधिकारियों को आरक्षण दिए जाने में क्या आपत्ति है। उन्होंने विरोधियों पर कटाक्ष करते हुएकहा कि 'क्या पाकिस्तान का साथ देने वाले रजाकारों के उत्तराधिकारियों को आरक्षण मिलना चाहिए।'

यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि नई पीढ़ीसे बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष का अपमान कर रही है। शेख हसीना सरकार के कामकाज की आलोचना की जा सकती है लेकिन मुक्ति संघर्ष को भूलाना और रजाकारों का महिमामंड़न कदापि उचित नहीं। इससे यह भी पता चलता है कि बांग्लादेश में इस्लामीकरण का संकट बरकरार है जिसका असर भारत पर भी पड़ सकता है। भारत ने वर्ष 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष में निर्णायक भूमिका निभाई थी। आधी सदी बाद मुक्ति संघर्ष की विरासत को बचाने के लिए भारत की ओर सबकी नजर होगी।

स्वामी दुर्गम खबर ग्रुप के लिए मुद्रक प्रकाशक ज्योति शर्मा द्वारा मुद्दा हाउस सी ब्लॉक बरात घर के सामने चौरा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा गौतम बुध नगर से मुद्रित एवं ए-28 द्वितीय तल कालिंदी कॉलोनी नई दिल्ली से प्रकाशित संपादक राहुल गुप्ता RNI-No. DELHIN/2008/2623 E MAIL : advtdurgamkhabar@gmail.com, Mob no. +919991351706, 7011031751 किसी भी विवाद की स्थिति में पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई

श्रावण मास पर रुद्र के माहात्म्य

सावन में रुद्राभिषेक की परंपरा है। शिवजी को रुद्र इसलिए कहा जाता है, क्योंकि मान्यता है कि वे रुत अर्थात दैहिक, दैविक और भौतिक दुखों का नाश करते हैं। श्रावण मास पर रुद्र के माहात्म्य पर आलेख..

वेद सर्वाधिक प्राचीन ग्रंथ माने जाते हैं। शास्त्रों के अनुसार, वेद- शिव- शिवो वेद- यानी वेद शिव हैं और शिव वेद हैं। अर्थात शिव वेदस्वरूप हैं। इसके साथ ही वेद को भगवान सदाशिव का निःश्वास बताते हुए उनकी स्तुति में कहा गया है – यस्य निःश्वसितं वेदायो वेदेभ्योखिलं जगत। निर्ममे तमहं वंदे विद्यातीर्र्थ महेश्वरम।। अर्थात वेद जिनके निःश्वास हैं, जिन्होंने वेदों के माध्यम से संपूर्ण सृष्टि की रचना की है और जो समस्त विद्याओं के तीर्थ हैं, ऐसे देवों के देव महादेव की मैं वंदना करता हूं। सनातन संस्कृति में वेदों की तरह शिव जी को भी अनादि कहा गया है।

वेदों में साम्ब सदाशिव को रुद्र नाम से पुकारा गया है। शिवजी को रुद्र इसलिए कहा जाता है, क्योंकि ये रुत अर्थात दुख को दूर कर देते हैं। जो दैहिक, दैविक और भौतिक दुखों का नाश करते हैं, वे रुद्र हैं। इसीलिए उन्होंने त्रिशूल धारण किया है। रुद्रहृदयोपनिषद कहता है, सर्वदेवात्मको रुद्र- अर्थात रुद्र सर्वदेवमय हैं। अथर्व शिखोपनिषद भी इसका समर्थन करता है – रुद्रो वै सर्वा देवता अर्थात रुद्र समस्त देवताओं का स्वरूप हैं। यजुर्वेद के रुद्राध्याय में रुद्रोपासना का विधान मिलता है। इसमें रुद्र शब्द के सौ पर्यायवाची नामों का उल्लेख होने से इसे शतरुद्री भी कहते हैं। माना जाता है कि शतरुद्री के माहात्म्य का उपदेश महर्षि याज्ञवल्क्य ने राजा जनक को दिया था। श्वेताश्वतरोपनिषदके अनुसार, महाप्रलय के समय एकमात्र रुद्र ही विद्यमान रहते हैं। श्रुतियों से यह तथ्य विदित होता है कि रुद्र ही परमपुरुष यानी आदिदेव साकार बहमा हैं, जिनके द्वारा ही सृष्टि की रचना, पालन और संहार होता है। ब्रहमा, विष्णु और महेश इनकी त्रिमूर्ति हैं। रुद्र का परिचय शास्त्रों में इस प्रकार भी दिया गया है – अशुभं द्रावयन् रुद्रो यज्जाहार पुनर्भवम। ततः स्मृताभिधो रुद्रशब्देनात्राभिधीयते।। अर्थात जो प्राणी जीवनकाल में सब अनिष्टों को दूर करते हैं और शरीर त्यागने पर मुक्ति प्रदान करते हैं, वे सदाशिव रुद्र के नाम से जाने जाते हैं। इसी कारण दुखों-कष्टों से मुक्ति तथा सद्गति प्राप्त करने के उद्देश्य से मनुष्य रुद्रोपासना करता आया है।

रुद्र को अभिषेकप्रिय रुद्र कहा गया है, यानी उन्हें अभिषेक पसंद है। इसीलिए सावन के महीने में रुद्र का अभिषेक किया जाता है। सामान्यतः लोग जल द्वारा अभिषेक करते हैं, तो सामर्थ्यवान दूध, दही, शहद आदि विभिन्न द्रव्यों से उनका अभिषेक करते हैं। मान्यता है कि श्रावण मास में भगवान शिव ने समुद्र मंथन से उत्पन्न विष को जनकल्याण के लिए पिया था, तब इंद्र ने शीतलता देने के लिए वर्षा की थी, इसी कारण श्रावण मास में शिव जी को जल अर्पित करने की परंपरा शुरू हुइ। भगवान शंकर की शक्ति पार्वती पर्वतराज हिमालय की पुत्री हैं। हमने पर्वतीय क्षेत्र को जो क्षति पहुंचाई है, उसके विनाशकारी परिणाम दिखाई देते हैं। इसलिए हमें हिमालय की पवित्रता बनाए रखने का संकल्प इस सावन में लेना चाहिए, तभी शिवार्चन सफल हो सकेगा और शिव हमेशा कल्याणकारी होंगे।

ऐसे करें शिव को प्रसन्न

श्रावण मास में आने वाले सोमवार के दिनों में भगवान शिवजी का व्रत करना चाहिए और व्रत करने के बाद भगवान श्री गणेश जी, भगवान शिवजी, माता पार्वती व नन्दी देव की पूजा करनी चाहिए। पूजन सामग्री में जल, दुध, दही, चीनी, घी, शहद, पंचामृत,मोली, वस्त्र, जनेऊ, चन्दन, रोली, चावल, फूल, बेल-पत्र, भा ंग, आक-धतूरा, कमल,गट्टा, प्रसाद, पान-सुपारी, लौंग, इलायची, मेवा, दक्षिणा चढाया जाता है। इस दिन धूप दीया जलाकर कपूर से आरती करनी चाहिए। व्रत के दिन पूजा करने के बाद एक बार भोजन करना चाहिए। और श्रावण मास में इस माह की विशेषता का श्रवण करना चाहिए।

श्रावण मास शिव उपासना महत्व

भगवान शिव को श्रावण मास सबसे अधिक प्रिय है। इस माह में प्रत्येक सोमवार के दिन भगवान श्री शिव की पूजा करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। इस मास में भक्त भगवान शकर का पूजन व अभिषेक करते है। सभी देवों में भगवान शकर के विषय में यह मान्यता प्रसिद्ध है, कि भगवान भोलेनाथ शीघ्र प्रसन्न होते है। एक छोटे से बिल्वपत्र को चढ़ाने मात्र से तीन जन्मों के पाप नष्ट होते है।

श्रावण मास के विषय में प्रसिद्ध एक पौराणिक मान्यता के अनुसार श्रावण मास के सोमवार व्रत, एक प्रदोष व्रत तथा और शिवरात्री का व्रत जो व्यक्ति करता है, उसकी कोई कामना अधूरी नहीं रहती है। 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन के समान यह व्रत फल देता है।

इस व्रत का पालन कई उद्देश्यों से किया जा सकता है। महिलाएं श्रावण के 16 सोमवार के व्रत अपने वैवाहिक जीवन की लंबी आयु और संतान की सुख-समृद्धि के लिये करती है, तो यह अविवाहित कन्याएं इस व्रत को पूर्ण श्रद्धा से कर मनोवांछित वर की प्राप्ति करती है। सावन के 16 सोमवार के व्रत कुल वृद्धि, लक्ष्मी प्राप्ति और सुख -सम्मान के लिये किया जाता है।

शिव पूजन में बेलपत्र प्रयोग करना

भगवान शिव की पूजा जब बेलपत्र से की जाती है, तो भगवान अपने भक्त की कामना बिना कहे ही पूरी करते है. बिल्व पत्र के बारे में यह मान्यता प्रसिद्ध है, कि बेल के पेड़ को जो भक्त पानी या गंगाजल से सींचता है, उसे समस्त तीथरें की प्राप्ति होती है। वह भक्त इस लोक में सुख भोगकर, शिवलोक में प्रस्थान करता है। बिल्व पत्थर की जड़ में भगवान शिव का वास माना गया है। यह पूजन व्यक्ति को सभी तीथरें में स्नान करने का फल देता है।

सावन माह व्रत विधि

सावन के व्रत करने से व्यक्ति को सभी तीथरें के दर्शन करने से अधिक पुन्य फल प्राप्त होते है। जिस व्यक्ति को यह व्रत करना हो, व्रत के दिन प्रातः काल में शीघ्र सूर्योदय से पहले उठना चाहिए। श्रावण मास में केवल भगवान श्री शकर की ही पूजा नहीं की जाती है, बल्कि भगवान शिव की परिवार सहित पूजा करनी चाहिए। सावन सोमवार व्रत सूर्योदय से शुरु होकर सूर्यास्त तक किया जाता है। व्रत के दिन सोमवार व्रत कथा सुननी चाहिए। तथा व्रत करने वाले व्यक्ति को दिन में सूर्यास्त के बाद एक बार भोजन करना चाहिए।

प्रातःकाल में उठने के बाद स्नान और नित्यक्रियाओं से निवृत होना चाहिए। इसके बाद सारे घर की सफाई कर, पूरे घर में गंगा जल या शुद्ध जल छिड़कर, घर को शुद्ध करना चाहिए। इसके बाद घर के ईशान कोण दिशा में भगवान शिव की मूर्ति या चित्र स्थापित करना चाहिए। मूर्ति स्थापना के बाद सावन मास व्रत संकल्प लेना चाहिए।

श्रीमल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के दर्शन से पूरी होती हैं मनोकामनाएं

दक्षिण भारत में कैलाश के नाम से मशहूर आंध्र प्रदेश का श्रीमल्लिकार्जुन मंदिर भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह ज्योतिर्लिंग कृष्णा नदी के तट पर श्रीसैलम नाम के पर्वत पर स्थित है। ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर के दर्शन करने से सात्विक मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

श्रीमल्लिकार्जुन का पौराणिक महत्व

एक बार भगवान शिव और पार्वती के पुत्र कार्तिकेय स्वामी और गणेश अपने विवाह के लिए आपस में कलह करने लगे। कार्तिकेय का मानना था कि वे बड़े हैं, इसलिए उनका विवाह पहले होना चाहिए, किन्तु श्री गणेश अपना विवाह पहले कराने को लेकर जिद्द पर अड़े थे। जब दोनों के झगड़े की वजह पिता महादेव और माता पार्वती को पता लगी तो उन्होंने इस झगड़े को खत्म करने के लिए कार्तिकेय और गणेश के सामने एक प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि तुम दोनों में जो कोई भी पृथ्वी की परिक्रमा करके पहले यहां आ जाएगा, उसी का विवाह पहले होगा। शर्त सुनते ही कार्तिकेय जी पृथ्वी की परिक्रमा करने के लिए दौड़ पड़े लेकिन गणेशजी के लिए तो यह कार्य बड़ा ही कठिन था।

गणेश जी शरीर से स्थूल किन्तु बुद्धि के सागर थे। उन्होंने एक उपाय सोचा और अपनी माता पार्वती तथा पिता देवाधिदेव महेश्वर से एक आसन पर बैठने का आग्रह किया। गणेश ने उनकी सात परिक्रमा की। इस तरह से वह पृथ्वी की परिक्रमा से प्राप्त होने वाले फल की प्राप्ति के अधिकारी बन गए। उनकी चतुर बुद्धि को देख कर शिव और पार्वती दोनों काफी खुश हुए और उन्होंने श्रीगणेश का विवाह कार्तिकेय से पहले करा दिया। जब तक स्वामी कार्तिकेय सम्पूर्ण पृथ्वी की परिक्रमा करके वापस आए, उस समय तक श्रीगणेश जी का विवाह विश्वरूप प्रजापति की पुत्रियों सिद्धि और बुद्धि के साथ हो चुका था, जिनसे उन्हें क्षेम तथा लाभ नामक दो पुत्र भी प्राप्त हो चुके थे।

यह सब देखकर स्वामी कार्तिकेय नाराज हो गए और क्रौंच पर्वत की ओर चले गए। उन्हें मनाने के लिए देवर्षि नारद को भेजा गया लेकिन वह नहीं माने। कार्तिकेय के चले जाने पर माता पार्वती भी क्रौंच पर्वत पहुंचीं। उधर भगवान शिव भी ज्योतिर्लिंग के रूप में वहां प्रकट हुए। तभी से वह मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के नाम से विख्यात हुए। मल्लिका माता पार्वती का नाम है, जबकि अर्जुन भगवान शंकर को कहा जाता है। इस कथा के अलावा और भी कई कथाएं हैं जो मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के बारे में कही जाती हैं।

कैसे पहुंचे – मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग आंध्र प्रदेश के श्रीसैलम में मौजूद है। आप सड़क, रेल और हवाई यात्रा के जरिए इस ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर सकते हैं। सड़क के जरिए श्रीसैलम पूरी तरह से जुड़ा हुआ है। विजयवाड़ा, तिरुपति, अनंतपुर, हैदराबाद और महबूबनगर से नियमित रूप से श्रीसैलम के लिए सरकारी और निजी बसें चलाई जाती हैं। श्रीसैलम से 137 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैदराबाद का राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट सबसे नजदीकी एयरपोर्ट है। यहां से आप बस या फिर टैक्सी के जरिए मल्लिकार्जुन पहुंच सकते हैं। यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन मर्कापुर रोड है जो श्रीसैलम से 62 किलोमीटर की दूरी पर है।

सावन सोमवार

हर हर भोले नमः शिवाय

सावन और शिव का भारतीय संस्कृति से गहरा मेल है। सावन के झूलों से लेकर सावन सोमवार की बेलपत्री तक..सब कुछ मानो भावनाओं को हरा-भरा कर देने वाला। सावन के आते ही शिव भक्तों में पूजा अर्चना के लिए नई उमंग का संचार हो गया है। चारों ओर गूंजने लगे हैं बोल बम.. के जयकारे और हरे व केसरिया रंग से धरती पट सी गई है। सावन सोमवार को शिवालयों में सुबह से शाम तक भक्तों का तांता लगा रहेगा। हर कोई भोले से वरदान मांगने पहुंच जाता है उनके द्वार। शास्त्रों और पुराणों का कहना है कि श्रावण मास भगवान शंकर को अत्यंत प्रिय है। इस माह में शिवार्चना के लिए प्रमुख सामग्री बेलपत्र और धतूरा सहज सुलभ हो जाता है। सच पूछा जाए तो भगवान शिव ही ऐसे देवता है, जिनकी पूजा-अर्चना के लिए सामग्री को लेकर किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती। अगर कोई सामग्री उपलब्ध न हो तो जल ही काफी है। भक्ति भाव के साथ जल अर्पित कीजिए और भगवान शिव प्रसन्न।

जल चढ़ाओ और जो चाहे मांग लो

शास्त्रों के अनुसार श्रावण मास भगवान शकर को विशेष प्रिय है। अतः इस मास में आशुतोष भगवान शकर की पूजा का विशेष महत्व है। सोमवार शकर का प्रिय दिन है। इसलिए श्रावण सोमवार का और भी विशेष महत्व है। भगवान शकर का यह व्रत सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला है। इस मास में लघुरुद्र, महारुद्र अथवा अतिरुद्र पाठ करके प्रत्येक सोमवार को शिवजी का व्रत किया जाता है। प्रातः काल गगा या किसी पवित्र नदी सरोवर या घर पर ही विधि पूर्वक स्नान करने का विधान है। इसके बाद शिव मदिर जाकर या घर में पार्थिव मूर्ति बना कर यथा विधि से रुद्राभिषेक करना अत्यत ही फलदायी है। इस व्रत में श्रावण महात्म्य और विष्णु पुराण कथा सुनने का विशेष महत्व है।

एतिहासिक जंगेश्वर मंदिर

प्राचीन व एतिहासिक शिव मंदिरों में से एक पलवल के जंगेश्वर मंदिर में श्रावण माह में हर सोमवार को हजारों श्रद्धालु आकर पूजा अर्चना करते हैं। इस मंदिर की मान्यता दूर-दूर तक है। पुराने शहर में स्थापित यह मंदिर लोगों की आस्था का मुख्य केंद्र माना जाता है। पड़वा से पूनो तक श्रावण माह में विशेष पूजा अर्चना की जाती है।

पौराणिक व एतिहासिक महत्व

मंदिर का पौराणिक व एतिहासिक महत्व है। यह इसके नाम से ही पता लगता है। मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। पहले इस मंदिर को विधर्मियों ने तोड़कर इसके ऊपर अन्य निर्माण कर दिए थे। फिर इसे काफी संघर्ष के बाद हासिल किया गया। खुदाई की गई तो प्राचीन शिवालय निकला। सन् 1802 में इस मंदिर का पुनः निर्माण किया गया।

मूर्ति व मंदिर के निर्माण की विशेषता

मंदिर में स्थापित शिवलिंग पत्थर का है। मौजूदा लोगों में से किसी को नहीं मालूम कि यह कितना पुराना है। मंदिर के पुजारी राम कुमार बताते हैं कि यह कुदरती है। इस शिवालय का मुख्य मुख पूर्व की तरफ है। जबकि इसके दो अन्य दरवाजे पश्चिम व दक्षिण की तरफ खुलते हैं।

मंदिर की स्थापत्य शैली

जंगेश्वर मंदिर की स्थापत्य शैली अन्य शिव मंदिरों की तरह ही है। इसका निर्माण कखैया ईटों व व चूने से किया गया है। बाद का सारा निर्माण बड़ी ईटों व सीमेंट का है। मंदिर की दीवारों पर देवी-देवताओं के चित्र बने हुए हैं।

पूजा, दिनचर्या, सामग्री व आराधना

मंदिर में रोजाना पूजा अर्चना होती है। रोजाना सैकड़ों लोग पूजा अर्चना करते हैं। श्रावण माह में यह संख्या हजारों में पहुंच जाती है। मंदिर में मेले का सा माहौल रहता है। सोमवार को विशेष श्रृंगार किया जाता है। बेल पत्र, आक, धतूरे शिवलिंग पर चढ़ाए जाते हैं। पलवल से बाहर के श्रद्धालु भी पूजा अर्चना के लिए आते हैं।

श्रावण माह में प्रतिदिन शाम को दूध-दही, गंगाजल, शहद आदि से शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है। हर सोमवार को फूल बंगला सजाया जाता है। ठंडाई व खीर का प्रसाद बांटा जाता है। अब पुराना मंदिर तोड़कर नया मंदिर बनाया गया है। उनके अनुसार शिवलिंग पृथ्वी से निकलकर अपने आप स्थापित हुआ।

विकास जैन चौथी बार उ0प्र0युवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष निर्वाचित

दुर्गम खबर- नोएडा : उ०प्र० युवा व्यापार मंडल प्रदेश कार्यकारिणी का चुनाव,अग्रसेन भवन में संपन्न हुआ।चुनावअधिकारी मूल चंद गुप्ता ने विकास जैन को निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया।ज्ञातव्य हो कि विकास जैन लगातार चौथी बार अध्यक्ष के निर्वाचित हुए हैं।' चुनाव अधिकारी ने घोषणा करते हुए कहा कि नवनीत गुप्ता को चेयरमैन निखिल और अग्रवाल प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रवीण गर्ग प्रदेश उपाध्यक्ष, सचिन गोयल,प्रदेश महा मंत्री,मनीष शर्मा प्रदेश सचिव, शिवा चौहान प्रदेश सचिव,अमित गोयल प्रदेश महामंत्री और राजेश जिंदल प्रदेश महामंत्री,रघुनाथ सिंह मार्गदर्शिका डॉक्टर पल्लवी शर्मा ,संरक्षक मूल चंद गुप्ता व सुभाष गर्ग और पंकज अग्रवाल,राज कुमार, मोहन लाल,वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेन्द्र चोपड़ा,उद्योग प्रकोष्ठ वरिष्ठ उपाध्यक्ष,वीरेंद्र मेहता को उद्योग प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष, विनीत मेहता प्रदेश सचिव उद्योग प्रकोष्ठ व उपाध्यक्ष भारत बंसल,परम चौहान व महामंत्री एडवोकेट विकल गुप्ता, कानूनी सलाहकार विनय जैन व सचिव अंकुर बंस और मंत्री रवि चौहान वाजिदपुर मंत्री गौतमबुद्ध नगर जिलाध्यक्ष लघु अग्रवाल,जयमंत झा,हिमांशु मित्तल, ज्ञान चंद अग्रवाल, उपाध्यक्ष विवेक अग्रवाल, जिला महामंत्री मोती राम, दीपक गोयल, संदीप गुप्ता, करण ग्रोवर, सोविंद्र यादव, गौरव सिंगल आदि चुने गए। उद्योग प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अंकित गुप्ता और जिला उपाध्यक्ष शक्तिसिंह, प्रदीप सिंह के नाम घोषित किए गए।उद्योग प्रकोष्ठ

में जिला महामंत्री सत्यवीर सिंह व प्रमोद शर्मा व भवदीय सिंह को चुना गया।कानपुर से प्रदेश प्रभारी एवं कानपुर इकाई नगराध्यक्ष कपिल सबरवाल ,प्रदेश उपाध्यक्ष संजय टंडन, प्रदेश महामंत्री सरबजीत सिंह, प्रदेश मंत्री, हरजीत सिंह रोमी प्रदेश संगठन मंत्री,श्याम गुप्ता घोषित भी घोषित हुएं व महिला प्रकोष्ठ में,गौतमबुद्ध नगर जिला अध्यक्ष निधि सहाय,वंदना गुप्ता जिला प्रभारी,पूजा गर्ग उपाध्यक्ष, श्रेया शर्मा जिला महामंत्री और अर्चना आनद जिला महामंत्री,बबीता गुप्ता कोषा अध्यक्ष,कविता लोढ़ा जिला उपाध्यक्ष,दीपिका चोरडिया जिला उपाध्यक्ष,मंजू गुप्ता, सूची गुप्ता आदि मनोमीत की गई।दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन एसोसिएशन तथागौतमबुद्ध नगर से राजेश जिंदल को अध्यक्ष घोषित किया गया। ग्रेटर नोएडा व्यापार प्रकोष्ठ से रवि शर्मा को अध्यक्ष व सुरेश बंसल को उपाध्यक्ष घोषित किया गया ' जिला बुलंदशहर से मुकेश गर्ग को जिला अध्यक्ष, ओम सिंगल को जिला उपाध्यक्ष घोषित किया गया। नोएडा सेक्टर- चार से सुरेंद्र अग्रवाल को अध्यक्ष घोषित किया गया। आगरा से मानक शंकर को अध्यक्ष और सुनील गांधी को उपाध्यक्ष घोषित किया गया।मिर्जापुर से परेशान अगर हरी को अध्यक्ष चुना गया।हापुड़ से निशु अग्रवाल को अध्यक्ष,मोहित गोयल को उपाध्यक्ष और संजीव गुप्ता को महामंत्री घोषित किया गया। गाज़ियाबाद से अंकित गुप्ता अध्यक्ष और ब्रजपाल सिंह उपाध्यक्ष घोषित किया गया।मथुरा से हिमांशु गुप्ता को अध्यक्ष व दिनेश अग्रवाल को उपाध्यक्ष,भारती वषार्ने को महामंत्री घोषित किया गया ।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान की शुरूवात

दुर्गम खबर-नोएडा। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष ओमबीर अवाना के नेतृत्व में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत ग्राम चौड़ा के सहादतपुर सेक्टर 22 में स्थित शिव दुर्गा धाम मंदिर में वृक्ष लगाये।इस दौरान जिलाध्यक्ष ओमबीर अवाना ने कहा कि यह वृक्ष रोपण पहल, जो कि प्राकृतिक पर्यावरण के प्रति हमारे समर्पण का प्रतीक है, बहुत ही सफल रहा।हम इस समारोह में उपस्थित सभी लोगों का हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं और उनके साथी समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं।इस प्रकार की सामाजिक पहलों के माध्यम से हम स्थानीय समुदाय के साथ मिलकर पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लेते हैं।इस महत्वपूर्ण अवसर पर, ग्राम चौड़ा के बच्चे, वयस्क और वृद्ध एक साथ आकर्षणशील और पौधरोपण के लिए एक साथ जुटे।इस महत्वपूर्ण अवसर पर शहरी विकास मोर्चा के अध्यक्ष प्रशनजीत मैत्रा, विष्णु शर्मा जिला मंत्री किसान मोर्चा, देवेन्द्र राणा, सुरेंद्र शर्मा, ओमशरण यादव, मुकेश शर्मा अध्यक्ष चौड़ा सहादतपुर विकास समिति, प्रदीप भारद्वाज, प्रवीण शर्मा, निखिल, ऋषभ आदि उपस्थित रहे।

जल्द होगा आरडब्लूए का चुनाव

दुर्गम खबर-नोएडा। सेक्टर डेल्टा टू में आमसभा का आयोजन किया गया।जिसमें सेक्टर निवासियों ने भाग लिया।इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष अजब सिंह भाटी और पूर्व महासचिव आलोक नागर द्वारा अपने तरीके से आय और व्यय ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। जिसमें कुछ आपत्तियां थी उसका भी निपटारा किया गया और अजब सिंह भाटी और आलोक नागर द्वारा सभी विवादों को खत्म करते हुए सेक्टर के अंदर चुनाव कराने के लिए एक चार लोगों की कमेटी का गठन किया गया।जिसमें ईलम सिंह नागर, देव भाटी एडवोकेट, रतन सिंह, बृजेश भाटी यह लोग इसी कमेटी में हर ब्लॉक से और 2,2 लोगों को लेगे और यह 10 से 15 लोगों की कमेटी बनेगी और हाई कोर्ट के मामले को खत्म करेगी और आर डब्लू ए चुनाव कराएगी। अजब सिंह भाटी द्वारा यह भी कहा गया कि वह किसी प्रत्याशी को चुनाव नहीं लड़ाऐगे और नहीं लड़ेंगे और आज से आर डब्लू ए अध्यक्ष का पूरा दायित्व जो कमेटी बनाई है उसको सौंपते हैं।

ठक-ठक गैंग के बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़,दो बदमाश गिरफ्तार

दुर्गम खबर-धीरेन्द्र अवाना

नोएडा। गुलेल से कार का शीशा तोड़ कर कीमती सामान चोरी करने वाले दो बदमाशों को नोएडा पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया।आरोपियों की पहचान दिल्ली निवासी रोहित कृष्णन और नोएडा निवासी गुलशन कुमार के रुप में हुयी।इनके कब्जे से एक बैग, 6 लैपटॉप, एक गुलेल और लोहे की गोलियां के अलावा वारदात में इस्तेमाल की जाने वाली जुपिटर स्कूटी बरामद हुई है।एडिशनल डीसीपी मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि थाना फेस-1 पुलिस दिल्ली की तरफ से गोल चक्कर को आने वाले रास्ते पर स्थित गंदे नाले के ऊपर चेकिंग की जा रही थी, तभी एक स्कूटी पर दो संदिग्ध व्यक्ति आते दिखाई दिए। जिन्हें पुलिस द्वारा चेकिंग करने के लिए रोका तो वह भागने लगे। दोनों बदमाश तेजी से स्कूटी चलाते हुए सेक्टर-14ए के पीछे से दिल्ली की तरफ जाने वाले गंदे नाले की पटरी पर भागने लगे। पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर स्कूटी फिसल कर गिर गई और बदमाश पुलिस टीम पर फायर करने लगे।पुलिस टीम द्वारा की गयी जवाबी कार्रवाई में बदमाश रोहित कृष्णन पुत्र कृष्णन उर्फ हैंड कुण्डलम घायल हो गया।जिसको इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। दूसरे बदमाश गुलशन कुमार उर्फ ठाकुर को कॉबिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया है। ये बदमाश मुख्य मार्ग व कॉलोनी में खड़ी गाड़ियों का शीशा तोड़कर उसमें से बैग व लैपटॉप आदि चुरा लेते थे व शीशा तोड़ने के लिए गुलेल एवं छोटी-छोटी बेयरिंग बॉल का इस्तेमाल करते हैं।

पर्यावरण बचाने के लिए स्कूल में ग्रीन डे मनाया गया

दुर्गम खबर-नोएडा।पर्यावरण बचाने के लिए जागरुक करने के लिए आज प्रथम पब्लिक स्कूल मामूरा नोएडा में ग्रीन डे मनाया गया। जिसमें स्कूल की सभी बच्चों ने बड़ी उत्सुकता से भाग लिया और पर्यावरण को बचाने के लिए लोगों को जागरुक किया।साथ ही प्राकृतिक संसाधनों का उचित उपयोग एवं उनको बचाने की शपथ ली।प्रथम पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य मयंक चौहान ने बताया कि आज के समय में बच्चों का सर्वांगीण विकास बहुत जरूरी है जिसके लिए वह सदैव प्रयास करते रहते हैं और उनका यह संकल्प है कि वह बच्चों को हर जरूरी सुविधाओं उपलब्ध कराएंगे।जिससे सभी बच्चे हर
रुप से सक्षम बन सके।कार्यक्रम में प्रथम पब्लिक स्कूल की संस्थापक राधिका चौहान, प्रधानाचार्य मयंक चौहान,
अध्यापिका शशि, तानिया, सोनम, पायल, नंदनी, उपासना आदि उपस्थित रहे।

प्लास्टिक प्रदूषण रोकने के लिए प्लास्टिक से बने चीजों का त्याग करे लोग : सचिन गुप्ता

दुर्गम खबर-नोएडा। जिला मजिस्ट्रेट मनीष कुमार वर्मा एवं वन विभाग अधिकारी प्रमोद कुमार श्रीवास्तव के आवाहन पर आज गुरु पूर्णिमा के अवसर वॉलंटियर्स 137 और युवा शक्ति वाईएसएस फाउंडेशन के द्वारा चलाई जा रही "नदियों के साफ सफाई और सरंक्षण अभियान" में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने हिस्सा लिया।नोएडा सेक्टर 63 में स्थित हरनंदी नदी(हिंडन नदी) को बचाने के लिए और सफाई के लिए गोपाल कृष्णा अग्रवाल ने लोगों को जागरुक किया और बताया कि नदियों ने सदैव से मानव सभ्यता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनके जीवनदायी जल ने सिंचाई, परिवहन, व्यापार और सामाजिक-सांस्कृतिक विकास को गति प्रदान की है। प्राचीन काल से ही, अनेक महान सभ्यताएं नदियों के किनारे विकसित हुई हैं, जिनमें सिंधु घाटी सभ्यता, हड़प्पा सभ्यता, मेसोपोटामिया की सभ्यता प्रमुख हैं। नदियों को प्रदूषित कर मानव अपने जीवन को नष्ट करने पर लगा है। हरनंदी भारत की दूसरी सबसे बड़ी प्रदूषित नदी है इसको बचाने एवं यथासंभव उच्चतम स्तर पर उठाने का वादा किया। इस अभियान में लगभग 250 स्वयंसेवक शामिल हुए।वालंटियर्स 137 के अध्यक्ष अभीष्ट गुप्ता ने कहा कि जब तक हर एक व्यक्ति पर्यावरण और जल संरक्षण की महत्ता को पूरी तत्परता और गंभीरता से नहीं लेंगा तब तक नदियों को और पर्यावरण को अच्छी तरह से स्वच्छ नहीं किया जा सकता।वही वाईएसएस फाउंडेशन के अध्यक्ष सचिन गुप्ता ने नदियों में प्लास्टिक प्रदूषण रोकने के लिए प्लास्टिक से बने चीजों का दैनिक जीवन में उपयोग न करने की सलाह दी।शिष्टाचार के रुप में राजीव सिंह, अध्यक्ष नोफा भी इस अभियान में शामिल हुए। युवा टीम सफाबांद और बी मिलिट्री फिट भी सदस्यों के साथ स्वछता एवं जागरुकता में शामिल हुए।स्थानीय ग्रामीणों ने टीम को उन गलत कामों से अवगत कराया, जो हिंडन को प्रदूषित कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने हो रहे कार्य की प्रशंसा कर जनसहयोग का भी वादा किया। आज के कार्यक्रम में महिला शक्ति अंजलि बत्रा, गरिमा कांडपाल, अभिष्ठ गुप्ता, सोनू यादव, राजीवा लोचन, सचिन गुप्ता, यूटूबर प्रेम कुमार, नन्दन, गगन, अनिल चौधरी, विकास गुप्ता, ऋषभ शास्त्री, तेजस, नैतिक के साथ स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

दुर्गम खबर- नोएडा।रविवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सामुदायिक केंद्र सेक्टर-34 में फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूए सेक्टर-34 द्वारा विधासाइन एके-डमी के सहयोग से गत वर्षों की भाँति सेक्टर-34 के 10 वी एवं 12 वीं कक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 60 विद्यार्थियों को सम्मानित किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस उपायुक्त नोएडा राम बदन सिंह और पुलिस उपायुक्त क्राइम शक्ति मोहन अवस्थी द्वारा आरडब्लूए की इस पहल की सराहना करते हुए सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके द्वारा सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के फेडरेशन द्वारा सेक्टर निवासी भारत सरकार द्वारा पद्मश्री अवार्ड से सम्मानित प्रो डॉ राजाराम जैन , भूटान सरकार से सर्वोच्च पुरस्कार प्राप्त श्री ए के मिश्रा, साइक्लोथन विजेता सौमित्र द्विवेदी एवम सेवानिवृत्त उप मुख्य विधि सलाहकार एस पी गौड़ को भी सम्मानित किया गया।अध्यक्ष के के जैन एवं महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमारे सेक्टर के लिए बहुत बहुत ही गर्व की बात है कि हमारे सेक्टर में इतने मेधावी बच्चे हैं।सभी अभिभावकों एवं बच्चों को बधाई देते हुए बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की।इस दौरान फेडरेशन आरडब्ल्यूए अध्यक्ष के के जैन, महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा, उपाध्यक्ष राजेश राय कोषाध्यक्ष देवेंद्र कुमार, विद्यासाइन एकेडमी निदेशक अभिषेक राणा डॉ डी महापात्रा,सुरिंदर महाजन टी एन श्रीवास्तव,बंटी चौधरी,संजय नागी,दीपाली पसारी,एम सी भारद्वाज,कुलदीप मुंशी,प्रदीप सिंह,विकास गुलाटी,अनिल शर्मा, के के भाटिया,शेखर शर्मा,के सी रावत,एस के सिंघल,जगदीश जोशी, जगत सिंह सहित काफी सेक्टर निवासी उपस्थित रहे।

कमजोर वर्ग के लोगों के लिए निठारी में खुला कंप्यूटर शिक्षण केंद्र

दुर्गम खबर-नोएडा। नवरत्न फाउंडेशन्स और सोसाइटी फॉर स्पोर्ट्स एंड कल्चरल एडवांसमेंट के संयुक्त तत्वाधान में ग्राम निठारी के नए कम्युनिटी सेंटर में अपना 12वां कंप्यूटर शिक्षण केंद्र आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए प्रारंभ किया अपना 12वां कंप्यूटर शिक्षण केंद्र। यह केंद्र प्रसिद्ध सांख्यिकीविद एवं यूनेस्को इत्यादि से अंतराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त शिक्षाविद डॉ ऐ.बी.एल. श्रीवास्तव की स्मृति में खोला गया।जिसका उद्घाटन डॉ. आशा श्रीवास्तव, एसएससी ए के अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल और स्मिता धर्मराज ने किया।इस अवसर पर नवरत्न फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने बताया कि हमारा एक ही ध्येय है कि ऐसे वर्ग के बच्चों को विधिवत शिक्षा मिले ताकि सभी बच्चों को कंप्यूटर की प्राथमिक शिक्षा निर्विवाद मिलती रहे।केंद्र में प्रातः और सायंकालीन शिफ्ट में निठारी और उसके निकटतम ग्रामीण इलाकों के छात्रों को और अन्य क्षेत्रों के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को पढ़ाया जायेगा।इस अवसर पर आशा आनंद बालिका छात्रवृत्ति के तहत विलक्षण प्रतिभाशाली पठन-पाठन में तीव्र प्रत्येक छह चयनित बालिकाओं को 21000 छात्रवृति की धनराशि दी गई।इस अवसर पर पी के गुप्ता, देवेंद्र कुमार, नरेंद्र कुचल, विमलेश शर्मा, दिनेश भारद्वाज, संजय सिन्हा, अंशुमाली सिन्हा, अमित द्विवेदी, अजय मिश्रा, पद्मिनी कुमार, कँवल कोहली, बलबीर सिंह भाटी, प्रदीप सक्सेना, नीरज भटनागर आदि मौजूद थे।

लूट की घटना कारित करने वाले 03 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

72 हजार रुपये नकद,2 मोबाइल फोन, आधार कार्ड, पासबुक, जनसेवा केन्द्र की मोहर, मोटरसाइकिल व एक चाकू बरामद

उत्तर प्रदेश : जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाये जाने हेतु अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना डिबाई पुलिस द्वारा एक अभिसूचना पर अलीगढ़ मार्ग से लूट की घटना कारित करने वाले 3 शातिर अभियुक्तों 72 हजार रुपये नगद, 2 मोबाइल फोन, आधार कार्ड, पासबुक, जनसेवा केन्द्र की मोहर, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल व एक चाकू आदि सहित गिरफ्तार किया गया । अभियुक्तों की गिरफ्तारी व बरामदगी के संबंध में थाना डिबाई पर मुअसं-379/24 धारा 317(5),317(2) बीएनएस पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम पता जोशी कुमार पुत्र दलवीर निवासी ग्राम उमरारा थाना डिबाई,योगेश उर्फ योगेन्द्र पुत्र वीर बहादुर निवासी ग्राम बांधोर थाना डिबाई,पोला उर्फ घनश्याम उर्फ घमंडी पुत्र कान्ती प्रसाद निवासी उपरोक्त। पुलिस ने इनके पास से 72 हजार रुपये नगद,1 मोबाइल फोन वन प्लस,1 मोबाइल फोन वन प्लस,1 मोटरसाइकिल, 1 आधार कार्ड, 1 पासबुक, जनसेवा केन्द्र की मोहर,1 चाकू बरामद किया। गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा दिनांक 09-07-2024 को थाना डिबाई क्षेत्रान्तर्गत नायरा पैट्रोल पम्प के आगे आलू फार्म के पास से एक बाइक सवार जनसेवा केन्द्र वाले की आखों में मिर्च डालकर उसका बैग लूटने की घटना कारित की गयी थी। बैग में कुछ रुपये, आधार कार्ड, पासबुक आदि सामान था। रुपयों को अभियुक्तों द्वारा आपास में बाट लिया गया था तथा कुछ रुपयों से 1 वन प्लस का मोबाइल फोन खरीदा गया था। इस सम्बन्ध में थाना डिबाई पर मुअसं- 354/24 धारा 317(5),317(2) बीएनएस व 4/24 आर्म्स एक्ट पंजीकृत है।अभियुक्तों द्वारा बरामद किया गया। मोटर साइकिल को करीब 2 वर्ष पूर्व जनपद मुजफ्फरनगर के थाना नई मंडी क्षेत्र से चोरी किया गया था । जिसके सम्बन्ध में थाना नई मंडी जनपद मुजफ्फरनगर में मुअसं-91/22 धारा 379 भादवि पंजीकृत हैं। अभियुक्तगण शातिर किस्म के चोर/लुटरे हैं जिनके द्वारा अपना खर्चा चलाने के लिए लूट की घटानाएं कारित की जाती हैं।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में
रण सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना डिबाई, उ0नि0 देवेन्द्र कुमार, उ0नि0यू0टी0 हरेन्द्र,का0 लाखन सिंह, का0 जितेन्द्र कुमार, का0 धर्मेन्द्र सिंह रहे।

पुलिस ने पांच शातिर चोरों को समान व नकदी के साथ किया गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश : बुलंदशहर थाना छतारी पुलिस द्वारा अतरौली रोड मौइद्दीनपुर बार्डर के पास से 03 शातिर चोर मोइद्दीनपुर बार्डर से चोरी किये गये सामान सहित गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्तो की निशादेही पर चोरी के आभूषण खरीदने वाले दो सुनारो को आभूषणो सहित गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों की गिरफ्तारी व बरामदगी के संबंध में थाना छतारी पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा हैं।गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम पता चमन उर्फ लाला पुत्र शंकर निवासी ग्राम दानगढ थाना डिबाई जनपद बुलन्दशहर राजकुमार उर्फ राजू पुत्र राजेश कुमार निवासी ग्राम दानगढ थाना डिबाई जनपद बुलन्दशहर विकास उर्फ अजीत पुत्र सरेशचन्द निवासी ग्राम दौरऊ थाना डिबाई जनपद बुलन्दशहर। वरूण सिंघल पुत्र मदन मोहन सिघल निवासी ग्राम दानपुर थाना डिबाई जनपद बुलन्दशहर ब्रजेश कुमार पुत्र छत्र सिंह निवासी ग्राम असदपुर घेड़ थाना डिबाई जनपद बुलन्दशहर।गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा दिनांक 01.04.2024 की रात्रि में थाना छतारी क्षेत्रान्तर्गत नंगला छतू रोड स्थित एक गौदाम से सोलर प्लेट चोरी करने की घटना कारित की गयी थी जिसके सम्बन्ध में थाना छतारी पर मुअसं-127/24 धारा 379 भादवि पंजीकृत है गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा दिनांक 15.05.2024 की रात्रि में थाना छतारी क्षेत्रान्तर्गत छतारी दौराहे पर स्थित एक कोचिंग सेन्टर में बैटरा इन्वर्टर चोरी करने की घटना कारित की गयी थी जिसके सम्बन्ध में थाना छतारी पर मुअसं- 165/24 धारा 380 भादवि पंजीकृत है।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में भूपेन्द्र सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना छतारी उ0नि0 जितेन्द्र सिंह, उ0नि0 देवेन्द्र कुमार, उ0नि0 रनवीर सिंह, उ0नि0 शुभम गंगवाल है0का0 राशिद अली, का0 दिलबर खांन, का0 महेन्द्र कुमार, का0 दिनेश कुमार आदि शामिल रहे।

गुजरात में चांदीपुरा वायरस का कहर जारी, अब तक 27 बच्चों की मौत

अहमदाबाद। गुजरात में चांदीपुरा वायरस से हाहाकार मचा हुआ है। राज्य में अब तक चांदीपुरा वायरस से 27 बच्चों की मौत की खबर है। वहीं राज्य में इसके 71 संदिग्ध मामले सामने आए हैं। सबसे अधिक चांदीपुरा वायरस के 11 मामले पंचमहल में दर्ज हुए हैं7 जबकि उत्तरी गुजरात के साबरकांठा में 8 संदिग्ध मामले सामने आए हैं। 9 महीने से 14 साल तक के बच्चों को अपनी चपेट में लेनेवाले इस वायरस के मामले राज्य में लगातार बढ़ते जा रहे हैं7 गुजरात में अब तक 71 केस दर्ज हो चुके हैं7 जिसमें पंचमहल में 11, साबरकांठा में 8, खेडा में 5, जामनगर में 5, गांधीनगर जिले में 5, अरवल्ली में 4, महीसागर में 4, मेहसाणा में 4, मोरबी में 4, अहमदाबाद शहर में 4, गांधीनगर शहर में 2, छोटाउदेपुर में 2, दाहोद में 2, बनासकांठा में 2, वडोदरा शहर, भावनगर, देवभूमि द्वारका, राजकोट शहर, और कच्छ में 1-1 समेत कुल 71 संदिग्ध केस शामिल हैं7 इनमें से अरवल्ली और मेहसाणा में 2-2, साबरकांठा, गांधीनगर, पंचमहल, मोरबी, वडोदरा में 1-1 समेत कुल 9 केस पॉजिटिव मिले हैं। जबकि 71 मामलों में से अरवल्ली, अहमदाबाद शहर, मोरबी में 3-3, साबरकांठा, मेहसाणा, राजकोट, दाहोद में 2-2, महीसागर, सुरेन्द्रनगर, गांधीनगर जिला, गांधीनगर शहर, वडोदरा, देवभूमि द्वारका समेत कुल 27 मरीजों की मौत हो चुकी है।

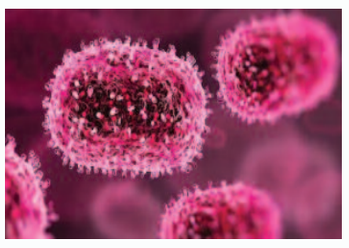

अच्छी नौकरी के लालच में फंसे 14 भारतीयों को कंबोडिया से कराया मुक्त

नई दिल्ली। कंबोडिया में नौकरी के नाम पर साइबर क्राइम में फंसे 14 भारत के रहने वाले नागरिकों को भारतीय दूतावास की सूचना पर कंबोडिया देश की कानून लागू करने वाली एजेंसियों ने मुक्त कराया है। दूतावास ने कहा कि उसने 650 से ज्यादा भारतीय नागरिकों को मुक्त कराने और वापस भारत भेजने में मदद की है, जो नौकरी के नाम पर ठगों के झांसों में आ गए थे और यहां फंस गए थे। दूतावास ने कहा कि हाल में दूतावास ने कंबोडियाई पुलिस को विशिष्ट सुराग मुहैया कराए थे, जिससे 14 भारतीय पीड़ितों को छुड़ाया जा सका है। भारतीय दूतावास ने एक बयान में कहा कि इन व्यक्तियों की देखभाल वर्तमान में कंबोडिया के सामाजिक मामलों और युवा पुनर्वास मंत्रालय के समन्वय में काम करने वाले एक गैर सरकारी संगठन द्वारा की जा रही है।

रीवा में दो महिलाओं को जिंदा गाड़ा, निजी जमीन पर सड़क बनाने का विरोध करना पड़ा महंगा

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा में जमीनी विवाद के चलते दंबगों ने दो महिलाओं को जिंदा गाड़ने जैसा दुस्साहस कर दिया। यह तो भला हो कि समय रहते दोनों महिलाओं को मुरम से बाहर निकाल लिया गया, लेकिन पीड़ित महिलाओं की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। जानकारी अनुसार रीवा जिले के हिनौवा गांव में एक निजी जमीन पर जबरन सड़क निर्माण को लेकर दो पक्षों में विवाद चल रहा है। उनकी जमीन पर सड़क बनाए जाने का विरोध महिलाएं कर रही थीं। इसी दौरान दंबगों ने दोनों महिलाओं के ऊपर सड़क निर्माण में इस्तेमाल में आने वाली मुरुम डाल दी, जिससे एक महिला गले तक और दूसरी महिला कमर के ऊपर तक मिट्टी में धंस गईं। बताया जा रहा है कि राजेश सिंह उर्फ छुटकउ अपनी जेसीबी और मुरुम से भरा डंपर लेकर विवादित स्थल पर सड़क बनाने के लिए पहुंचा था। निजी जमीन पर सड़क बनते देख आशा पांडेय और ममता पांडेय ने विरोध किया। दोनों महिलाओं द्वारा किए जा रहे विरोध से नाराज दूसरे पक्ष के गोकर्ण पांडेय, महेंद्र पांडेय, चंद्रभान पांडेय सहित आधे दर्जन से ज्यादा लोगों ने दोनों महिलाओं के साथ मारपीट कर दी। इसी बीच दूसरे पक्ष के लोगों ने दोनों महिलाओं के ऊपर डंपर से मुरुम उड़ेल दिया। इससे एक महिला गले तक जबकि दूसरी महिला कमर तक मुरम में धंस गई। विवाद होने की जानकारी मिलने पर दोनों महिलाओं के परिवार वाले मौके पर पहुंचे और फावड़े की मदद से मुरम में धंसीं दोनों महिलाओं को बाहर निकाला। इस घटना का वीडियो भी वायरल हुआ है। गंगेव पुलिस चौकी ने डंपर मालिक समेत मारपीट करने वाले अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लीया है। दोनों ही महिलाओं का इलाज करवाया गया है, जिसके बाद हालत ठीक होना बताया है।

मासूम बना रहा रील, पैर फिसला और तड़पने लगा, दोस्त समझे ऐक्टिंग

मुरैना। आजकल रील बनाने का शौक लोगों के सिर चढ़ कर बोल रहा है। लोग इसे बनाने के लिए जोखिम तक उठाते हैं। इस शौक में बड़े ही नहीं बच्चे भी शामिल है। वह भी कम नहीं हैं। यह शौक कई जाने भी ले चुका है। वहीं एक मामला मध्यप्रदेश के मुरैना इलाके का सामने आया है। जहां एक मासूम की रील बनाते समय दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक 7वीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र का हैरान करने वाला वीडियो ने लोगों का दिल दहला दिया है। रील में छात्र के गले में फंदा नजर आ रहा है और मासूम तड़पता नजर दिख रहा है। बताया जा रहा है कि छात्र गले में फंदा डालकर रील बना रहा था। इसी दौरान उसकी मौत हो गई। 11 साल के मासूम का नाम करण परमार था। बताया जा जा रह है कि शनिवार शाम को वह लेन रोड पर खाली पड़े प्लाट पर अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान रील बनाने के प्रयास में उसकी जान चली गई। हैरानी की बात तो यह है कि इस दौरान उसके आसपास कई बच्चे भी खेल रहे थे। उन्होंने उसे तड़पते हुए भी देखा लेकिन उन्हें लगा कि वह रील बनाने के लिए ऐक्टिंग कर रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि प्लाट पर शीशम के पेड़ पर फंदा लगा है। मासूम गले में फंदा लगाकर तड़पने की एक्टिंग करता दिख रहा है। जबकि कोई बच्चा उसका वीडियो बना रहा है। इसी दौरान करण का दम घुटने लगता है। वह सही में तड़पने लगता है, लेकिन वीडियो बनाने वाले और वहां खेल रहे बच्चों को लगता है कि वह एक्टिंग ही कर रहा है। देखते ही देखते करन बेसुध हो जाता है। यह देखकर बच्चे उसके पास जाते हैं। उन्होंने देखा कोई हलचल नहीं हो रही है जिसके बाद बच्चे डर के मारे वहां से भाग जाते हैं। वीडियो बनाने वाला बच्चा भी मोबाइल छोड़कर भाग जाता है। बताया जा रहा है कि वह घर की नींव के ऊपर उठाई गई दीवार पर खड़ा होकर गले में फंदा डालकर वीडियो बनवा रहा था। तभी उसका पैर फिसलने से रस्सी खींच गई, जिससे बच्चे का दम घुट गया और उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी लगते ही करण के परिजन मौके पर पहुंचे। वह उसे फंदे से उतारकर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हादसे को दावत : बाइक निकलते ही थरथराने लगता है बिहार का पुल

मुजफ्फरपुर(ईएमएस)। देश में सबसे ज्यादा पुल गिरने के मामले में बिहार नंबर वन है। यहां कब कौन सा पुल गिर पड़े कोई नहीं जानता। मजे की बात ये है कि यहां जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई भी नहीं होती। लोग मजाकिया अंदाज में कहने लगे हैं कि जब बागड़ ही खेत खा रही हो तो चरवाह को दोष नहीं होता। मुजफ्फरपुर जिले के मनियारी इलाके के शाहपुर मरिचा के इस अनोखे लोहे के पुल में बताने जा रहे हैं, जो सिर्फ लोहे के दो खम्भे के सहारे टिका हुआ है। पुल काफी जर्जर हो चुका है। लेकिन, ना तो जिला प्रशासन और न ही सरकार इसकी सुध ले रही है। दरअसल मनियारी इलाके के शाहपुर मरिचा गांव में कुढ़नी से जोड़ने वाली प्रमुख सड़क पर बनी ये लोहे की पुल बेहद पुरानी है और जर्जर हो चुकी है। नून नदी से जुड़े नहर पर बने इस पुल से अगर एक बाइक भी गुजरती है तो पुल हिलने लगता है। ऐसे में पुल पार करने पर इसके टूटने का खतरा हमेशा बरकरार रहता है और लोग डरे रहते हैं। स्थानीय लोगों की माने तो ये पुल करीब 35 साल पुराना है और जिस सड़क पर यह पुल बना है। वो बेहद चालू है। स्थानीय ने कहा कि जब चुनाव आता है तो कई बार मंत्री विधायक इधर से आते जाते हैं। हमलोगों ने पुल के पुन: निर्माण की बात कही। लेकिन, आज तक मरम्मत भी नहीं हो सका है। अगर गलती से कोई बड़ी गाड़ी इस पुल से गुजर जाए तो यह कब गिर जाए ये कहा नहीं जा सकता है। छोटे वाहन के गुजरते ही पुल हिलने लगता है। लोग कितनी बार शिकायत किए हैं लेकिन, इसको लेकर अब तक कोई काम नहीं किया गया। वहीं स्थानीय व्यक्ति जितेंद्र कुमार और शशिरंजन ने बताया कि हमलोग भी इस पुल का इस्तेमाल करते हैं।

सर्वदलीय बैठक के दौरान मुद्दों को सोशल मीडिया पर साझा करने के लिए भाजपा ने जयराम रमेश की आलोचना की

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सर्वदलीय बैठक के दौरान विभिन्न दलों द्वारा उठाए गए कुछ मुद्दों को उसी वक्त सोशल मीडिया मंच पर साझा करने के लिए रविवार को कांग्रेस नेता जयराम रमेश की आलोचना की और कहा कि विपक्षी पार्टी को अगली बार ऐसी बैठक में किसी अधिक अनुभवी नेता को भेजने पर विचार करना चाहिए। बैठक में शामिल रमेश ने दावा किया था कि संसद सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में जनता दल (यूनाइटेड) और वाईएसआर कांग्रेस ने क्रमश- बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की लेकिन अजीब बात यह रही कि तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) इस मामले पर चुप रही।

रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आज सदन के नेताओं की सर्वदलीय बैठक में जद (यू) नेता ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की। वाईएसआर कांग्रेस नेता ने आंध्र प्रदेश के लिए विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की। अजीब बात रही कि तेदेपा नेता इस मामले पर चुप रहे। रमेश की सोशल मीडिया पर यह पोस्ट तब आई जब बैठक चल ही रही थी। भाजपा के सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि इन सर्वदलीय बैठकों से जुड़े लोगों का एक खास औचित्य और प्रोटोकॉल होता है। उन्होंने कहा, मीडिया ब्रीफिंग के बाद विचारों का स्वतंत्र और स्पष्ट आदान-प्रदान होता है। लेकिन जयराम रमेश की टाइमलाइन पर एक नजर डालें तो ऐसा लगता है कि वह कार्यवाही को लाइव पोस्ट कर रहे थे।

मालवीय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अगली बार, कांग्रेस को इन बैठकों के लिए किसी अधिक अनुभवी नेता को भेजने पर विचार करना चाहिए। रमेश के पोस्ट का एक राजनीतिक मकसद यह था कि बैठक में शामिल सरकार के दो सहयोगी दलों की मांगों को सामने लाया जाए और सरकार को घेरा जाए। जद (यू) और तेदेपा भाजपा की सहयोगी हैं और दोनों अपने राज्यों के लिए विशेष दर्जे की मांग लंबे समय से करती रही हैं। यह ऐसा मुद्दा है जो केंद्र सरकार के लिए भी मुश्किलें पैदा कर सकता है। अधिकारियों का कहना है कि सरकार द्वारा वित्त आयोग की स्वीकार की गई सिफारिश विशेष दर्जे की संभावना को खारिज करती है। कांग्रेस नेता ने भाजपा की एक अन्य सहयोगी पार्टी तेदेपा पर भी निशाना साधा और कहा कि एक तरफ बैठक में जहां वाईएसआर कांग्रेस ने विशेष दर्जे की मांग उठाई वहीं आंध्र प्रदेश की सत्तारूढ़ तेदेपा ने इस मुद्दे पर चुप्पी साध ली।

दुकानदार का नाम लिखने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, आज सुनवाई

नई दिल्ली। कांवड़ यात्रा के दौरान मार्ग की दुकानों पर मालिकों, कर्मचारियों के नाम और मोबाइल नंबर लिखे जाने वाले आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है। एसोशिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स नाम के एनजीओ ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर यूपी सरकार के आदेश को रद्द करने की मांग अदालत से की है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में शनिवार 20 जुलाई को सुबह 6 बजे ऑन लाइन याचिका दायर की गई थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री ने उसी दिन मामले को सुनवाई के लिए लिस्ट कर दिया है। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में सोमवार 22 जुलाई को जस्टिस ऋषिकेश रॉय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच कर सकेगी। यहां बतलाते चलें कि मुजफ्फरनगर जिले में 240 किलोमीटर लंबे कांवड़ यात्रा मार्ग के दोनों ओर बनीं सभी होटलों, ढाबों और ठेलों सहित रेस्त्रां को अपने मालिकों या इन दुकानों पर काम करने वाले कर्मचारियों के नाम लगाने का आदेश दिया गया था। इस पर विवाद भी हुआ, लेकिन इसके कुछ दिन बाद ही शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार ने पूरे राज्य के लिए ऐसा ही आदेश जारी कर दिया। अब अन्य राज्यों में भी इसका असर देखने को मिल रहा है, जिसे लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरबाजा खटखटाया गया है।

ढाबों पर नेमप्लेट के बहाने सियासत गर्माई, भाजपा ने ओवैसी को बताया जिन्ना

कोलकाता (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा मार्ग पर पड़ने वाली दुकानों में नेमप्लेट लगाने का फैसला राज्य सरकार ने किया है। इस फैसले का जमकर विरोध हो रहा है। कोई भेदभावपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगा रहा है तो कोई देश के सद्भाव को खतरा बता रहा है। कुल मिलाकर आपसी टकराव की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है। इसके बाद भी विपक्षी दल और मुस्लिम संगठन इसे भेदभावपूर्ण बता रहे हैं। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा यह भारत में मुस्लिमों के खिलाफ घृणा को दिखाता है। ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, उत्तर प्रदेश के कांवड़ रूट में डर का माहौल है। यह भारतीय मुसलमानों के प्रति घृणा की असलियत है। इस तरह का माहौल बनाने की जिम्मेदारी राजनीतिक दलों की है। इस काम में तथाकथित सेक्युलर पार्टियां भी शामिल हैं। ओवैसी ने एक अंडे की रेहड़ी की तस्वीर भी शेयर की। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी चीफ सुकांता मजूमदार ने कहा कि विपक्ष लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि इसी तरह का नोटिफिकेशन समाजवादी पार्टी की सरकार में भी जारी किया गया था। उन्होंने कहा, ओवैसी पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की भूमिका निभा रहे हैं।

मजूमदार ने कहा, विपक्ष झूठ बोलकर लोगों को गुमराह कर रहा है। इसी तरह का नोटिफिकेशन मुलायम सिंह यादव की सरकार में भी जारी किया गया था। अखिलेश यादव की सरकार ने भी इस तरह के नियम बनाए थे। यह एक रूटीन काम है। कानून के मुताबिक जिसके नाम पर रजिस्ट्रेशन है उसका नाम जरूरी है। जो हिंदू नॉन वेज खाते हैं वे मुस्लिमों की दुकानों पर जाते हैं। पश्चिम बंगाल में हम ऐसी बहुत सारी दुकानों पर जाते हैं जिनके मालिक मुसलमान हैं। विपक्ष लोगों को बांटने की कोशिश कर रहा है और असदुद्दीन ओवैसी जिन्ना की भूमिका निभा रहे हैं। पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने कहा कि अब बीजेपी का अगला टारगेट दलित होने वाले हैं। उन्होंने कहा, पहले बीजेपी ने मुस्लिमों के अधिकारों के साथ छेड़छाड़ की। इसके बाद वे दलितों और पिछड़ों पर हमला करेंगे क्योंकि वे एक अलग सिस्टम बनाना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश में किया गया फैसला संविधान के खिलाफ है। यूपी सरकार के इस फैसले को लेकर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने भी हमला बोलो और कहा कि बीजेपी को इससे कोई फायदा नहीं होगा। ये लोग केवल देश को तोड़ने में लगे हैं।वहीं राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि इस तरह के अजेंडे केवल देश को बांटने का काम करेंगे। उन्होंने कहा, यूपी में कांवड़ यात्रा रूट पर रेहड़ी वालों को भी मालिक के नाम की नेमप्लेट लगानी होगी। क्या यही विकसित भारत का रास्ता है? इस तरह के अजेंडे से देश बंटेगा। जमायत उलेमा ए हिंद चीफ मौलाना अर्शद मदनी ने कहा कि यह सांप्रदायिक फैसला है और इससे देश विरोधी तत्वों को मौका मिल जाएगा।

सीएम फेस बिना ही चुनाव मैदान में उतरेगा महायुति गठबंधन

-सीट बंटवारे को लेकर खींचतान, शिंदे खेमा भी नाराज

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन बिना मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किए ही मैदान में उतरेगा। बिजेपी के वरिष्ठ पदाधिकारी की मानें तोभाजपा कुल 288 विधानसभा सीटों में से कम से कम 160 सीटों पर दावा पेश करने जा रही है। मुख्यमंत्री और सीटों के बंटवारे को लेकर भाजपा ने एक तरह से शिवसेना और एनसीपी खेमे को नाराज करने का काम किया है।

वैसे बिजेपी पदाधिकारी तो यही कह रहे हैं कि पार्टी ने काफी सोच-विचार के बाद यह फैसला लिया है। इसके चलते ही महायुति के किसी भी नेता एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस या अजित पवार मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतारे नहीं जाएंगे। विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद मुख्यमंत्री का फैसला लिया जाएगा। दरअसल हाल ही में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा ने किसी भी नेता को बतौर मुख्यमंत्री उम्मीदवार मैदान में नहीं उतारा और परिणाम बेहतर देखने को मिले हैं। अब महाराष्ट्र में भी यही प्रक्रिया अपनाई जाएगी। यहां कहा जा रहा है कि सीट बंटवारे का फॉर्मूला जो भी हो, लेकिन भाजपा कम से कम 160 सीटों पर दावा करेगी। भाजपा पदाधिकारी इस पर कम से कम 100 से ज्यादा सीटें जीतने का दावा कर रहे हैं। अब चूंकि भाजपा पहले ही कह चुकी है कि यदि वह सबसे ज्यादा सीटें जीतती है तो उसका उम्मीदवार सीएम पद पर दावेदार होगा, वहीं दूसरी तरफ शिवसेना का कहना था कि चूंकि शिवसेना में विद्रोह के बाद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में महायुति सरकार बनी थी, इसलिए शिवसेना चाहे जितनी भी सीटें जीत ले, शिंदे ही मुख्यमंत्री के दावेदार होंगे। वहीं एनसीपी नेता का कहना है कि उनकी पार्टी 100 सीटों की दावेदारी करेगी और शिवसेना भी बराबर सीटों की मांग करेगी। ऐसे में सीट बंटवारे को लेकर समझौता होना मुश्किल ही लगता है, हॉ यदि 80-80 सीटों पर समझौता किया जाए तो कुछ हल निकल सकता है। वैसे इन सब का अंतिम फैसला केंद्रीय नेतृत्व को करना है, जो कि दिल्ली में आयोजित होने वाली बैठक में किया जा सकता है।

बंदूकबाज पूजा की मां बोली- जेल में समय पर खाना तक नसीब नहीं होता और कमरे में सीड़न की वजह से नींद नहीं आती

पुण (एजेंसी)। लक्सीरियस लाइफ स्टाइल में रहने वाली प्रशिक्षु आईएएस पूजा की मां मनोरमा खेडकर की हेकड़ी उतरने लगी है। खेत पर जाकर किसानों को बंदूक की नोक पर हड़काने वाली मनोरमा अब जेल में हैं और उन्हे एक छोटे से कमरे में रखा गया है। मनोरमा ने अदालत को बताया कि न तो समय पर भोजन मिलता है और न ही नींद पूरी होती है। कमरे में सीड़न की बदबू आती है। कोर्ट में बोलते हुए मनोरमा खेडकर ने जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, मुझे जेल में समय पर चाय और खाना नहीं दिया जाता। सुबह की चाय 9 बजे और रात का खाना देर रात डेढ़ बजे दिया जाता है। वहीं, मुझे सोने के लिए जो कमरा दिया गया था वह भी गीला है। इस बीच पुलिस ने मांग की थी कि मनोरमा खेडकर की हिरासत बढ़ाई जाए क्योंकि मनोरमा खेडकर मामले में अभी और जांच की जानी है। इसी सिलसिले में कल यानी शनिवार को मनोरमा खेडकर को कोर्ट ले जाया गया, इस बार उन्होंने कोर्ट को बताया कि कैसे जेल में उनके साथ नाइंसाफी हो रही है। मनोरमा खेडकर की 2 दिन की और पुलिस हिरासत मांगी गई। पुलिस का कहना है कि वह इस बात की जांच करना चाहती है कि जिस जगह पर वारदात हुई, वहां कंटेनर का मालिक कौन था। साथ ही पुलिस का आरोप है कि इस मामले में गिरफ्तार मनोरमा खेडकर और दो अन्य आरोपी जांच में किसी भी तरह से सहयोग नहीं कर रहे हैं। इन मामलों में जान से मारने की कोशिश की धारा 307 लागू नहीं होती। इसलिए आरोपी के वकील ने दलील दी कि पुलिस हिरासत नहीं बढ़ाई जानी चाहिए। इसी बीच कोर्ट ने इस पर फैसला सुनाया है। मनोरमा खेडकर की पुलिस हिरासत दो दिन बढ़ा दी गई है। मनोरमा के आरोपों से जुड़े सीसीटीवी फुटेज की जांच अगली सुनवाई में की जाएगी।

मच्छरों की वजह से सालाना 7 लाख 25 हजार लोगों की मौत

-इंसानों के लिए है यह सबसे खतरनाक जीव

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंसानों के लिए सबसे खतरनाक जीव की बात की जाए, तो उसका नाम जानकर आपको हैरानी होगी। कुछ महीने पहले ही खतरनाक जीवों की एक लिस्ट जारी की थी। इस लिस्ट में बाघ तो टॉप 10 में भी जगह बनाने से चूक गया। वहीं, शेर, चीता, सांप, बिच्छू ये भी इंसानों की जान लेने में पिछड़ गए।

बता दें कि ये एक छोटा सा जीव है, जो हमारे घरों में भी पाया जाता है। इस जीव का नाम मच्छर है, जो न सिर्फ हमारा खून चूसकर खुद जिंदा रहता है, बल्कि वो ऐसा करके हमें मार डालता है। जानकारी के मुताबिक, मच्छरों की वजह से हर साल 7 लाख 25 हजार से ज्यादा लोग दुनियाभर में मारे जाते हैं। इन मच्छरों की वजह से डेंगू से लेकर मलेरिया जैसे रोग होते हैं। अगर सही समय पर इसका इलाज न किया जाए तो ये धीरे-धीरे इंसान को मौत की आगोश में खींच लेते हैं। ऐसे में मच्छर को कम आंकने की गलती बिल्कुल नहीं करना चाहिए। हमें इससे सावधान रहने की जरूरत है। मौत के आंकड़ों के मुताबिक, ये इंसानों के लिए सबसे खतरनाक माना जाता है।वहीं, मच्छरों के बाद अगर कोई दूसरा जीव इंसानों के लिए खतरनाक है तो वह कोई और नहीं, इंसान खुद है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, दुनियाभर में इंसान सालाना लगभग 4 लाख लोगों को मौत के घाट उतार देता है। यह सिर्फ सामान्य अपराधों का मामला है। इसमें जंग और अन्य अपराध से जुड़ी हत्याएं शामिल नहीं हैं। वहीं, तीसरे नंबर पर कोबरा-करैत, ताइपन जैसे सांप हैं, जिससे 1 लाख 38 हजार लोग हर साल मरते हैं। वहीं, चौथे नंबर पर कुत्ते हैं। जी हां, हम इसे अपने घरों में पालते हैं, लेकिन ये इंसानों का हत्यारा भी है। रिपोर्ट के मुताबिक, 60 हजार लोग दुनियाभर में कुत्तों की वजह से अपनी जान गंवाते हैं, जबकि पांचवें नंबर पर असैसिन बग नाम का एक कीड़ा है, जो हर साल 10 हजार से ज्यादा लोगों की जान लेता है। यह लोगों का खून चूसता है, जिससे एक खतरनाक बीमारी हो जाती है। इंसानों के लिए सबसे खतरनाक जीवों की लिस्ट में बिच्छू छठवें पायदान पर है, जिसकी वजह से हर साल 35 सौ लोग मारे जाते हैं। सातवें नंबर पर मगरमच्छ, आठवें नंबर पर हाथी शामिल है।

हाथी की वजह से भी हर साल सैकड़ों लोग मारे जाते हैं। वहीं, 9वें नंबर पर हिप्पो यानी दरियाई घोड़ों का नाम शामिल है। मूल रूप से अफ्रीका में पाया जाने वाला यह जीव हर साल 600 लोगों की जान ले लेता है। 10वें नंबर पर जंगल का राजा शेर है। चीता से लेकर बाघ तक टॉप 10 में शामिल नहीं हैं। मालूम हो कि दुनियाभर में एक से बढ़कर एक खतरनाक जीव हैं, जो पलभर में किसी को भी मौत के घाट उतार सकते हैं। शेर से लेकर चीता तक, सांप से लेकर बिच्छू तक। ये वैसे जीव हैं, जो अपने पंजे से किसी को शिकार बना लेते हैं, तो कोई अपने जहर से मौत की नींद सुला सकता है।

गोंडा ट्रेन हादसा: जांच टीम ने पटरी ठीक से कसी नहीं होने को माना हादसे का कारण

-41 रेल कर्मियों को किया तलब, बयान के बाद गिर सकती है गाज

गोंडा (एजेंसी)। यूपी के गोंडा जिले में गुरुवार को चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही ट्रेन के 12 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। इस घटना में चार लोगों की मौत हुई थी और कई घायल हो गए थे। इस हादसे की जांच कर रही टीम ने अपनी जांच पूरी कर ली है। टीम ने इस हादसे का कारण लापरवाही बताया है। उन्होने पटरी ठीक से कसी नहीं होने को जिम्मेदार माना है।

जानकारी के मुताबिक जांच कर टीम के एक सदस्य इस दावे से सहमत नहीं हैं। उत्तर पूर्व रेलवे जोन के मुख्य जन संचार अधिकारी ने कहा कि संयुक्त जांच रिपोर्ट के आधार पर निष्कर्ष तक पहुंचना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त की ओर से जांच पहले ही शुरू हो चुकी है और इसकी सुनवाई भी हो चुकी है। यह तकनीकी विशिष्टताओं और सूक्ष्म विवरणों के साथ दुर्घटना के हर पहलू का विवरण देगी। जांच में कई महत्वपूर्ण चीजें सामने आई है।

जांच रिपोर्ट में बताया गया कि जांच टीम लखनऊ डिवीजन, जिसके अंतर्गत यह सेक्शन आता है, के वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (एसएसई) ने दोपहर 1:30 बजे आईएमआर दोष का पता लगाया और चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस ने 2:28 बजे मोतीगंज स्टेशन को पार किया। इसमें कहा गया कि दोपहर 2:30 बजे मोतीगंज स्टेशन मास्टर को खराब स्थान से ट्रेनों को पार करने के लिए गति नियंत्रित करने को कहा गया था। उसके मुताबिक खराब स्थान से 30 किमी प्रति घंटे की गति से ही ट्रेन को पार कराया जाना था।

रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रेन दोपहर 2:31 बजे बेपटरी हुई, जब इंजन खराब जगह से गुजरा। वहीं, रेल कर्मचारी ट्रैक को गिट्टी व मिट्टी डालकर नमी के स्थानों को ढक रहे थे। जलभराव छिपाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन इसके बावजूद वहां पर नमी दिखाई दी। माना जा रहा है कि जलभराव के चलते ही ट्रैक कमजोर हुआ और बड़ी दुर्घटना हो गई। इस मामले में गोंडा, डिब्रूगढ़ व गुवाहाटी के 41 रेल अधिकारी व कर्मचारी रविवार को डीआरएम दफ्तर लखनऊ में तलब किए गए हैं। माना जा रहा है कि बयान दर्ज होने के बाद कई लोगों पर गाज गिर सकती है।

एक घंटा पहले पता चल गई थी ट्रैक की गड़बड़ी

गोंडा जिले में चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने की वजह सामने आ गई है. हादसे की जांच रिपोर्ट में रेलवे के इंजीनियरिंग सेक्शन की लापरवाही के चलते डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन के बेपटरी होने की बात कही गई है। इसमें कहा गया है कि जिस जगह पर ट्रेन बेपटरी हुई, वहां ट्रैक में चार दिन से गर्मी में पटरी में फैलाव होना हो रहा था। डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले झिलाही के कीमैन का काम देख रहे रेलवे कर्मी ने जूनियर इंजीनियर को फोन पर रेल ट्रैक कमजोर होने की बात बताई थी। सेक्शन अधिकारियों ने ट्रैक पर सावधानी बरतने के लिए कोई संदेश नहीं लगाया, जिससे अपनी फुल स्पीड में चल रही डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस हादसाग्रस्त हो गई। रेलवे द्वारा गठित जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में लखनऊ रेलवे डिवीजन के अंतर्गत आने वाले झिलाही सेक्शन के इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट को इस हादसे के लिए जिम्मेदार ठहराया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रेल ट्रैक की बंधाई ठीक नहीं थी। मतलब गर्मी के कारण फैलने से ट्रैक ढीला हो गया था और उसे ठीक से कसा नहीं गया था।

यमन में किया पहला एयर स्ट्राइक, आग का गोला बने ठिकाने

होदेदा, यमन। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने तेल अवीव में घातक ड्रोन हमला किया। इसके जवाब में इजरायली लड़ाकू विमानों ने हूती के कब्जे वाले यमनी बंदरगाह होदेदा में हमला किया। इसमें हमले में वहां के तेल भंडार में आग लग गई और तीन लोगों की मौत हो गई। यमन के इस बड़े बंदरगाह पर किए गए हमलों से भयंकर आग लग गई और काले धुएं का गुबार उठने लगा। अरब प्रायद्वीप के सबसे गरीब देश में इजरायल द्वारा किया गया यह पहला हमला है, जो उससे लगभग 2,000 किलोमीटर (1,300 मील) दूर है।इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा कि 'इजरायली नागरिकों के खून की कीमत होती है, जो कि चुकानी पड़ती है।' उन्होंने कहा कि 'अगर हूती हम पर हमला करने की हिम्मत करते हैं, तो उनके खिलाफ और भी अभियान चलाए जाएंगे।' गैलेंट ने कहा कि होदेदा हमले मध्य पूर्व के आसपास के अन्य ईरान समर्थित हथियारबंद समूहों के लिए भी एक चेतावनी है, जिन्होंने गाजा युद्ध के दौरान इजरायल पर हमले करने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि 'होदेदा में जो आग अभी जल रही है, वह पूरे मध्य पूर्व में देखी जा रही है और इसका महत्व साफ है।'जबकि हूती विद्रोहियों द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने हूती मीडिया में दिए गए एक बयान में कहा कि इजरायली हमलों में तीन लोग मारे गए और 87 घायल हो गए। मंत्रालय ने पहले कहा था कि घायलों में से अधिकांश गंभीर रूप से जल गए थे। वहीं इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक टेलीविजन संबोधन में चेतावनी दोहराई। उन्होंने कहा कि 'जो कोई भी हमें नुकसान पहुंचाएगा, उसे अपने हमले की बहुत भारी कीमत चुकानी होगी।

अफ़ग़ानिस्तान के लोहा बाजार में विस्फोट, दो की मौत, छह घायल

काबुल। पूर्वी अफगानिस्तान के परवान प्रांत में एक विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और छह घायल हो गए। बताया जा रहा है यह विस्फोट एक बाजार में हुआ। पुलिस ने घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया और मामले की जांच में जुट गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रांतीय पुलिस के प्रवक्ता फजल रीम मस्किन यार ने बताया कि यह घटना शनिवार दोपहर को परवान की प्रांतीय राजधानी चरिकर शहर के एक लोहा बाजार में हुई। घटना की जांच की जा रही है और संभावित परिणाम जनता के सामने लाए जाएंगे। अफगानिस्तान दुनिया के सबसे ज्यादा बारूदी सुरंग-दूषित देशों में से एक है, जहां पिछले चार दशकों के युद्धों के बाद बचे हुए गैर-विस्फोटक आयुध और बारूदी सुरंगें बड़ी संख्या में लोगों की जान ले लेती हैं, जिनमें ज्यादातर बच्चे या महिलाएं होती हैं।

बोलीविया में मालवाहक ट्रक बस से टकराया, 16 की मौत, 14 घायल

ला पाज़ा। बोलीविया को चिली से जोड़ने वाले अंतरराष्ट्रीय राजमार्ग पर एक सड़क दुर्घटना में 16 लोगों की मौत हो गई और 14 गंभीर रुप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उनका इलाज किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ला पाज़ यातायात परिचालन संगठन के दुर्घटना प्रभाग के निदेशक निलो टोरिको ने कहा कि बोलीविया लौट रहा एक मालवाहक ट्रक चिली के अरिका क्षेत्र की ओर जा रही यात्री बस से टकरा गया। यह घटना इतनी जोरदार थी कि उसकी आवाज काफी दूर तक सुनाई दी। इस हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। घायलों में सात महिलाओं और सात पुरुषों हैं जिन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि मालवाहक वाहन का चालक विपरीत लेन में चला गया और बस से टकरा गया। घटना में दोनों वाहन चालकों की मौत हो गई। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

नदी में बही दो बसों और यात्रियों की तलाश करने नेपाल ने मांगी भारत से मदद

काठमांडु। नेपाल में पिछले सप्ताह बारिश के चलते उफनती नदी के बहाव में दो बस लापता हो गई थी। इस हादसे में लापता हुए कई यात्रियों और दो बसों की तलाश के लिए भारत से बचाव कर्मियों का 12 सदस्यीय दल शनिवार को नेपाल पहुंचा। नेपाली अधिकारियों के अनुरोध पर यह दल चितवन पहुंचा था। नेपाल के अधिकारियों ने 12 जुलाई को भूस्खलन के बाद त्रिशूली नदी में बही बसों की तलाश के लिए भारत से मदद मांगी थी। नारायणघाट-मुग्लिन सड़क पर 65 यात्रियों को ले जा रही बसों के हादसे के शिकार होने और त्रिशूली नदी में बह जाने के बाद 19 शव बरामद किए गए हैं। तीन यात्री किसी तरह बस से बाहर निकलने में सफल हो गए थे और तैरकर किनारे पर पहुंच गए थे।

महिलाओं को फोन कर बुलाता फिर कर देता बेरहमी से हत्या, अब तक 42 की हत्या की

नैरोबी। केन्या की राजधानी नैरोबी में सीरियल किलर के घर से अजीबो गरीब चीजें बरामद हुई हैं। वहीं सीरियल किलर ने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया है जो सुनने के बाद होश उड़ जाएंगे ओर डर लगने लगेगा है। पुलिस के मुताबिक कॉलिन्स जुमैसी खालुशा को लोग पिशाच कहते हैं। 33 साल के इस आरोपी ने अब तक कम से कम 42 महिलाओं की बेरहमी से हत्या की है जिसमें उसकी पत्नी भी शामिल है। वह हत्या के बाद महिलाओं के शव की दुर्दशा कर देता था और फिर उसे नाइलॉन की बोरी में पैककर देता था। आरोपी पुलिस थाने के पास स्लम क्षेत्र में इन लाशों को फेंक देता था। तलाशी के दौरान उसके घर से बांका, रबर के दस्ताने, सेलोटेप और लाइलॉन की बोरी मिली है। केन्या में इस समय लिंग आधारित हिंसा और राजनीतिक उथल-पुथल जारी है। ऐसे में विपक्षी दलों का कहना है कि सरकार प्रमुख मुद्दों से ध्यान भटकाने इस तरह के मामले को तूल दे रही है। नैरोबी के एक स्लम में जब नौ कंकाल मिले तब छानबीन शुरू हुई। यहां स्थानीय लोग कूड़ा फेंकते थे। उसमें खालुशा शवों को फेंक जाता था। इसके बाद पास ही रहने वाले खालुशा ने माना कि वह महिलाओं को लालच देता है और फिर उनकी हत्या कर फेंक देता था। खालुशा ने 2022 से अब तक 42 महिलाओं की हत्या की जिसमें उसकी पत्नी भी शामिल है। खालुशा के घर से पुलिस को कई सारे मोबाइल फोन, आई कार्ड, नाइलॉन के बोरे मिले हैं। खालुशा की शिकार हुई महिलाओं में 26 साल की जोसेफीन ओविनो भी थीं। एक दिन उन्हें एक फोन आया और इसके बाद वह लापता हो गईं। उनकी बहन पेरिस केया ने उनको ढूंढना शुरू किया और फिर पता चला कि कूड़े के ढेर पर उनका शव मिला था। फॉरेंसिक जांच में पता चला कि कूड़े में ज्यादातर शवों के धड़ मौजूद थे लेकिन सिर गायब थे। केवल एक का पूरा शव मिला था। किसी भी शव पर गोलियों के निशान नहीं थे। एक का गला दबाकर मारा। लोगों का कहना है कि इतने दिनों में पुलिस एक भी लापता महिला की तलाश नहीं कर पाई और ना ही सीरियल किलर के बारे में पता लगा पाई। वहीं जहां शव फेंके जाते थे वह जगह पुलिस स्टेशन के पास ही है। खालुशा के वकील ने कोर्ट में कहा कि उसकी मानसिक स्थिति और स्वास्थ्य पर गौर करना चाहिए।

खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तान सेना का विरोध, सड़कों पर उतरे लोग, आर्मी गो बैक के लगा रहे नारे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सीमावर्ती प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में सेना के खिलाफ लोगों ने बगावत कर दी है। 10 हजार से ज्यादा पश्तून लोग सड़कों पर उतर आए हैं। प्रदर्शनकारी आर्मी गो बैक के नारे लगा रहे हैं। लोगों का कहना है कि सेना ने इलाके में आतंक मचा रखा है। इससे क्षेत्र में अशांति है और इसी वजह से आतंकी हमले हो रहे हैं। खैबर इलाके में चलाए जा रहे मिलिट्री ऑपरेशन को पश्तून बंद करने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी नेता जमालुद्दीन वजीर ने कहा है कि इलाके में 20 साल से आतंकवाद खत्म करने की मुहिम के नाम पर पाकिस्तानी सेना लोगों पर जुल्म कर रही है। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तानी सेना पर आरोप लगाया है कि वे आतंकवाद के नाम पर आम लोगों को परेशान कर रही है। बता दें कि शुक्रवार को आंदोलनकारियों के आर्मी कैंप घेरने पर सेना ने गोलीबारी की। इससे अब तक साता प्रदर्शनकारी की मौत हो चुकी है। वहीं, 30 घायल हैं। अब आतंकी आत्मघाती हमलों के अलावा रिमोट कंट्रोल और ड्रोन से भी हमले कर रहे हैं। साल के शुरुआती 4 महीनों में 179 आतंकी घटनाएं हो चुकी हैं। ज्यादातर सेना और पुलिसवालों को टारगेट बनाया गया है। स्थानीय सरकार ने हेल्थ इमरजेंसी लगा दी। सभी सरकारी और गैर सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों और पैरामेडिक्स सहित सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों को हाई अलर्ट पर रहने को कहा है।

गाजा में एक इमारत पर इजरायली हवाई हमले के बाद जबरदस्त धमाका हुआ।

तेल ठिकानों पर की बमबारी, कई की मौत

यरूशलेम। इजरायल की सेना ने कहा है कि उसने यमन में हौथी मिलिशिया से जुड़े ठिकानों पर बमबारी की है। एक दिन पहले ही हौथी सैन्य समूह ने इजरायल के तेल अवीव में ड्रोन से हमला कर एक व्यक्ति को मार डाला था। यमनी हौथी सैन्य समूह ने दावा किया है कि इजरायली हमले में यमन के लाल सागर बंदरगाह शहर होदेदाह में तेल भंडार और बिजली सुविधाओं को निशाना बनाया गया, और कई लोग मारे गए या घायल हुए हैं। हौथी समूह के अल-मसीरा टीवी ने शनिवार को ये जानकारी दी। इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि उसके लड़ाकू विमानों ने हौथी मिलिशिया के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने एक रिपोर्ट में कहा है कि हाल के महीनों में इजरायल के खिलाफ किए गए कई हमलों के जवाब में यह हमला किया गया। इससे पहले हौथी के शीर्ष वार्ताकार मोहम्मद अब्दुलसलाम ने कहा था इजरायली हमले हौथी सैन्य समूह को इजरायली शहरों और जहाजों को निशाना बनाने से नहीं रोक पाएंगे। हौथियों ने कहा है कि तेल अवीव में शुक्रवार को किया गया ड्रोन हमला गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों के समर्थन में किया गया था। इससे पहले, हौथियों ने गाजा के साथ एकजुटता दिखाने के लिए नवंबर 2023 से लाल सागर और अदन की खाड़ी में इजरायल से जुड़े जहाजों पर कई हमले किये हैं। जवाब में, अमेरिकी-ब्रिटिश नौसैनिक गठबंधन ने समूह को रोकने के लिए हौथी ठिकानों पर हमला किया, लेकिन इससे हौथी के हमले में कोई कमी नहीं आई। होदेदाह 2014 से हौथी समूह के नियंत्रण में है, जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को दक्षिणी और पूर्वी प्रांतों से बाहर कर दिया है। होदेदाह में स्थानीय लोगों ने कहा कि घटनास्थल पर काले धुएं मीलों दूर से देखे जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने लाल सागर के पास के क्षेत्र की घेराबंदी कर दी, जिसके बाद दमकल गाड़ियां और एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंच गईं।

133 मौत और 3000 से ज्यादा लोगों के घायल होने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने विवादित कोटा सिस्टम में किया बड़ा बदलाव

-बांग्लादेश में अब 93 प्रतिशत सरकारी नौकरियां मेरिट पर

ढाका (एजेंसी)। हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच 133 लोगों की मौत और 3000 से ज्यादा लोगों के घायल होने के बाद बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को सरकारी नौकरियों में कोटा सिस्टम बरकरार रखने के हाई कोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया। हालांकि, शीर्ष अदालत ने आरक्षण की इस व्यवस्था को पूरी तरह से खत्म नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट ने कोटा सिस्टम को बरकरार रखने के हाई कोर्ट के आदेश को अवैध माना है। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में सरकारी नौकरियों में 93 फीसदी पद मेरिट के आधार पर भरने का आदेश दिया, वहीं 1971 मुक्ति संग्राम के स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों और अन्य श्रेणियों के लिए सिर्फ 7 प्रतिशत पद आरक्षित रखने को कहा।

बांग्लादेश में अब चले आ रहे कोटा सिस्टम के तहत 56 प्रतिशत सरकारी नौकरियां आरक्षित थीं। इनमें से 30 प्रतिशत 1971 मुक्ति संग्रामके सेनानियों के वंशजों के लिए, 10 प्रतिशत पिछड़े प्रशासनिक जिलों के लिए, 10 प्रतिशत महिलाओं के लिए, 5 प्रतिशत जातीय अल्पसंख्यक समूहों के लिए और 1 प्रतिशत विकलांग लोगों के लिए आरक्षित थीं। स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों को मिलने वाले 30 फीसदी आरक्षण के खिलाफ छात्र आंदोलनरत हैं। बता दें कि बांग्लादेश में हर साल करीब 3 हजार सरकारी नौकरियां ही निकलती हैं, जिनके लिए करीब 4 लाख कैंडिडेट अप्लाई करते हैं।

साल 2018 में इस कोटा सिस्टम के विरोध में बांग्लादेश में हिंसक छात्र आंदोलन हुआ था। शेख हसीना सरकार ने तब कोटा सिस्टम को निलंबित करने का फैसला किया था। मुक्ति संग्राम स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों ने सरकार के इस फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने पिछले महीने शेख हसीना सरकार के फैसले को रद्द कर दिया था और कोटा सिस्टम को बरकरार रखने का फैसला सुनाया था। अदालत के इस फैसले के बाद पूरे बांग्लादेश में हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। प्रदर्शनकारियों ने सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया, बसों और ट्रेनों में आगजनी की। हालात इतने बेकाबू हो गए कि हसीना सरकार को सडक़ों पर सेना उतारनी पड़ी।

इब्राहिम इस्कंदर बने मलेशिया के 17वें सुल्तान, ताजपोशी में कई देशों के सुल्तान पहुंचे

-सुल्तान के पास 47.33 लाख करोड़ की संपत्ति, बेटा भारतीय सेना में रहा कैप्टन

कुआलालंपुर (एजेंसी)। मलेशिया में 17वें किंग इस्कंदर की ताजपोशी की गई। इब्राहिम की ताजपोशी का कार्यक्रम मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर के नेशनल पैलेस में हुआ। इब्राहिम इस्कंदर पांच साल तक मलेशिया के राजा रहेंगे। 1957 में ब्रिटेन से आजादी के बाद से मलेशिया में मलय राज्य के शासक बारी-बारी से पांच साल के लिए राजगद्दी पर बैठते आए हैं।

ताजपोशी समारोह में मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम के अलावा पड़ोसी देश ब्रुनेई के सुल्तान हसनल बोलकियाह और बहरीन के राजा हमद-बिन-इसा-अल-खलीफा भी मौजूद थे। किंग इस्कंदर ने सुनहरे धागों से सजा कोट और साफा पहना था। समारोह की शुरुआत में सुल्तान इस्कंदर ने और क्वीन रजा जरिथ सोफिया का मिलिट्री सैल्यूट से स्वागत किया गया। इसके बाद सुल्तान को इस्लाम की पाक किताब कुरआन दी गई। जिसे उन्होंने चूमा और फिर इस्कंदर महाराज की ताकत का प्रतीक सोने का खंजर दिया गया। पीएम अनवर ने सुल्तान के प्रति वफादारी की कसम खाई। इसके बाद इस्कंदर को देश का नया सुल्तान का ऐलान किया गया।

ताजपोशी के बाद इब्राहिम इस्कंदर ने संविधान का पालन करने, इस्लाम को आगे बढ़ाने और मलेशिया में शांति की शपथ ली। समारोह के अंत में तीन बार लॉन्ग लिव द किंग के नारे लगाए गए।

इससे पहले 31 जनवरी को इस्कंदर को मलेशिया का नया राजा बनाया गया था। सुल्तान इस्कंदर बाइक पर पूरे देश की यात्रा करने के लिए जाने जाते हैं। इसके जरिए वे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं जानते हैं। 65 साल के इस्कंदर जोहोर के शाही परिवार से आते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इनके पास 47.33 लाख करोड़ की संपत्ति है। सुल्तान इब्राहिम इस्कंदर के सबसे बड़े बेटे और मलेशिया के क्राउन प्रिंस टुंकू इस्माइल भारतीय सेना में कैप्टन भी रह चुके हैं।

रूस से समझौते को तैयार जेलेंस्की

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को दो साल से ज्यादा का समय हो चुका है। इस युद्ध में यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने अब रूस के साथ समझौता कर युद्ध विराम की इच्छा जाहिर की है। उन्होंने इसके लिए शांति शिखर सम्मेलन में प्रतिनिधिमंडल भेजने और बातचीत करने के संबंध में इशारा किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए दबे स्वर में इच्छा जताई और कहा कि रूस को अगले शांति शिखर सम्मेलन में एक प्रतिनिधिमंडल भेजना चाहिए। बताते चलें कि अगला शांति शिखर सम्मेलन नवंबर में लिस्टेड किए जाने की उम्मीद है। जानकारों की मानें तो जेलेंस्की के रुख में बड़ा बदलाव देखने को मिला है, जिसका कारण अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में आया बदलाव भी हो सकता है। गौरतलब है कि पिछले माह स्विट्जरलैंड में आयोजित शांति सम्मेलन में रूस को आमंत्रित नहीं किया गया था, क्योंकि जेलेंस्की ने तब कहा था कि कोई भी बातचीत रूसी सेना की पूरी तरह वापसी पर ही संभव हो सकती है।

रूस की दोस्ती का बदला ले रहा अमेरिका, भारत को नहीं दे रहा तेजस के इंजन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका कोई भी फैसला बिना किसी लाभ के नहीं करता है। ऐसा ही कुछ वह भारत के साथ कर रहा है। इसका असर रक्षा संबंधों में भी देखने को मिला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका, भारत को तेजस में इस्तेमाल होने वाले जनरल इलेक्ट्रिक एफ404 इंजन देने में जानबूझ कर देरी कर रहा है। वह ऐसा इसलिए कर रहा है कि भारत रुस का बहुत अच्छा दोस्त है और हाल ही में पीएम मोदी रुस की यात्रा पर भी गई थे। वहां पीएम मोदी का जोरदार स्वागत किया गया था। इन सब बातों को लेकर वह भारत से बदलना लेना चाहता है। इंजन की डिलीवरी में देरी के कारण भारत में ही बनने वाले स्वदेशी तेजस एमके-1ए लाइन के उत्पादन में कमी आ रही है। इससे भारतीय वायुसेना स्क्वाड्रन बेड़े की ताकत को बनाए रखने में चुनौतियों का सामना कर रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय वायुसेना के रिटायर्ड अधिकारी ने कहा कि अगर अमेरिका, भारत के स्वदेशी युद्धक विमान तेजस के लिए जेट इंजन की आपूर्ति में पिछड़ता है तो अमेरिकी विश्वसनीयता दांव पर लग जाएगी और अनुबंध को खत्म भी किया जा सकता है। रिटायर्ड एयर मार्शल एम. माथेस्वरन ने कहा कि अमेरिकी एफ404 इंजन की आपूर्ति में देरी से भारतीय वायुसेना पर प्रभाव पड़ेगा क्योंकि तेजस एमके1 और तेजस एमके1ए के छह स्क्वाड्रन जल्द ही सर्विस में शामिल होने वाले हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना में पहले से ही स्क्वाड्रन की समस्या है। वर्तमान में, भारतीय वायुसेना 45 की जरुरत के मुकाबले 32 स्क्वाड्रन के साथ काम कर रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि यहां-वहां थोड़ी-बहुत देरी से कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा, लेकिन तेजस लड़ाकू विमान के अगली पीढ़ी के एमके2 संस्करण को शक्ति प्रदान करने वाले एफ414 इंजन भारत को मिलने चाहिए और यदि अमेरिकी ऐसा नहीं करता हैं, तो अनुबंध खतरे में पड़ जाएगा।

इजरायल ताकत का गलत इस्तेमाल कर रहा, जल्द अवैध कब्जों को छोड़े

-अंतरराष्ट्रीय कोर्ट ने कहा-कानूनों का उल्लंघन कर रहा है यहूदी देश

जेनेवा (एजेंसी)। गाजा में इजराइल और हमास के बीच जंग जारी है इस जंग में हजारों बेगुनाह फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं और सैकड़ों घायल हैं लेकिन फिर भी इजराइल राहत शिविरों को निशाना बनाने से बाज नहीं आ रहा है। इन सब के बीच अब अंतरराष्ट्रीय कोर्ट ने इजरायल को तगड़ा झटका दिया है। अंतरराष्ट्रीय कोर्ट ऑफ जस्टिस ने अपने फैसले में कहा है कि इजरायल का फिलिस्तीनी इलाकों पर कई दशकों से अवैध कब्जा है। इसे जल्द से जल्द खत्म किया जाना चाहिए। इजराइल ने 1967 में अरब देशों को हराने के बाद वेस्ट बैंक, पूर्वी यरुशलम और गाजा पट्टी पर कब्जा कर लिया था। कोर्ट ने ये टिप्पणी इन्हीं इलाकों को लेकर की है।

अंतरराष्ट्रीय कोर्ट ने कहा कि इजरायल अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल कर रहा है। फिलिस्तीनियों के अधिकारों को छीन लिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा इजरायल अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर रहा है। उसे इन इलाकों पर इतने सालों तक कब्जा करने के कारण फिलिस्तीनियों को मुआवजा देना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय कोर्ट के पीठासीन न्यायाधीश नवाफ सलाम ने कहा इजरायल को अपना कब्जा छोड़ देना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय कोर्ट ऑफ जस्टिस का ये फैसला एक सलाह है। इसे मानने के लिए इजरायल को मजबूर नहीं किया जा सकता। हालांकि संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीनी राजदूत रियाद मंसूर ने इस फैसले पर खुशी जताते हुए कोर्ट का शुक्रिया अदा किया है। वहीं, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस फैसले को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि यहूदी लोगों ने फिलिस्तीनियों की जमीन पर कब्जा नहीं किया है।

हमास के साथ जंग के बीच अब हिजुबल्ला और हूति विद्रोही, इजरायल पर हमले कर रहे हैं। तेल अवीव में जबरदस्त विस्फोट हुआ, जिसमें एक की मौत हो गई। कम से कम 10 लोग घायल हुए है। इस दौरान कई इमारतों को भी नुकसान हुआ है। इस हमले के बाद सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद कर दिया गया। हूति विद्रोहियों ने कई बार इजरायल को गाजा में हमले बंद करने की चेतावनी दी है। इन हमलों से साफ है कि आने वाले दिनों में वह इजरायल की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं। इसी बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में रफाह क्रॉसिंग का दौरा किया और पूरे गाजा-मिस्र सीमा पर इजरायल के नियंत्रण को बनाए रखने की बात कही है। उन्होंने कहा कि युद्ध विराम समझौता होने के बाद भी मिस्र और गाजा के सीमा पर मौजूद रफाह क्रासिंग पर इजरायल का कब्जा बना रहेगा।

चमत्कार: ट्रंप ने एक चौथाई इंच से भी कम दूरी से मौत को चकमा दिया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प के सिर में गोली घुसने से एक चौथाई इंच से भी कम दूरी पर निकल गई और उनके दाहिने कान के ऊपर लगी, जिससे 2 सेमी चौड़ा घाव हो गया जो कान की कार्टिलाजिनस सतह तक फैल गया। खुद डॉक्टर मानकर चल रहे हैं कि ये किसी चमत्कार से कम नहीं हैं। पूर्व डॉक्टर डॉ. रोनी एल जैक्सन ने कहा कि वह और पूरी दुनिया, ट्रंप पर हत्या के प्रयास के बाद उनके स्वास्थ्य के बारे में बहुत चिंतित थे। मैं उस शाम देर से बेडमिंस्टर, न्यू जर्सी में उनसे मिला, ताकि व्यक्तिगत रूप से उनका

हालचाल जान सकूं। उसके बाद से मैंने प्रतिदिन उनके घाव का मूल्यांकन और उपचार किया है। डॉक्टर ने कहा, वह ठीक हैं। जैसा कि पूरी दुनिया ने देखा कि हत्यारे की उच्च शक्ति वाली राइफल से ट्रंप के दाहिने कान में गोली लगी। डॉ. जैक्सन ने बताया कि गोली उनके सिर में घुसने से एक चौथाई इंच से भी कम दूरी पर निकल गई और उनके दाहिने कान के ऊपर लगी, जिससे 2 सेमी चौड़ा घाव हो गया जो कान की कार्टिलाजिनस सतह तक फैल गया।

गोली के घाव से उम्मीद के मुताबिक ठीक हो रहे हैं। ट्रंप के पूर्व डॉक्टर ने यह जानकारी दी। डोनाल्ड ट्रंप पर 13 जुलाई को पेंसिल्वेनिया में रैली के दौरान जानलेवा हमला हुआ था उस हमले में ट्रंप बाल-बाल बचे थे और गोली उनके दाहिने कान को छूकर निकल गई थी। ट्रंप के पूर्व डॉक्टर ने बताया कि जानलेवा हमले में ट्रंप का बचना किसी चमत्कार से कम नहीं है क्योंकि उन्होंने महज एक चौथाई इंच से भी कम की दूरी से मौत को चकमा दिया। उन्होंने कहा कि शुरू में काफी रक्तस्राव हुआ और उसके बाद पूरे ऊपरी कान में सूजन आ गई। अब सूजन ठीक है और घाव भी ठीक हो रहा है। ट्रंप के सिर का सीटी स्कैन किया गया था और आगे भी उनकी हालत पर लगातार नजर रखी जाएगी। खासकर ट्रंप के सुनने की क्षमता की जांच होती रहेगी। डॉक्टर जैक्सन ने कहा कि मैं बेहद आभारी हूं कि जानलेवा हमले में उनकी जान बच गई और ये एक चमत्कार से कम नहीं है।

बाइडन की तबीयत में आ रहा सुधार

कोरोना संक्रमित अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की तबीयत में तेजी से सुधार आ रहा है और वह राष्ट्रपति पद के कर्तव्यों को भी पूरा कर रहे हैं। व्हाइट हाउस के डॉक्टर केविन सी ओ कॉनर ने बताया कि राष्ट्रपति बाइडन कोरोना के वैरिएंट केपी .2.3 से संक्रमित हैं और इसी वैरिएंट से अमेरिका में 33 प्रतिशत संक्रमण के नए मामले सामने आए हैं। डॉक्टर ने बताया कि राष्ट्रपति बाइडन पैक्सलोविड नामक दवाई खा रहे हैं। अभी उन्हें खांसी और गला बैठने जैसी समस्या हो रही है, लेकिन उनके लक्षणों में लगातार सुधार हो रहा है। बता दें कि बाइडन को 17 जुलाई को कोरोना संक्रमित पाया गया था। जब राष्ट्रपति चुनाव के लिए चुनाव प्रचार जोर-शोर से जारी है और बाइडन की उम्मीदवारी पर सवाल खड़े हो रहे हैं, ऐसे में बाइडन कोरोना की वजह से आइसोलेट हैं और फिलहाल अपने डेलावेयर स्थित अपने घर पर आराम कर रहे हैं।